चैत्र मास, शुक्ल पक्ष 11, वर्ष 11, अंक 338, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00

प्रयागराज, शनिवार, 1 अप्रैल, 2023

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अन्दर : आईपीएल 2023 का पहला विकेट लेकर शमी ने अपना शतक किया पूरा

अन्दर : समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

बिहार के सासाराम में चलीं बम-गोलियां

रामनवमी के एक दिन बाद बंगाल और महाराष्ट्र में फिर हिंसा

कोलकाता/सासाराम। बिहार के सासाराम में रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर शुरू हुआ विवाद शुक्रवार को हिंसक हो गया। दोनों तरफ से जमकर पत्थरबाजी हुई। घरों पर बम चलाए गए। कुछ घरों को आग के हवाले कर दिया गया है। पुलिस से हालात काबू करने के लिए हवाई फायरिंग करनी पड़ी। पत्थरबाजी में दो पुलिसकर्मी समेत कई लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। पूरे सासाराम में धारा-144 लगा दी गई है। मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए हैं। उधर, नालंदा जिले के बिहारशरीफ में भी शोभायात्रा को लेकर हिंसा हुई है। शोभायात्रा बिहारशरीफ के हॉस्पिटल मोड़ से बाबी मणीराम के अखाड़ा तक जा रही थी।

बवाल जारी

सासाराम में घरों में आगजनी
पुलिस को करनी पड़ी फायरिंग
बिहारशरीफ में भी हिंसा

इसी दौरान गगन दीवान के पास दो पक्ष आपस में भिड़ गए। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में जमकर पत्थरबाजी होने लगी। फिर आक्रोशित लोगों ने वाहनों में आग लगानी शुरू कर दी। करीब 1 दर्जन गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया है। पुलिस मौके पर पहुंची है ,लेकिन उपद्रवी बड़ी संख्या में हैं।

उधर, बंगाल और महाराष्ट्र में रामनवमी के एक दिन बाद शुक्रवार को फिर हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने हावड़ा और संभाजीनगर में मंदिरों पर पत्थरबाजी की। इससे पहले गुरुवार को

देशभर में रामनवमी के मौके पर राज्यों में हिंसा और आगजनी की खबरें भी सामने आई थीं। गुजरात के वडोदरा, महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर-जलगांव, पश्चिम बंगाल के हावड़ा-इस्लामपुर और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में दो समुदायों के बीच झड़प के बाद पथराव और आगजनी की घटनाएं हुईं। बिहार के सासाराम और नालंदा में भी हिंसा हुई है। यहां शोभयात्रा को लेकर दो गुटों में पत्थरबाजी हुई। घरों पर बम चलाए गए। दोनों जगह पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। इसमें दो लोग घायल हुए हैं। तीन राज्यों में अब तक 80 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें गुजरात में 24, महाराष्ट्र में 20 और बंगाल में 36 लोग शामिल हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने बंगाल के राज्यपाल से घटना की जानकारी ली है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा और उत्तरी दिनाजपुर जिले में गुरुवार को शोभायात्रा के दौरान हिंसक झड़प हुई थी। 24 घंटे के भीतर शुक्रवार को एक बार फिर शिबपुर में पत्थरबाजी की घटना सामने आई है। यहां एक वर्ग ने मंदिरों में तोड़फोड़ की है। इसके बाद पूरे इलाके में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया है। वहीं, पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में हावड़ा और डालखोला में हिंसा की घटनाओं के संबंध में एक जनहित याचिका दायर की है। अधिकारी ने कोर्ट से मामले की एनआईए से जांच और हिंसा प्रभावित क्षेत्र में सीआरपीएफ की तैनाती की मांग की है। मामले पर 3 अप्रैल को सुनवाई होगी। इधर, ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हिंसा की जांच एनआईए से करने की मांग की है। एक दिन पहले भी हावड़ा के शिबपुर और उत्तरी दिनाजपुर जिले में इस्लामपुर शहर के डालखोला में भी हिंसा हुई थी। शिबपुर में दो गुटों में जमकर पत्थरबाजी हुई। वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें घर की छतों से कुछ लोग शोभायात्रा पर पत्थर फेंकते दिख रहे हैं। इसके बाद शोभायात्रा में शामिल भीड़ ने भी पत्थर फेंके। भीड़ ने आसपास के वाहनों और दुकानों में आगजनी की। शिबपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शोभायात्रा निकाली थी। हिंसा का दूसरा मामला इस्लामपुर शहर के डालखोला का है। यहां भी शोभायात्रा के दौरान दो गुटों में जमकर पत्थरबाजी हुई। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच-छह पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

अंबेडकर विवि में जुलूस के विरोध पर दो गुट भिड़े

रामनवमी पर हिंसा की खबर लखनऊ से भी आई। वहां भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी में छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हुई। यहां एबीवीपी के छात्रों ने राम नवमी पर जुलूस निकाला था। दूसरे गुट ने इसका विरोध किया, जिस पर झड़प हो गई। बाद में दोनों गुटों ने वीसी से कार्रवाई की मांग की। हालांकि यह मामला पुलिस तक नहीं पहुंचा है।

मनीष सिसोदिया को फिर से झटका

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाला से जुड़े सीबीआई के मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका राउज एवेन्यू की विशेष सीबीआई अदालत ने खारिज कर दी है। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने याचिका खारिज करने का निर्णय सुनाया। अदालत ने सीबीआई और सिसोदिया पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद 24 मार्च को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। सिसोदिया वर्तमान में सीबीआई के भ्रष्टाचार और ईडी के मनी लॉड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। सीबीआई और ईडी मामले में न्यायिक हिरासत में बंद सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने पाया कि लगभग 90-100 करोड़ रुपये की अग्रिम रिश्वत का भुगतान उनके और दिल्ली सरकार में उनके अन्य सहयोगियों के लिए था, जबकि इसमें से 20-30 करोड़ रुपये सह-अभियुक्त विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली और अनुमोदक दिनेश अरोड़ा के माध्यम से रूट किए गए हैं।

पीएम की डिग्री दिखाने से जुड़ा आदेश रद्द

केजरीवाल पर 25 हजार का लगा जुर्माना

नई दिल्ली। गुजरात हाईकोर्ट के सिंगल जज जस्टिस बीरेन वैष्णव ने चीफ इनफॉर्मेशन कमिश्नर (सीआइसी) के 2016 में दिए गए आदेश को रद्द कर दिया। इस आदेश में पीएमओ के जन सूचना अधिकारी (पीआइओ) और गुजरात यूनिवर्सिटी और दिल्ली यूनिवर्सिटी के पीआईओ को मोदी की ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री की डिटेल पेश करने के निर्देश दिए गए थे। कोर्ट ने इस मामले में आप नेता और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर पच्चीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया, जिन्होंने पीएम के डिग्री सर्टिफिकेट्स की डिटेल मांगी थी। यह पैसा गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पास जमा किया जाएगा। हाईकोर्ट ने 2 महीने पहले केस की सुनवाई पूरी कर ली थी और फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीएम नरेंद्र मोदी के मुताबिक उन्होंने 1978 में गुजरात यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन और 1983 में दिल्ली यूनिवर्सिटी से पीजी की पढ़ाई पूरी की। सीएम केजरीवाल ने अप्रैल 2016 में केंद्रीय सूचना आयोग को एक लेटर लिखकर पीएम मोदी की शैक्षिक योग्यता से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की थी। उन्होंने लेटर में लिखा कि इस मुद्दे पर किसी भी तरह के भ्रम को दूर करने के लिए डिग्री को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इसके बाद सीआईसी ने गुजरात यूनिवर्सिटी से पीएम मोदी की एमए डिग्री के बारे में केजरीवाल को जानकारी मुहैया कराने को कहा गया था। सीआईसी के इस आदेश को यूनिवर्सिटी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट में यूनिवर्सिटी की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए थे। उन्होंने कोर्ट में कहा था कि केवल इसलिए कि कोई सार्वजनिक पद पर है, उसकी निजी जानकारी नहीं मांगी जानी चाहिए। लोकतंत्र में इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि पद पर आसीन व्यक्ति डॉक्टर है या अनपढ़। कोर्ट के फैसले के बाद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि क्या देश को जानने का हक नहीं है कि उनके प्रधानमंत्री कितने पढ़े हैं। कोर्ट में इन्होंने डिग्री दिखाए जाने का जबरदस्त विरोध किया। क्यों?

फैसला

दिल्ली सीएम बोले-क्या देश को जानने का हक नहीं है

अतीक के भाई अशरफ को फिर प्रयागराज ले जाने की तैयारी, पुलिस टीम पहुंची

बरेली। उमेश पाल हत्याकांड में अशरफ को भी साजिश रचने का आरोपी बनाया गया है। इस मामले में प्रयागराज पुलिस को अशरफ को सीजेएम कोर्ट में पेश करेगी। कोर्ट में पेशी कराकर अशरफ का ज्यूडिशियल रिमांड मांगेगी। बरेली जेल में बंद पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ को फिर प्रयागराज ले जाने की तैयारी है। उमेश पाल हत्याकांड में अशरफ को भी साजिश रचने का आरोपी बनाया गया है। इस मामले में प्रयागराज पुलिस को बरेली जेल से अशरफ को ले जाने की अनुमति वहां के सीजेएम कोर्ट से 28 मार्च को ही मिल गई थी। प्रयागराज पुलिस सीजेएम कोर्ट में पेशी कराकर अशरफ का ज्यूडिशियल रिमांड मांगेगी। ज्यूडिशियल रिमांड मंजूर होते ही पुलिस पूछताछ के लिए अशरफ को अपनी कस्टडी में मांगेगी। बताया जा रहा है कि प्रयागराज पुलिस पूछताछ के लिए अशरफ का 14 दिनों का कस्टडी रिमांड मांग सकती है।

इंदौर हादसा: अब तक 36 की मौत

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष पर गैर इरादतन हत्या का केस

दुखद

मंदिर की दीवार और बावड़ी की स्लैब तोड़ी गई

इंदौर। इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर हादसे में 36 लोगों की जान चली गई। मामले में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सेवाराम गलानी पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। 20 से ज्यादा लोगों का अभी इलाज चल रहा है।

देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। रात 12 से 1.30 बजे के बीच 16 शव और निकाले गए। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू दोबारा शुरू किया गया। मंदिर की दीवार और बावड़ी की स्लैब तोड़ी गई। आर्मी और प्रशासन की कई टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रहीं। 53 वर्षीय सुनील नाम के शख्स का शव शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। घटनास्थल के पास एक धर्मशाला में पटेल समाज के लोग इकट्?ठा हुए थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार सुबह उनसे मिलने पहुंचे। यहां भीड़ ने हाय-हाय और मुदार्बाद के नारे लगाए। हादसे में पटेल समाज के 11 लोगों की मौतें हुई है। समाज के पदाधिकारियों ने कहा- जिन लोगों के यहां मौत हुई है, उनके परिवार से सीएम को मिलना चाहिए था। अफसरों ने पहले बताया गया था कि मुख्यमंत्री परिवार से मिलेंगे और उनकी पीड़ा जानेंगे। बाद में कार्यक्रम कैंसिल कर दिया गया। इधर, रीजनल श्मशान पार्क में शुक्रवार को एक साथ कई चिताएं जलीं।

मौत की चिंगारी बनी मच्छर मारने की क्वाइल, छह मरे

दिल्ली के शास्त्री पार्क में दर्दनाक हादसा

नई दिल्ली। दिल्ली के शास्त्री पार्क में एक बड़ी घटना सामने आई है जो हर उस शख्स के लिए खतरे की घंटी है जो अपने घर में मच्छर भगाने के लिए मॉस्किटो क्वाइल जलाता है। दरअसल शास्त्री पार्क में एक ही परिवार के पांच लोगों समेत कुल छह लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शास्त्री पार्क के जिस घर में हादसा हुआ वहां ग्राउंड फ्लोर पर मकान मालिक का परिवार रहता है और पहली मंजिल पर किराएदार रहते हैं। गुरुवार रात को मकान मालिक ने अपने घर में मच्छर भगाने वाला क्वाइल लगाया जो रात में

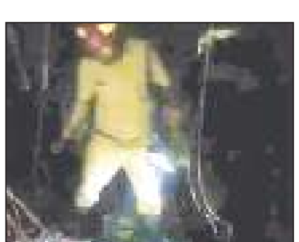

एक गद्दे पर गिर गया। गद्दे पर क्वाइल गिरने से आग लग गई और उसका धुआं ऊपरी मंजिल तक पहुंच गया। आग के धुएं से दम घुटने के कारण किराएदार के परिवार के पांच लोगों की सोते हुए मौत हो गई। वहीं आग में झुलसने से मकान मालिक के परिवार के ढाई साल के एक बच्चे की मौत हो गई। इस तरह मकान मालिक के एक बच्चे समेत कुल छह लोगों की मौत हो गई। मरने वाले छह लोगों में चार पुरुष, एक महिला और एक बच्चा है। वहीं हादसे में दो लोग जलने के चलते घायल हुए हैं। इसमें एक बच्ची 15 साल की और एक पुरुष 45 साल के हैं। 22 साल के एक शख्स को मामूली चोटें आईं थीं, जो अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। एजेंसी

दबोचा गया अमृतपाल का करीबी जोगा सिंह

चंडीगढ़। 14 दिन से पंजाब पुलिस खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की तलाश में जुटी है। मगर अभी तक वह गिरफ्त से बाहर है। इस बीच पंजाब पुलिस ने उसके साथी जोगा सिंह को काबू कर लिया है। जोगा सिंह को साहनेवाल के गुरुद्वारा श्री रेड़ू साहिब के पास से गिरफ्तार किया गया है। सूत्र बताते है कि जोगा सिंह को जालंधर पुलिस ने पकड़ा है। हालांकि अभी गिरफ्तारी के बारे में कोई भी अधिकारी कुछ नहीं बोल रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस के उच्चाधिकारी जल्द ही इस मामले बड़ा खुलासा कर सकते हैं। जोगा सिंह को अमृतपाल सिंह तक पहुंचने में एक अहम कड़ी माना जा रहा है। एक वायरल सीसीटीवी फुटेज में जोगा सिंह को एक मोबाइल के दुकान में बैठा देखा गया था।

उप्र के आईएएस अफसरों को पदोन्नति

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने 1990 बैच के 10 आईएएस अधिकारियों को प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नति दे दी है। नौ अधिकारी वर्तमान में शासन स्तर पर विभिन्न विभागों के मुखिया हैं। अर्चना अग्रवाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। 1990 बैच के आईएएस अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक गत मंगलवार को मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी के बाद शुक्रवार को इनकी पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए गए। करीब ढाई वर्ष के लंबे इंतजार के बाद इन अफसरों को पदोन्नति मिल सकी है। इन्हें मुख्य सचिव के बराबर नियत वेतनमान 2.25 लाख रुपये (सातवें वेतन आयोग के पे-मैट्रिक्स में लेवल-17) में पदोन्नति दी गई है। शासन में तैनात सभी नौ अधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात होने की वजह से अर्चना अग्रवाल को प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है। राज्य सरकार ने कार्यवाहक डीजीपी डीएस चौहान को सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले डीजीपी का वेतनमान देने का आदेश जारी कर दिया। उनको कार्यवाहक डीजीपी बनने की तिथि 12 मई 2022 से इसका लाभ मिलेगा। वहीं सेवानिवृत्त होने के बाद डीजीपी के वेतनमान के मुताबिक पेंशन व अन्य भत्ते देय होंगे। गृह विभाग के सचिव बीडी पाल्सन ने उनको पे-मैट्रिक्स लेवल-17 (रुपये 2,25,000) प्रदान करने का आदेश जारी कर दिया है।

नितिन रमेश गोकर्ण, अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन, हिमांशु कुमार, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास, कल्पना अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल, रजनीश गुप्ता, अपर मुख्य सचिव राजनैतिक पेंशन एवं नागरिक सुरक्षा, दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक शिक्षा, जितेंद्र कुमार, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन, डा. सुधीर महादेव बोबडे, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा, अनीत सिंह, अपर मुख्य सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, सुधीर गर्ग को अपर मुख्य सचिव राजस्व बनाया गया।

इंतजार खत्म

नितिन रमेश गोकर्ण, हिमांशु, कल्पना व दीपक सहित 10 अपर मुख्य सचिव बने

डीएस चौहान को सेवानिवृत्ति से एक दिन पहले मिला डीजीपी का वेतनमान

डीजी रैंक के पांच अफसरों का तबादला

लखनऊ। आरके विश्वकर्मा को कार्यवाहक डीजीपी बनाने के साथ राज्य सरकार ने शुक्रवार को डीजी रैंक के पांच अफसरों को इधर से उधर कर दिया। एडीजी प्रशांत कुमार को स्पेशल डीजी के पद पर प्रोन्नत होने के बाद कानून व्यवस्था और अपराध का स्पेशल डीजी बनाया गया है। साथ ही, ईओडब्ल्यू का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डीजी सीबीसीआईडी विजय कुमार को निदेशक सतर्कता का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डीजी जेल आनंद कुमार को हटाकर कोआपरेटिव सेल भेजा गया है। डीजी पावर कार्पोरेशन एसएन साबत को डीजी जेल बनाया गया है। एडीजी क्राइम रहे एमके बशाल को स्पेशल डीजी पावर कार्पोरेशन बनाया गया है।

सरकार ने इलेक्टोरल बांड की 26वीं किश्त को दी मंजूरी

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने शुक्रवार को इलेक्टोरल बांड की 26वीं खेप जारी करने को मंजूरी दी। बता दें कि 3 अप्रैल से इलेक्टोरल बांड बिक्री के लिए खुले होंगे। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होगा, जबकि 13 मई चुनाव परिणाम घोषित होंगे। राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने की कोशिशों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के रूप में इलेक्टोरल बांड को पेश किया गया। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारतीय स्टेट बैंक को बिक्री के 26वें चरण में 3 से 12 अप्रैल तक 29 अधिकृत शाखाओं के माध्यम से इलेक्टोरल बांड जारी करने और भुनाने

सोमवार से होगी बिक्री

के लिए अधिकृत किया गया है। इलेक्टोरल बांड का आखिरी चरण 19 से 28 जनवरी, 2023 के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। आम तौर पर चुनावी बांड ट्रेंच एक निर्धारित महीने की 1 से 10 तारीख के बीच में बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं। बता दें कि चुनावी बांड जारी होने की तारीख से 15 दिनों के लिए वैध होगा।

कानपुर के एआर टॉवर में भीषण आग, 10 अरब का नुकसान

पांचों टॉवर का निरीक्षण करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक बोले-अग्निकांड में राजनीति न करें, यह दुखद घटना

कानपुर। कानपुर में बांसमंडी, हमराज मार्केट के बगल में एआर टॉवर में भीषण आग लग गई। गुरुवार की देर रात हुए हादसे में आग ने विकराल रूप ले लिया। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। लगभग छह घंटे से टॉवर जल रहा है। इस हादसे में पांच कॉम्प्लेक्स आग से तबाह हो गए हैं।

वहीं इस हादसे पर पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर तंज मार रहे हैं। एक तरफ जहां सपा प्रमुख ने योगी सरकार को घेरा तो वहीं बीजेपी ने भी पलटवार किया है। बताया जा रहा है कि एक अनुमान के मुताबिक 10 अरब से ज्यादा की क्षति हुई है। बता दें कि ये यूपी का सबसे बड़ा रेडीमेड होलसेल बाजार है। दमकल कर्मियों के द्वारा आग बुझाने का प्रयास अभी भी जारी हैं। मौके पर कानपुर कमिश्नर मौजूद हैं। अगल-बगल के जनपदों से भी मदद ली जा रही है। पुलिस के अनुसार, हवा की वजह से आग बुझाने में दिक्कत आ रही है। एयरफोर्स, आर्मी, सीओडी, ऑर्डिनेंस की गाड़ियां भी मौके पर आ चुकी हैं। जल्द ही आग पर काबू पाने की संभावना है। एआर टॉवर में दो दर्जन से अधिक रेडीमेड कपड़ों की होलसेल दुकानें हैं। बताया जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट से लगी जो धीरे-धीरे भड़कते हुए पूरी बिल्डिंग में फैल गई। पुलिस का कहना है कि आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी। कानपुर, उन्नाव और लखनऊ समेत कई जिलों की 50 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। डीएम और पुलिस कमिश्नर ने सेना के अफसरों से संपर्क किया है। मौके पर आग बुझाने के लिए सेना की गाड़ियां भी पहुंच गई हैं। कानपुर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड, जॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी और डीएम मौके पर मौजूद हैं। एयरफोर्स, आर्मी, सीओडी आदि के अधिकारी और गाड़ियां भी मौके पर पहुंच चुकी हैं। बांसमंडी इलाके में लगी आग की सूचना पर डिप्टी डायरेक्टर फायर अजय कुमार गुप्ता, लखनऊ भी मौके पर पहुंच गए हैं। उनके साथ हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड आई है। बता दें कि हाइड्रोलिक प्लेटफार्म गाड़ी कानपुर में तीन साल से खराब पड़ी है। इससे पहले भी एक गाड़ी आई थी, वो भी खड़े-खड़े बेकार हो गई।

अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कानपुर आग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि कपड़ा मंडी में लगी आग पहले से ही नोटबंदी, जीएसटी के छापों और मंदी की मार झेल रहे व्यापारियों के लिए आर्थिक व मानसिक रूप से एक और गहरी मार है। उप्र भाजपा सरकारव्यापारियों को हुई हानि का तत्काल आकलन कर सच्चे मुआवजे की तुरंत घोषणा करे। साथ ही दमकल की क्षमता का भी आकलन होना चाहिए।

जिलाधिकारी कानपुर विशाख जी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। वहीं अनवरगंज में एआर टावर समेत पांच इमारतों में आग लगने की घटना का निरीक्षण करने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक कानपुर पहुंचे। उनका ये औचक दौरा रहा। मुख्यमंत्री ने पांचों टावर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा ये दुखद घटना है और इसका राजनीतिकरण करना ठीक नहीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा की सरकार व्यापारियों के साथ है।

अग्निकांड

घंटों जलती रहीं कपड़े की सैकड़ों दुकानें, कई जनपदों से बुलाई गई फायर ब्रिगेड

न0पं0 शंकरगढ़ : आरक्षण सूची से दिग्गजों को लगा करारा झटका

चुनाव लड़ने की उम्मीदों पर फिरा पानी, एक बार फिर अनुसूचित जाति की महिला के लिये सीट हुई आरक्षित

बारा। नगर पंचायत का चुनाव लड़ने की इच्छा लेकर बैठे कई दिग्गजों को गुरुवार की शाम शासन की आरक्षण सूची ने गच्चा दे दिया। नगर पंचायत शंकरगढ़ के अध्यक्ष पद की सीट अनुसूचित जाति महिला के लिए रिजर्व की गई है। ऐसे में ज्यादातर दावेदारों की चुनाव लड़ने की उम्मीद टूट गई और अब उन लोगों ने अपने मनमुताबिक कैंडीडेट की तलाश तेज कर दी है।

नगर पंचायत के 12 वार्डों का आरक्षण

नगर पंचायत शंकरगढ़ में कुल 12 वार्ड हैं। इसमें चिकान टोला को पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित किया गया है। इसी क्रम में चमरौटी टोला की सीट पिछड़ा वर्ग, गुड़िया तालाब को अनुसूचित जाति महिला, लाला का पुरवा को पिछड़ा वर्ग को दिया गया है। इसी तरह मोटियान टोला और धर्मनगर को अनुसूचित जाति के हवाले कर दिया गया है। जबकि मोदीनगर, पटेलनगर, सिंधी टोला और राजा कोठी की सीट अनारक्षित और हज्जी टोला और सदर बाजार को महिला के लिए रिजर्व किया गया है।

शासन की तरफ से जारी की गई आरक्षण सूची में नगर पंचायत शंकरगढ़ के चेयरमैन की सीट को अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित किया गया है। जबकि, इस सीट के सामान्य होने का अनुमान लगाया जा रहा था। इसी अनुमान के आधार पर कई दिग्गज बीते कई माह से चुनावी जमीन तैयार कर रहे थे। पर, आरक्षण बदल जाने से अब वही दावेदार मनमुताबिक दावेदार की तलाश शुरू कर दी है।

नगर पंचायत शंकरगढ़ के चेयरमैन की कुर्सी अनुसूचित जाति महिला के खाते में जाने से दावेदारों की बेचैनी साफ-साफ देखी जा सकती है। अनुसूचित जाति महिला की सीट घोषित होने से तमाम दावेदार मायूस दिखाई दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित यह सीट कई मायनों में बेहद अहम मानी जाती है। पिछली बार की तरह इस बार भी यहां सबसे अधिक चर्चा आरक्षण सूची पर हो रही है।

नगर पंचायत शंकरगढ़ में सामान्य सीट से अनूप केसरवानी, सुधा गुप्ता, रोहित केसरवानी, सुजीत केसरवानी और अन्य पिछड़ा वर्ग महिला सीट के दावेदार पूर्व चेयरमैन अनुपमा वैश्य पत्नी सचिन वैश्य, माया देवी पत्नी मसुरिया दीन वर्मा, सतीश विश्वकर्मा की माता कमलेश देवी, रंजना सिंह पत्नी दिनेश सिंह, शहजादी पत्नी महमूद अली, रेखा सोनी पत्नी कुलदीप वैश्य, रश्मि सोनी पत्नी आशीष वैश्य समेत तमाम कैंडिडेट अब मायूस दिखाई दे रहे हैं।

बरसात के साथ ओले पड़ने से किसानों का भारी नुकसान

मेजा। क्षेत्र में गुरुवार को जमकर बरसात हुई साथ ही ओले भी पड़े जिससे किसानों का भारी नुकसान हुआ। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पकरी सेवार मिथिलेश पाण्डेय ने बताया कि बारिश और ओले पड़ने के कारण किसानों का भारी नुकसान हुआ है । किसानों की दलहन, तिलहन और गेहूं की खेती पूरी तरह से बर्बाद हो गई । गाँव के गुलाब चंद पाण्डेय ने बताया कि दस बिधे की गेहूं की फसल पूरी तरह से खराब हो गई । इसी तरह किसानों की सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद हो गई ।

प्रधान प्रतिनिधि मिथिलेश पाण्डेय ओले दिखाते

हरीसेनगंज के प्राचीन हनुमान मंदिर में नव रात्रि पर यज्ञ का आयोजन किया गया

मऊआइमा। मऊआइमा विकास खण्ड के हरिसेनगंज स्थित प्राचीन मन्दिर में राम भूषण शास्त्री के देख रेख में यज्ञ का आयोजन राम नवमनी के अवसर पर किया गया। उसके बाद पूरे हरीसेनगंज में शोभा यात्रा निकाली गई और फिर प्रवचन का कार्यक्रम हुआ तत्पश्चत कन्या पूजन करके कन्या भोज करवाकर कार्यक्रम का समापन किया। संचालन आचार्य शिव कुमार ब्रह्मचारी ने किया ,सुरेश कुमार कौशल ,शंकर लाल गुप्ता,राकेश कुमार पटेल ग्राम प्रधान पति माही कौशल आदि उपस्थित थे।

भाजपा से जमुना प्रसाद मौर्या और चंद्रशेखर पांडेय चुने गये निर्विरोध

मऊआइमा। विकास खंड मऊआइमा के सहकारी संघ लिमिटेड भाजपा के जमुना प्रसाद मौर्या और जमखुरी से भाजपा के चन्द्र शेखर पांडेय निर्विरोध चुने गए। जिससे भाजपाइयों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर भाजपा के दोनों मंडल अध्यक्ष शारदा प्रसाद शुक्ला एवं राम सुंदर मिश्रा जिला उपाध्यक्ष राम पलट पटेल प्रकाश त्रिपाठी आदेश पांडेय विजय सिंह जी प्रकाश अभिषेक यादव राम कैलाश पटेल, दिवाकर मिश्रा, जय प्रकाश पटेल राहुल ठाकुर, डॉक्टर संतोष त्रिपाठी, दिनेश मिश्रा , राम भजन यादव ,दखनी लाल गुप्ता अवधेश पांडेय घनश्याम यादव धर्मेंद्र कुमार एवं समस्त पदाधिकारीगणों ने बधाई देते हुए खुशी का इजहार किए।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज कनिष्ठ श्रेणी कौशाम्बी

वाद सं. 19 सन 2022, मनोज कुमार बनाम उदयन भान आदि। उदयनभाग उर्फ धुन्धकारी पुत्र उमाशंकर निवासी रानीपुर, तहसील मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी को अदालत द्वारा हुक्म होता है कि 15.04.2023 को जरिए अधिवक्ता या फिर हाजिर होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा एक पक्षीय सुनवाई कर दी जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत चिल्ला शहबाजी वि0खं0 चायल, जनपद कौशाम्बी

अल्प कालिक निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत चिल्ला शहबाजी विकास खण्ड चायल जनपद कौशाम्बी में 15वॉ वित्त आयोग, 14 वॉ वित्त आयोग, पंचम राज वित्त योजना, मनरेगा योजना, कायाकल्प योजना, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत शौंचालय निर्माण मरम्मत, स्वच्छता व नाली निर्माण मरम्मत, खड़ंजा निर्माण, हैंण्डपम्प मरम्मत, रिबोर, इण्टर लाकिंग, पंचायत भवन मरम्मत, आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण व मरम्मत, सोलर लाइट पम्प, सेनेटाइजर कार्य, सोक्ता गड्ढा, व अन्य कार्यों में उपयुक्त होने वाली सामाग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों द्वारा दिनांक 2-4-2023 से 8-4-2023 तक सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 8-4-2023 को समय दोपहर 12.00 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। सामाग्री की मात्रा पंचायत में स्वीकृत प्राकलन के अनुसार पृथक-पृथक होगा।

अजय कुमार
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत चिल्ला शहबाजी
विकास खण्ड चायल, कौशाम्बी

सुरेन्द्र सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खण्ड चायल, कौशाम्बी

पत्रांक-मेमो0 वित्तीय वर्ष 2023-24 दिनांक-1/4/2023

कार्यालय ग्राम पंचायत पट्टी नरवर वि0खं0 मूरतगंज, जनपद कौशाम्बी

अल्प कालिक निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पट्टी नरवर विकास खण्ड मूरतगंज जनपद कौशाम्बी में 15वॉ वित्त आयोग, 14 वॉ वित्त आयोग, पंचम राज वित्त योजना, मनरेगा योजना, कायाकल्प योजना, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत शौंचालय निर्माण मरम्मत, स्वच्छता व नाली निर्माण मरम्मत, खड़ंजा निर्माण, हैंण्डपम्प मरम्मत, रिबोर, इण्टर लाकिंग, पंचायत भवन मरम्मत, आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण व मरम्मत, सोलर लाइट पम्प, सेनेटाइजर कार्य, सोक्ता गड्ढा, व अन्य कार्यों में उपयुक्त होने वाली सामाग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों द्वारा दिनांक 2-4-2023 से 8-4-2023 तक सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 8-4-2023 को समय शाम 5.00 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। सामाग्री की मात्रा पंचायत में स्वीकृत प्राकलन के अनुसार पृथक-पृथक होगा।

रोशन लाल
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत पट्टी नरवर
विकास खण्ड मूरतगंज, कौशाम्बी

नरेन्द्र नाथ सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खण्ड मूरतगंज, कौशाम्बी

पत्रांक-मेमो0 वित्तीय वर्ष 2023-24 दिनांक-1/4/2023

कार्यालय ग्राम पंचायत बघेलापुर उपरहार वि0खं0 सिराथू, जनपद कौशाम्बी

अल्प कालिक निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बघेलापुर उपरहार विकास खण्ड सिराथू जनपद कौशाम्बी में 15वॉ वित्त आयोग, 14 वॉ वित्त आयोग, पंचम राज वित्त योजना, मनरेगा योजना, कायाकल्प योजना, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत शौंचालय निर्माण मरम्मत, स्वच्छता व नाली निर्माण मरम्मत, खड़ंजा निर्माण, हैंण्डपम्प मरम्मत, रिबोर, इण्टर लाकिंग, पंचायत भवन मरम्मत, आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण व मरम्मत, सोलर लाइट पम्प, सेनेटाइजर कार्य, सोक्ता गड्ढा, खाद गड्ढा, कूड़ा गडढ़ा व अन्य कार्यों में उपयुक्त होने वाली सामाग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों द्वारा दिनांक 1-4-2023 से 9-4-2023 तक सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 10-4-2023 को समय दोपहर 3.00 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। सामाग्री की मात्रा पंचायत में स्वीकृत प्राकलन के अनुसार पृथक-पृथक होगा।

खुर्शीदा बानो
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बघेलापुर उपरहार
विकास खण्ड सिराथू, कौशाम्बी

लक्ष्मी नारायण
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खण्ड सिराथू, कौशाम्बी

पत्रांक-मेमो0 वित्तीय वर्ष 2023-24 दिनांक-1/4/2023

कार्यालय ग्राम पंचायत शेखपुर रसूलपुर वि0खं0 चायल, जनपद कौशाम्बी

अल्प कालिक निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत शेखपुर विकास खण्ड चायल जनपद कौशाम्बी में 15वॉ वित्त आयोग, 14 वॉ वित्त आयोग, पंचम राज वित्त योजना, मनरेगा योजना, कायाकल्प योजना, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत शौंचालय निर्माण मरम्मत, स्वच्छता व नाली निर्माण मरम्मत, खड़ंजा निर्माण, हैंण्डपम्प मरम्मत, रिबोर, इण्टर लाकिंग, पंचायत भवन मरम्मत, आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण व मरम्मत, सोलर लाइट पम्प, सेनेटाइजर कार्य, सोक्ता गड्ढा, व अन्य कार्यों में उपयुक्त होने वाली सामाग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों द्वारा दिनांक 2-4-2023 से 9-4-2023 तक सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 10-4-2023 को समय दोपहर 2.00 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। सामाग्री की मात्रा पंचायत में स्वीकृत प्राकलन के अनुसार पृथक-पृथक होगा।

बासदेव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत शेखपुर रसूलपुर
विकास खण्ड चायल, कौशाम्बी

सुरेन्द्र सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खण्ड चायल, कौशाम्बी

पत्रांक-मेमो0 वित्तीय वर्ष 2023-24 दिनांक-1/4/2023

संक्षेप

उपहार के साथ गमगीन माहौल में शिक्षिका की हुई विदाई

करछना। विकास खंड के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय करछना में सेवानिवृत्त शिक्षिका की विदाई की गई तथा शिक्षण संस्थान से जुड़े शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने, सेवा निवृत्त शिक्षिका सुमन शुक्ला को उपहार स्वरूप अंगवस्त्र से सम्मानित कर गमगीन माहौल में विदा किया इस मौके पर खन्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार , के साथ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अवतार किशन सिंह एडवोकेट के साथ शिक्षक शिक्षिका मौजूद रही विदाई की बेला पर कक्षा आठ के छात्र छात्राओं की भी विदाई की गई शिक्षिका सुमन शुक्ला की विदाई के मौके पर छात्राओं ने उनसे लिपट कर फुट फुट कर रोने लगी इस मौके पर सभी लोग भी भावुक हो उठे

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक कल आएंगे मेजा

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल गोशौरा कला में करेंगे भवन का लोकार्पण

मेजा। क्षेत्र के दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कालेज गोशौरा कला में रविवार 2अप्रैल को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक विद्यालय के भवन का लोकार्पण करेंगे । श्री पाठक के आने की तैयारी में विद्यालय के चेयरमैन सुशील कुमार मिश्र व प्रबंधक डॉक्टर स्वतंत्र मिश्रा सहित प्रबंधन जुटा हुआ है बारीकी से एक एक इसके अतिरिक्त उनकी सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों की मॉनिटरिंग तहसील प्रशासन और पुलिस भी कर रही है । शुक्रवार को उप जिलाधिकारीमेजा विनोद कुमार पांडेय विद्यालय पहुँचकर तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया । इसी तरह इंस्पेक्टर मेजा ज्ञानेश्वर मिश्र ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया ।

सेवानिवृत्त शिक्षिका को दी गई भावभीनी विदाई

लालापुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज की प्रधानाध्यापिका मीना दास एक लंबी सेवा अवधि के बाद 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुई। विद्यालय परिवार ने उन्हें भावभीनी विदाई दिया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्यामाकांत द्विवेदी ने बताया कि 28 वर्षों तक आपने विभिन्न विद्यालयों में बच्चों के भविष्य को संवारने का कार्य किया है।एक लंबी अवधि तक शिक्षण कार्य के बाद आज वह सेवा मुक्त हो रही है तो निःसंदेह विद्यालय परिवार के लिए तकलीफ की बात है।लेकिन यह जिंदगी का एक हिस्सा है और यहां से एक नई पारी की शुरूआत होती है।इसलिए इसका कोई अफसोस नहीं होना चाहिए।ग्राम प्रधान रजनीश कुमार यादव ने भी उनकी सरलता, सहजता और उदारता की प्रशंसा करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया।उनकी मेहनत और ईमानदारी की सभी ने सराहना किया।विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें अंगवस्त्रम, गीता और श्रीफल प्रदान कर उनके खुशहाल जीवन की कामना किया गया।इस अवसर पर भारतेन्द्र त्रिपाठी, नाज़िया सुल्ताना, रजनीकांत पांडेय,जीतेंद्र कुमार शर्मा,शिशिर जायसवाल,अमरदीप चौधरी,अरविंद कुमार सिंह, सुबोध बरूआ,राकेश कुमार,पूनम तिवारी,पंकज गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देव भूमि इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों में खुशी

खीरी। कोरांव तहसील के खीरी बाजार स्थित देवभूमि इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों में अंकपत्र वितरण से शुक्रवार को खुशी देखी गई । जूनियर हाई स्कूल वर्ग में अदिति सिंह ने अधिकतम अंक प्राप्त किए, वही प्राइमरी वर्ग में अभिनव सिंह पाल ने अधिकतम अंक प्राप्त किया ।जिस पर स्कूल द्वारा उक्त बच्चों को शील्ड प्रदान किया गया। जिससे बच्चों में खुशी व उत्साह का ठिकाना नही रहा।वही सभी कक्षाओं के बच्चों को प्रथम द्वितीय और तृतीय अंक प्राप्त करने पर बच्चों को मेडल व सामान्य ज्ञान की पुस्तकें, कॉपी कलम उत्साहवर्धन हेतु दिया गया ।अंक पत्र प्रदान करते समय प्रबंधक अनुज कुमार ने बताया कि बच्चों का उत्साहवर्धन करना चाहिए।मौके पर कई अभिवावक समेत स्वेता भारती ,प्रिंसिपल इंद्र लाल कुशवाहा ,अध्यापक शुशील मिश्रा,अमरीश ,दिलीप यादव,पुष्पा सिंह ,अनामिका दिवेदी ,श्याम नारायण शर्मा मौजूद रहे।

श्रृंगवेरपुर में मनाया गया भगवान राम का जन्मोत्सव, गाये गए सोहरगीत

श्रृंगवेरपुर। अयोध्या में जन्मे श्रीराम के जन्मोत्सव अवसर पर बहन शांता के घर श्रृंगवेरपुर धाम मे महिलाओं ने गाए मंगल गीत। श्रीराम जन्मोत्सव पर भगवान राम की बहन के आंगन में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। संस्कृति विभाग अयोध्या शोध संस्थान के माध्यम से रामायण मेला आयोजन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सोहर बधाई वह मंगल गीत गाया। इस अवसर पर संत महात्माओं के साथ क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। श्रीराम जन्मोत्सव शास्त्री परंपरा के अनुसार राम-जानकी मंदिर हनुमानगढ़ी राम चैरा घाट के महंत स्वामी कमल दास महाराज ने बतौर मुख्य अतिथि वैदिक मंत्रोचार व श्रीराम चरितमानस के संगीतमय पाठ के द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव का कार्यक्रम संपन्न कराया। इस अवसर पर परमहंत ने स्वयं सोहर गीत व बधाई का गुणगान किया। जिससे उपस्थित भारी संख्या में राम भक्त भावविभोर हो गए। इस अवसर पर भाजपा नेता विनोद ओझा, पंकज पांडेय, अशोक कुमार शर्मा, विनय अग्रवाल, एडवोंकेट बलराम सिंह, मेला समिति के उपाध्यक्ष सियाराम सरोज, सुनील केसरवानी, पूनम द्विवेदी, रेखा भारतीय, देवेंद्र कुमार त्रिपाठी, ओम प्रकाश आदि रहे।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने मर्यादा में रहकर जीने की कला सिखाई : योगेश शुक्ल

अयोध्या शोध संस्थान उत्तर प्रदेश व भोजपुरी संगम के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया राम जन्मोत्सव

मेजा। क्षेत्र के कठौली गाँव मे गुरुवार को अयोध्या शोध संस्थान उत्तर प्रदेश एवं भोजपुरी संगम के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया। जन्मोत्सव कार्यक्रम में भजन गायक रत्नेश दुबे, नीरज पांडेय व राजेश गुप्ता द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाया गया । रत्नेश दुबे का भजन कलयुग का उद्धार करेंगे त्रेता के श्री राम को जनमानस ने खूब सराहा। इस अवसर पर भाजपा नेता योगेश शुक्ला ने कहा भगवान प्रभु श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम तो थे ही वे एक योग्य पुत्र, योग्य भाई, योग्य पति के साथ साथ योग्य राजा भी थे जो अपने सुख से पहले अपनी प्रजा का ध्यान रखते थे। श्री शुक्ल ने कहा

कार्यक्रम में संबोधित करते भाजपा नेता योगेश शुक्ल

कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम ने आम जनमानस को जीने की कला सिखाई, उन्होंने कहा आप कितनी भी कठिनाई में हों लेकिन मयार्दा को न छोड़ें। कार्यक्रम में मानस मर्मज्ञ अनिल राय ने भगवान श्री राम के जीवन यात्रा पर मानस की चौपाई से लोगों को जोड़ा। अनिल राय ने अजीत सिंह को तुलसीदास रचित रामायण की पुस्तक देकर सम्मानित किया। अवसर पर ब्लॉक प्रमुख उरुवा के प्रतिनिधि भोला गौतम, राहुल तिवारी, विशाल पटेल, अनिल मिश्र, दया शंकर गौतम, कठौली के पूर्व प्रधान हेमंत शर्मा, विनय कुमार, जय प्रकाश जितेंद्र शर्मा, संदीप सिंह, माधो प्रसाद, शुभाष तिवारी, मिश्र, संतोष शर्मा, मार्तंड शर्मा, अनुरोध मिश्र, दिनकर मिश्र, रवि मिश्र, शीतला यादव, दया शंकर गौतमदरोगा यादव, नवीन राय आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला अधिकारी और जिला जज ने केंद्रीय कारागार का किया निरीक्षण

नैनी। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री और जिला जज संतोष कुमार राय ने शुक्रवार को केंद्रीय कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भोजन व्यवस्था को देखकर नाराजगी जताई। भोजन की व्यवस्था की गुणवत्ता में सुधार करने का निर्देश दिया लगभग 3:30 बजे अधिकारियों का काफिला जेल परिसर में पहुंचा तो खलबली मच गई अधिकारी सीधे बैरक में जाकर तलाशी शुरू कर दिया हाई सिक्योरिटी बैंक से लेकर तमाम स्थानों पर तलाशी ली गई इस दौरान कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली बंधुओं से उनकी समस्याएं सुनी गई और समस्याओं के निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया बंदियों के मोबाइल नंबर की जांच कर उनके स्वजन से बात कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आकाश कुलहरी एसी जीएम डीके गौतम एसीपी अजीत सिंह चौहान स्पेक्टर बृजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

तेज तूफान से गिरे पेड़, झमाझम ओले के साथ हुई बारिश

करछना। विकास खंड करछना के अंतर्गत शुक्रवार सायंकाल अचानक तेज हवा के साथ बारिश एवं ओले पड़ने से किसानों को काफी नुकसान हुआ बताया जाता है कि विकासखंड के महोरी रीवा गांव बरदहा कैथी आदि आधा दर्जन से अधिक गांवों में तेज हवा के साथ हुई बारिश और झमाझम ओले पड़ने से व्यापक पैमाने पर फसलों का नुकसान हुआ है ग्राम प्रधान महोरी रीवा राजकुमार पटेल ने बताया कि गांव के जाने वाले मार्ग पर कई हरे पेड़ तेज तूफान के कारण गिर कर धराशाई हो गए जिससे आवागमन बाधित हो गया था जिसे मजदूरों को लगाकर रास्ते को खाली कराया गया वहीं बिजली के खंभे टूटने से भी गांव में बिजली की समस्या भी उत्पन्न हो गई है बताया जाता है कि शुक्रवार को बारिश अचानक होने से क्षेत्र में काफी जनजीवन के साथ-सथ किसानों की फसलों गेहूं आदि खेतो में सब नष्ट हो गए हैं तथा खेतों में पानी लग जाने से पूरी फसल बर्बाद हो गई है।

नारीरीबारी में मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज के प्राचार्य ने फीता काटकर ब्लड बैंक का किया शुभारंभ

शंकरगढ़। माँ शारदा हास्पिटल ब्लड बैंक एवं कम्पोनेंट सेन्टर का नारीबारी में भव्य शुभारंभ मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के प्राचार्य डॉ.एस.पी.सिंह के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित व फीता काटकर ब्लड बैंक का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी, डॉ. मनोज कुमार सिंह (एमडी) डॉ. संतोष सिंह(एमएस) ,अनिल कुमार सिंह आदि रहे। प्राचार्य डॉ.एस.पी.सिंह ने कहा ब्लड डोनेशन, ब्लड़ बैंक की स्थापना करना बडी. बात है। वह भी ग्रामीण क्षेत्रो में,जब ब्लड़ की एक्सीडेंटल आदि केसेज मे आवश्यकता पड़ेगी तो यह ब्लड़ बैंक जीवन रक्षक का कार्य करेगा। प्राचार्य ने डॉ.मनोज सिंह को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा समाज हित के लिए,उनके सेवा के लिए, सेवा भाव से ब्लड बैक की जो स्थापना किया है, उससे मरीजो को बडा.

ब्लड बैंक का फीता काटकर शुभारंभ करते हुए

फायदा होगा। इससे पूर्व डॉ.मनोज सिंह ने अतिथियो को बुके भेंटकर स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह ने ब्लड बैंक परिसर मे लगे अत्याधुनिक मशीनो संसाधनो का निरीक्षण किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने कहा उत्तर प्रदेश मध्यप्रदेश के सीमा से सटे नारीबारी में डॉ.मनोज सिंह के द्वारा ब्लड बैक की स्थापना आपातकाल स्थितियो के लिए दोनो सीमावर्ती राज्य के जनता के लिए वरदान साबित होगी। क्षेत्र की जनता की ओर से हास्पिटल परिवार को ढेरो शुभकामनाएं। इस अवसर पर समाजसेवी घनश्याम शुक्ला, नारेन्द्र शुक्ला, प्रदीप कुमार केसरवानी, सोनू सिंह, राहुल सिंह, प्रमोद सिंह, नवीन सिंह, रावेन्द्र सिंह, अनिल सिंह, आकाश सिंह आदि के साथ भारी सख्यां मे क्षेत्रिय लोग उपस्थित रहे। परिसर मे ब्लड बैंक स्थापना के दौरान संगीतमय श्रीरामचरित मानस अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है।

विद्यालय भानुमति के योगदान को कभी नहीं भूलेगा : नीलम तिवारी

विदाई समारोह

रास्ट्रीय शिक्षा निकेतन लखनपुर की प्रधानाचार्या भानुमति हुई सेवानिवृत्त, धूमधाम से हुई विदाई

विद्यालय प्रबंधन ने भानुमति तिवारी की बड़े ही धूमधाम से विदाई की

मेजा। राष्ट्रीय शिक्षा निकेतन बालिका जूनियर हाई स्कूल लखनपुर ,मेजा की प्रधानाचार्या भानुमति तिवारी गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गई। विद्यालय प्रबंधन ने भानुमति तिवारी की बड़े ही धूमधाम से विदाई की।

इस दौरान प्रबंधक नीलम तिवारी ने कहा कि प्रधानाचार्या भानुमति

भानुमति तिवारी के विदाई के अवसर पर मौजूद प्रबंधक व शिक्षकगण

तिवारी ने पूरे समर्पण से शिक्षण कार्य संचालित किया जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विद्यालय उनके योगदान को कभी नहीं भूलेगा।

इस मौके पर रंजीता यादव, पूनम पांडेय, संदीप तिवारी, राजीव तिवारी, श्वेता तिवारी, देवकांत दुबे,यदुबिर सिंह, रंजना बिंद, आरती विश्वकर्मा, रविशंकर दुबे और समस्त बच्चे मौजूद रहे।

मौलानाओ ने बताया जकात का पैसा देखावा कर के देना बिलकिल गलत

मऊआइमा। मऊआइमा नगर पंचायत अध्यक्ष चुनाव की आरक्षण सूची आते ही भावी चेयमैन पद के प्रत्याशी जो आज तक रमजानुल मुबारक के पाक महीने में उनके जकात का ढाई प्रतीशत जकात जो अनिवार्य है पता नहीं चलता था। बताते हैं कि इस बार भावी प्रत्याशियों द्वारा जकात के पैसों का घर घर राशन सामग्रियां बांट रहे हैं। इस बाबत मौलाना मोहम्मद आदिल नदवी ने बताया कि यह सरासर गलत है। यदि महज वोट के लिए जकात भी बंट जाए और वोट भी मिल जाए सरासर गलत है। यह अपना आखिरत दुनिया दोनों खराब कर रहे हैं। देखावा करना बिल्कुल हराम है।मौलाना आदिल नदवी ने सख्त लहजे में कहा कि ऐसे लोगों को अल्लाह माफ नहीं करेगा।अल्लाह का अजाब सख्त है। गरीबों को देखावा करके जकात देना गरीबों का मजाक उडाना है। मौलाना उबैद उल्ला ने कहा कि जकात देना साहबेहैशिय पर अनिवार्य है परन्तु यह दिल से दिया गया हो। परन्तु वोट ,जकात दोनों के लिए सरासर बिदअत है। ऐसे लोग इस्लाम में नहीं आते। मौलाना ने एक हदीस के हवाले से कहा कि पाक रसूल ने सख्ती से मना फरमाया है।मुफ्ती मौलाना हिबजुल रहमान ने कहा कि ऐसे लोगों पर अल्लाह की फटकार है इन्हें न वोट मिलेगा न सवाब ?

वाराणसी

युवा शक्ति के निर्माता हैं शिक्षक : रामनाथ कोविंद

कहा-शिक्षक को शिक्षा व्यवस्था के मूलभूत सुधारों पर करना चाहिए फोकस

राष्ट्रीय संगोष्ठी

बीएचयू के अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र का दो दिनी आयोजन

वाराणसी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षक ही युवाशक्ति के निर्माता होते हैं। उन्होंने कहा कि काबिल युवाओं को तैयार करने वाले शिक्षक ही हैं। वह बीएचयू के अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र की तरफ से आयोजित दो दिवसीय 'शैक्षिक जगत के समक्ष उच्च शिक्षा में उभरती चुनौतियां' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि पद से शुक्रवार को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि शिक्षक को शिक्षा व्यवस्था के मूलभूत सुधारों पर फोकस करना चाहिए। सीखने-सिखाने के साथ वर्तमान में जीना होगा। चिंतन-मनन करना ही शिक्षक का काम है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि सीखने के लिए हर इंसान को अहंकार से दूर होना होगा। काम करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति ने मातृभाषा में शिक्षा और उसके प्रयोग को तेजी से आत्मसात करने की बात कही। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सभी स्तरों पर शिक्षकों को हमारे समाज के सबसे सम्मानित और जरूरी सदस्यों के रूप में फिर से स्थापित किया जाना चाहिए, क्योंकि वे लोग ही वास्तव में नागरिकों की हमारी अगली पीढ़ी को आकार देते हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए आईयूसीटीई गवर्निंग बोर्ड के चेयरमैन प्रो. जगमोहन सिंह राजपूत ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र में शिक्षाविदों की नियति है कि वे आंतरिक या बाह्य प्रत्येक चुनौती का समाधान प्रस्तुत करें, जिनका लोग या राष्ट्र सामना कर सकते हैं। एकेडेमिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने भीतर उम्मीदों के आलोक में देखना है। इसके लिए इतिहास, विरासत, संस्कृति, ज्ञान निर्माण और पीढ़ीगत परंपरा के गहन अध्ययन की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षाविदों का आह्वान किया कि वे अपनी साख को पुर्नस्थापित करने और उच्च शिक्षा संस्थानों की विश्वसनीयता को एक बार फिर से उन्नत स्तर पर पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

बीएचयू में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 100 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इस दौरान कुल 15 विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान भी होंगे। इस संगोष्ठी का उद्देश्य वर्तमान और भविष्य में शैक्षिक जगत के समक्ष उच्च शिक्षा में उभरती चुनौतियों को चिह्नित करना है। साथ ही उनके समाधान के लिए सार्थक विमर्श और भावी कार्ययोजना पर विचार-मंथन करना है। सभी का स्वागत करते हुए केंद्र के निदेशक प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने संगोष्ठी की आवश्यकता व रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में आईयूसीटीई के दायित्वों से अतिथियों एवं प्रतिभागियों को परिचित करवाया। संचालन डॉ. रचना विश्वकर्मा ने किया। धन्यवाद वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हरिश्चंद्र ने दिया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. दीप्ति गुप्ता व सह संयोजक डॉ. कुशाग्री सिंह हैं।

रूस-यूक्रेन जंग में सुनी गई सिर्फ इंडिया की बात

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि भारत विश्व की महाशक्ति बन चुका है। आने वाले तीन वर्षों में अपना देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। दुनिया में भारत की साख काफी बढ़ी है। रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग में सिर्फ भारत की बात सुनी गई। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि आज हम विश्वगुरु की बात करते हैं। लेकिन मैं कहता हूं कि भारत तो विश्व की महाशक्ति बन चुका है। चाहे आप विश्व गुरु कहें या विश्व महाशक्ति कहें। पूरा विश्व भारत की इस आभा को पहचान रहा है। हमारे देश के 23 हजार बच्चे यूक्रेन में फंसे थे। सभी सकुशल 24 घंटे के अंदर वापस आ गए। भारत सरकार ने स्पेशल फ्लाइट भेजी और सभी को अपने देश ले आया गया। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने बच्चों से कहा कि वह अपने आसपास के देशों की सीमा के पास जहां पहुंच सकते हैं तो पहुंचे। वहां पर हमारे एंबेसी के लोग मिलेंगे। तिरंगा केवल हमारा चिह्न था। तिरंगा को देखकर आप आगे बढ़ते जाइए।

राजनीति तो चलती रहेगी...

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता मिली है। इसमें कौन-कौन से देश हैं, सभी जानते हैं। यही लक्षण हैं विश्व महाशक्ति बनने के। विश्वगुरु और विश्वशक्ति की कल्पना इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि कोई ऐसी सरकार बनेगी, जो विश्व स्तर पर मान्य होगी। कोई ऐसा राष्ट्रपति होगा, जो सबसे सर्वशक्तिमान होगा। आज आप विश्व की आर्थिक शक्ति हैं।

कोविड : तैयारियों को परखने के लिए मॉकड्रिल आज

वाराणसी। जनपद के कोविड-19 चिकित्सालयों में किये गए आवश्यक प्रबंध को परखने के लिए शनिवार को मॉकड्रिल की जायेगी। कोविड रोगियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए यहां भी हर जरूरी तैयारी करने को कहा गया है। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा व जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने समस्त राजकीय चिकित्सालयों सहित सर सुंदर लाल चिकित्सालय बीएचयू, ट्रॉमा सेंटर बीएचयू, ईएसआईसी पाण्डेयपुर, मदन मोहन मालवीय कैंसर संस्थान सहित अन्य चिकित्सालयों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को निर्देश दिया है कि कोविड उपचार व प्रबंधन संबंधी सभी व्यवस्थाएं ठीक तरह से जांच ली जाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने बताया कि कोविड-19 के प्रबंधन को लेकर हर जरूरी तैयारियों के बारे में शासन से दिशा-निर्देश प्राप्त हुये हैं। यह मॉकड्रिल शनिवार (01 अप्रैल) को जनपद के समस्त चिकित्सा इकाइयों पर होगी।

आज से सात दिनों तक ली जाएंगी आपत्तियां और दावे

जनसंदेश न्यूज

निकाय चुनाव

वार्डों के आरक्षण जारी होने के बाद नगर में चुनावी सरगर्मियां तेज

वाराणसी। सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी मिलते ही शासन की ओर से गुरुवार को निकाय चुनाव के लिए महापौर और नगर पांचायत सहित वार्डों के आरक्षण की सूची जारी कर दी गई है। जिसके लिए शनिवार से सात दिनों तक आपत्तियां और दावे दर्ज किए जाएंगे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम आरक्षण सूची जारी कर चुनाव के तारीखों की घोषणा की जाएगी।

प्रदेश के 17 नगर निगमों सहित वाराणसी के 100 वार्डों में आरक्षण जारी होने के बाद चुनावी सरगर्मियां एक बार फिर तेज हो गई हैं। इसी के साथ ही सभी राजनीतिक दलों की ओर से ज्यादा से ज्यादा सीटें निकालने की तैयारियां और मंथन का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। वाराणसी महानगर की सीट जहां अनारक्षित की गई है। वहीं नगर निगम की सभी 100 वार्डों के आरक्षण में सुंदरपुर वार्ड को छोड़कर बाकी के 99 वार्डों को पूर्व की जारी सूची के अनुसार ही जारी किया गया है। इसके पहले सुंदरपुर वार्ड को अनारक्षित घोषित किया गया था। जबकि नई सूची में इसे अनुसूचित जन जाति महिला कर दिया गया है। 100 वार्डों के आरक्षण सूची में 43 अनारक्षित, 18 पिछड़ी वर्ग, 21 महिला, नौ पिछड़ा वर्ग महिला, पांच अनुसूचित जाति, तीन अनुसूचित जाति महिला और एक अनुसूचित जन जाति महिला के लिए आरक्षित रखा गया है। इन सभी वार्डों के आरक्षण पर जिलाधिकारी कार्यालय में शनिवार से आपत्तियां और दावे दर्ज कराए जाएंगे। जबकि महापौर के आरक्षण पर दावे शासन के पास दर्ज कराने होंगे।

अनारक्षित वार्डों की सूची

अनारक्षित कुल 43 वार्डों में हुकुलगंज, रामपुर रामनगर, सरसौली, संदहां, तरना, दुगार्कुंड, सरायनंदन, नारायणपुर, करौंदी, नदेसर, राजा बाजार, चौकाघाट, सुसुवाही, पिशाचमोचन, सारनाथ, जोल्हा उत्तरी, पहड़िया, सिगरा, प्रह्लादघाट, खजुरी, डिठोरी महाल, लल्लापुरा खुर्द, मध्यमेश्वर, हनुमानफाटक, कोनिया, आदिविशेश्वर, रानीपुर, बजरडीहा, भगवानपुर, काजीपुरा, कृतिवाशेश्वर, सूर्यकुंड, पियरी कलां, गोला दीनानाथ, धूपचंडी, जंगमबाड़ी, बंगालीटोला, लल्लापुरा कला, बागेश्वरी देवी, दशाश्वमेध, कालभैरव, जमालुद्दीनपुरा, कमालपुरा हैं।

महिला और पिछड़ा वर्ग की सूची

पिछड़ा वर्ग के लिए कुल 18 वार्डों में छित्तूपुर (लोको छित्तूपुर), गणेशपुर, नईबस्ती, लोढ़ान, जोलहा दक्षिणी, पांडेयपुर, दनियालपुर, चेतगंज, अकथा, मढ़ौली, पिसौर, रमरेपुर, जगतगंज, पुराना रामनगर, घसियारीटोला, शिवाला, पितरकुंडा, रामापुरा को आरक्षित घोषित किया गया है। जबकि महिला आरक्षित सीटों में कुल 21 वार्ड शामिल हैं, इनमें राजघाट, नगवां, सीरगोवर्धनपुर, रमदत्तपुर, नेवादा, लेदूपुर, लोहता, नरिया, लालपुर मीरापुर बसहीं, अलईपुरा, जलालीपुरा, ईश्वरगंगी, बागाहाड़ा, मदनपुरा, बिंदुमाधव, ओमकालेश्वर, सरैयां, बलुआबीर, कमलगढ़हा, काजी सादुल्लापुरा, बंधु कच्ची बाग हैं।

पिछड़ा वर्ग महिला और अनुसूचित जाति

पिछड़ा वर्ग महिला के लिए कुल नौ वार्डों में शिवपुरवां, गोला घाट रामनगर, कंदवां, तुलसीपुर, ककरमत्ता, बिरदोपुर, सूजाबाद डोमरी, भेलूपुर, छित्तूपुर खास शामिल हैं। जबकि अनुसूचित जाति के लिए पांच वार्डों में शिवदासपुर, सलारपुर, मंडुआडीह, दीनापुर, शिवपुर को शमिल किया गया है।

अनुसूचित जाति महिला और अनुसूचित जनजाति महिला

अनुसूचित जाति महिला के लिए तीन वार्ड जिनमें लहरतारा, सिकरौल, फुलवरिया हैं। जबकि एक मात्र सुंदरपुर को अनुसूचित जनजाति महिला वार्ड घोषित किया गया है।

पार्षद पद की दावेदारी को भरेंगे आवेदन-पत्र

वाराणसी। आगामी निकाय चुनाव को देखते हुए कांग्रेस ने जनपद में नगर निगम के विभिन्न वार्डों के पार्षद पद के दावेदारों से आवेदन मांगे हैं। पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय ने इसके लिए पांच वरिष्ठ सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके तहत पिछले सत्र में पार्षद रह चुके लोगों में से यदि कोई पुनः उम्मीदवारी पेश करने का इच्छुक हो तो उनके लिए सीताराम केशरी को दायित्व दिया गया है। इसी प्रकार शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के वार्डों के लिए फसाहत हुसैन बाबू, शहर दक्षिणी इलाके के वार्डों के लिए डॉ. राजेश गुप्ता, कैंट विस क्षेत्र के वार्डों के लिए अरुण सोनी और अबकी नये शामिल वार्डों के लिए गोपाल पटेल आवेदन-पत्रों का वितरण करेंगे। महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्षद पद की दावेदारी संबंधी अर्जी मैदागिन स्थित संगठन कार्यालय में दिन में 11 बजे से शाम चार बजे तक जारी व जमा किये जाएंगे।

उपभोक्ताओं को सही बिल न मिलने पर चेयरमैन नाराज

जनसंदेश न्यूज

विद्युत विभाग

धन उगाही की शिकायत पर खफा, ऑफलाइन बिल संशोधन न करने की दी हिदायत

मीटर रीडिंग आधारित बिल उपलब्ध कराने को सभी डिस्कॉम के एमडी को लिखा पत्र

उपभोक्ता को समय पर सही बिल उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी क्षेत्रीय अभियंताओं की भी

वाराणसी। उपभोक्ताओं को सही मीटर रीडिंग वाले बिल न मिलने की शिकायत को उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) के चेयरमैन एम. देवराज ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने पूर्वांचल समेत सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को इस बाबत पत्र लिखकर गहरी नाराजगी जतायी है। उन्होंने सभी एमडी को निर्देशित किया है कि वे समस्त उपभोक्ताओं को मीटर रीडिंग आधारित सही बिल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

यूपीपीसीएल के चेयरमैन एम. देवराज ने वाराणसी समेत सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को भेजे गये पत्र में लिखा है कि उपभोक्ताओं को सही बिल समय पर देने की खातिर कई बार स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं। परंतु अभी भी यह शिकायत मिल रही है कि उपभोक्ताओं को रीडिंग आधारित बिल नहीं मिल रहे। इतना ही नहीं, उपभोक्ताओं को नियमित रूप से हर माह बिल प्राप्त नहीं होते हैं। जो बिल दिये जा रहे हैं, उसमें धनराशि अत्यधिक होती है। यह भी शिकायत मिल रही है कि बिल रिवीजन के प्रकरणों में भी समय से कार्यवाही नहीं की जाती है और उपभोक्ताओं को अनावश्यक भागदौड़ करनी पड़ रही है। कहीं-कहीं यह भी शिकायत मिल रही है कि बिल रिवीजन के लिए उपभोक्ताओं से धन उगाही भी की जा रही है। यह स्थिति चिंताजनक और विभाग की छवि धूमिल करने वाली है। उन्होंने ऑफलाइन बिल संशोधन न करने की भी हिदायद दी है।

यूपीपीसीएल के चेयरमैन एम. देवराज ने यह भी कहा है कि मीटर रीडिंग का कार्य निजी एजेंसी से कराये जा रहे हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि क्षेत्रीय अवर अभियंता, सहायक अभियंता, अधिशासी अभियंता और अधीक्षण अभियंता की कोई जिम्मेदारी नहीं है। उपभोक्ताओं को समय से सही बिल उपलब्ध कराने की पूर्ण जिम्मेदारी अवर अभियंता, सहायक अभियंता और अधिशासी अभियंता की भी है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या कमी पाये जाने पर मीटर रीडर/बिलिंग एजेंसी के साथ-साथ अवर अभियंता, सहायक अभियंता और अधिशासी अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए सख्त कार्यवाही करने की आवश्यकता है। उन्होंने समस्त प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया है कि मीटर रीडिंग और बिलिंग के मामले को गंभीरता से लिया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को शिकायत करने की आवश्यकता न पड़े। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता किसी भी स्तर पर क्षम्य नहीं होगी।

ऑनलाइन ही किये जाएं बिल रिवीजन

यूपीपीसीएल के चेयरमैन एम. देवराज ने सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिया है कि ऑनलाइन ही बिल रिजीवन किये जाए। उन्होंने कहा है कि बिल रिवीजन की प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाते हुए व्यवस्था की गयी है कि जो भी बिल रिजीवन के मामले हो, वह ऑनलाइन ही हो और यदि कोई उपभोक्ता ऑनलाइन के माध्यम से बिल रिवीजन की की शिकायत दर्ज नहीं करा पाते हैं, तो उनकी लिखित शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित खंड के अधिकारी उसे ऑनलाइन दर्ज कराते हुए आगे की कार्यवाही करें। चेयरमैन ने यह भी कहा है कि अभी भी कई खंडों में पूर्व की भांति बिल रिवीजन की कार्यवाही ऑफलाइन (डब्लूएसएस में बिना पंजीकृत कराते हुए) की जा रही है। इसे भी समाप्त करते हुए पूर्व के निर्देशानुसार बिल रिवीजन की कार्यवाही ऑनलाइन और समय से करायी जाए। जिन प्रकरण में बिल रिवीजन की कार्यवाही की जा रही है। वहां यह भी देखना होगा कि बिल रिजीवन की आवश्यकता क्यों पड़ी। ऐसे प्रकरणों में उत्तरदायित्व निर्धारण करते हुए कार्यवाही की जाए।

रेलवे के वाराणसी मंडल के इन्दारा दोहरीघाट रेल खण्ड का आमान परिवर्तन

वाराणसी। रेल प्रशासन की ओर से यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं परिचालन सुगमता हेतु मूलभूत ढाँचे में विस्तार के क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के इन्दारा- दोहरीघाट (34.8 किमी) रेल खण्ड का आमान परिवर्तन का कार्य विद्युतीकृत बड़ी लाईन के निर्माण के साथ पूर्ण होने के पश्चात शुक्रवार को मोहम्मद लतीफ खान रेल संरक्षा आयुक्त उत्तर पूर्वी सर्किल द्वारा संरक्षा निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण) श्री एस सी श्रीवास्तव ,मंडल रेल प्रबंधक(वाराणसी) रामाश्रय पाण्डेय, मुख्य इंजीनियर/निर्माण अखिलेश त्रिपाठी,अपर मंडल रेल प्रबंधक(इंफ्रास्ट्रक्चर) राहुल श्रीवास्तव समेत पूर्वोत्तर रेलवे निर्माण संगठन एवं वाराणसी मंडल वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे । सी आर एस निरीक्षण स्पेशल ट्रेन से इंदारा पहुँचने के बाद रेल संरक्षा आयुक्त मोटर ट्राली से इंदारा-दोहरीघाट रेल खण्ड पर नई बड़ी लाईन का निरीक्षण करते हुए किमी सं-1/6-7 पर कोपागंज इंड के ट्रेलिंग पॉइंट संख्या-201अ पर पहुँचे पॉइंट क्रासिंग एवं गेज टेस्टींग के बाद स्विच एक्स्टेन्शन जॉइंट का गहन निरीक्षण किया । उन्होंने 5 इ गेट पर बने अंडरपास का भी निरीक्षण किया और सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा के निमित्त संरक्षा परखी।

सचिव को नहीं कार्य की जानकारी, वेतन रोका

समीक्षा बैठक

सीडीओ ने तीन ब्लॉकों में एसएलडब्ल्यूएम के कार्यों की प्रगति का लिया हाल

वाराणसी। जनपद में ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन से जुड़े कार्यों के तहत बर्थराकला ग्राम पंचायत के सचिव ग्राम विकास अधिकारी को रिसोर्स रिकवरी सेंटर यानि आरआरसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वर्कप्लान तैयार होने के बावजूद कार्यों में गड़बड़ी पाए जाने पर उसका वेतन रोक दिया गया है। इसके अलावा एसएलडब्ल्यूएम में ही दस फीसदी से कम धनराशि व्यय वाले ग्राम पंचायतों के सचिवों के भी वेतन जारी करने पर पाबंदी लगी दी गयी है।

विकास भवन सभागार में शुक्रवार की शाम सीडीओ हिमांशु नागपाल ने एसएलडब्लूएम के तहत गंगातट की 38 ग्राम पंचायतों में किये गयेकार्य की समीक्षा बैठक में इस कार्रवाई के निर्देश दिये। मीटिंग में ग्राम प्रधान, सचिव, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) और कंसलटिंग इंजीनियर मौजूद थे। उन्होंने चिरईगांव, काशी विद्यापीठ एवं चोलापुर ब्लॉक के संबंधित कार्यों की प्रगति का हाल जाना। श्री नागपाल ने संबंधित ग्राम पंचायत में 15 दिन के भीतर आरआरसी बनवाने को कहा। साथ ही कार्यों के सत्यापन के लिए नोडल अफसर नामित करने, नालियों को खुला न छोड़ने, उनके निकट सोकपिट का निर्माण कराने के निर्देश दिये।

विकास भवन सभागार में शुक्रवार को सीडीओ हिमांशु नागपाल ने गंगातट पर बसे गांवों में एसएलडब्लूएम के कार्यों की समीक्षा की

मृतक आश्रितों को दिए 4-4 लाख

वाराणसी। जनपद के तहसील सदर की ओर से दो परिवारों को आपदा राहत के अंतर्गत मुआवजा जारी किया हया गै। तहसीलदार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते 21 मार्च को सरायनंदन निवासी शंभूनाथ पांडेय और सुंरदपुर क्षेत्र के लालमनी यादव की अत्यधिक बारिश के दौरान बिजली का करेंट लगने से मौत हो गयी थी। वह हादसा दैवीय आपदा के तहत होने के कारण उप जिलाधिकारी की स्वीकृति पर चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दोनों मृतकों के वारिसों के खाते में भेजा गया है। उनमें क्रमशः सीताराम पांडेय और रीता देवी को राज्य आपदा मोचक निधि से गत 29 मार्च को भेजा गया।

विद्युत उपभोक्ताओं पर जीएसटी थोपने की तैयारी

पहले चरण में वाणिज्यिक और उद्योग के उपभोक्ता से जीएसटी वसूलने का प्लान

प्रस्ताव तैयार

उपभोक्ताओं से अभी वसूला जाता है इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी मद में 7.5 प्रतिशत तक

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को पत्रक भेज कर जताया विरोध

जितेंद्र श्रीवास्तव

वाराणसी। विद्युत उपभोक्ताओं को गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) के दायरे में लाने की तैयारी शुरू हो गयी है। पहले चरण में वाणिज्यिक और उद्योग के उपभोक्ताओं से जीएसटी वसूलने का प्लान बनाया गया है। यह प्रस्ताव केंद्र सरकार की तरफ से तैयार किया गया है। हालांकि इसका विरोध भी शुरू हो गया है। कई राज्य की सरकारों ने उपभोक्ताओं के हित में इसे लागू न करने की बात कही है। जबकि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को पत्रक भेज कर इस बाबत विरोध जताया है।

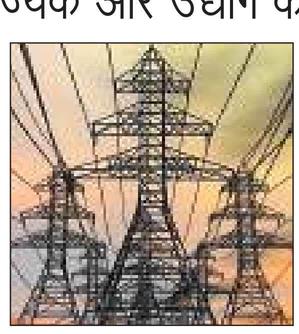

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) सूत्रों की मानें तो अभी विद्युत उपभोक्ता जीएसटी के दायरे में नहीं है। लेकिन केंद्र सरकार अब विद्युत उपभोक्ताओं को भी जीएसटी के दायरे में लाने जा रही है। इस बाबत प्रस्ताव तैयार किया गया है। पहले चरण में वाणिज्यिक और उद्योग के उपभोक्ताओं से जीएसटी वसूलने की तैयारी है। जीएसटी के दायरे में आने से बिजली महंगी होने की आशंका जताते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की है। सूत्रों की मानें तो केंद्र के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने से पहले राज्यों की राय जानने के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने पिछले दिनों वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यों की राय जानी। अधिकांश राज्यों का कहना है कि चूंकि उपभोक्ताओं से पहले से ही पांच से 7.5 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी वसूला जा रहा है। इसलिए जीएसटी से और बिजली महंगी होगी। यह बात बताते हुए ज्यादातर राज्यों ने जीएसटी का विरोध किया है।

यूपीपीसीएल सूत्रों की मानें तो उत्तर प्रदेश सरकार ने भी उपभोक्ताओं के हित में प्रस्ताव पर असहमति जताते हुए खासतौर से घरेलू उपभोक्ताओं व किसानों को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने का सुझाव दिया है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा का कहना है कि उपभोक्ताओं से पहले ही पांच से 7.5 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी की वसूली की जा रही है, जो कि सालाना लगभग 3032 करोड़ रुपये होती है। ऐसे में उपभोक्ताओं पर जीएसटी लगाए जाना न्याय संगत नहीं होगा। इससे बिजली महंगी होगी तो उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। उन्होंने जीएसटी का विरोध करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रस्ताव को खारिज करने और उपभोक्ता विरोधी कार्यों की जांच कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जीएसटी का विरोध करने के लिए जल्द ही ऊर्जा क्षेत्र के उपभोक्ता प्रतिनिधियों की बैठक बुलायी जाएगी।

वाणिज्यिक व उद्योग के उपभोक्ताओं को होगा फायदा

यूपीपीसीएल सूत्रों की मानें तो विद्युत उपभोक्ताओं पर जीएसटी लगाए जाने के संबंध में केंद्रीय ऊर्जा सचिव आलोक कुमार का कहना है कि इस संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं किया गया है। वैसे भी घरेलू और किसानों पर तो जीएसटी लगाए जाने का कोई प्रस्ताव ही नहीं है। केंद्रीय ऊर्जा सचिव का कहना है कि वाणिज्यिक और उद्योग के उपभोक्ताओं को जीएसटी के दायरे में लाए जाने से उनका फायदा ही होगा। कारण, जीएसटी के दायरे में होने पर वाणिजियक और उद्योग के उपभोक्ता इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ ले सकेंगे। ऐसे में कुल मिलाकर उनका बिजली का खर्चा कम भी हो सकता है।

जनसंदेश टाइम्स
मेडिकल डायरेक्टरी

सार्थक सर्जिकल सेन्टर
लेप्रोस्कोपिक, मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर
अल्ट्रासोनिक लिथोट्रिप्सी मशीन द्वारा गुर्दे की पथरी का बिना आपरेशन सफल इलाज
डा. विनोद कुमार
सा. 6/174 ए-बी, अखवा, गाजीपुर रोड, पहड़िया, वाराणसी
Mo: 9415273558, टेलीफोन : 0542-2586160

डॉ0 विनीता श्रीवास्तव
स्तन रोग विशेषज्ञ
सम्पर्क : 9335499180, 0542-227778
आवास : 104, नीलकण्ठपुरम्, कन्दवा-चुनार रोड वाराणसी-221006

रिटेल डायरेक्टरी

शिव रुद्राक्ष
अनुसंधान केन्द्र (प्रा. लि.)

ज्योतिष साधना केन्द्र
डा. शालिनी कृष्णा खरे (देवकाशी)
Mob.: 9838982686, 9415204487, 7398017415

शिवशक्ति सामाजिक कल्याण समिति
अभिमन्यु सिंह
प्रदेश अध्यक्ष
शिवशक्ति सामाजिक कल्याण समिति
उत्तर प्रदेश वाराणसी

संक्षेप

पड़ोसी दंपती ने मां-बेटे को पीटकर किया लहूलुहान

कौशाम्बी। कोतवाली के ओसा गांव में पड़ोसी दंपती ने मां-बेटे को बेरहमी से पीट दिया। प्राथमिक उपचार कराने के बाद पुलिस ने आरोपित दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ओसा गांव के बडे लाल का पड़ोसी गुड्डू से जमीन का विवाद चल रहा है। गुरुवार को वह बाहर गया था। घर पर उसकी पत्नी फूलमती व बेटा जीतू थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान पड़ोसी दंपती उसके घर पर पहुंचे और पत्नी फूलमती को दबोचते हुए पीटना शुरू कर दिया। मां को पिटता देख बेटा जीतू बचाने पहुंचा तो आरोपितों ने उसकी भी पिटाई कर दी। मारपीट देख मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बीचबचाव किया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपित गुड्डू व उसकी पत्नी राजरानी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गांव की समस्या गांव में समाधान को हुई चौपाल

सैय्यद सरावां, कौशाम्बी। विकास खण्ड चायल अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर तालुका इब्राहिमपुर पंचायत भवन में शुक्रवार को गांव की समस्या गांव में समाधान को चैपाल का आयोजन हुआ। कार्यक्रम सहायक खण्ड विकास अधिकारी स्मिता जयसवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बता दें कि उक्त ग्राम पंचायत प्रयागराज और कौशांबी का सम्मिलित बॉर्डर है। ऐसे में सरकार की चल रही योजनाओं की जागरूकता को ग्राम चैपाल लगाकर जहां लोगों जागरूक किय गया वहीं किसानों की समस्याओं को ग्राम स्तर पर ही समाधान करने की कार्यवाही की गई।

इस दौरान उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अरूण कुमार गुप्ता ने पशु पालकों को पशु किसान क्रेडिट कार्ड, पशु बीमा, टीकाकरण, डी वार्मिंग, पशुओं में लगने वाली बीमारी और उनकी रोकथाम की उचित व्यवस्था, एवं रोजगार हेतू मुर्गी पालन, बकरी पालन आदि सम्बंधित सरकार की लाभदायक योजनाओ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसी क्रम में कृषि विभाग आए हुए संदीप यादव ने पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, एवं कृषि विभाग की चल रही लाभदायक योजनाओं को उपस्थित किसानों को बताया।

कार्यक्रम के मौके पर शन्नो बीबी ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव प्रीतम सिंह, सहनाज (एनम), निरंजन सिंह रोजगार सेवक, शाह आलम प्रधान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चायल के मोहम्मदपुर तालुका इब्राहिमपुर पंचायत भवन में आयोजित चौपाल में उपस्थित लोग

घर में घुसकर किशोरी से की छेड़खानी

कौशाम्बी। करारी कोतवाली इलाके में पड़ोसी युवक ने किशोरी के साथ घर में घुसकर छेड़खानी की। अश्लीलता का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर मोहल्ले के अन्य लोग पहुंचे तो आरोपित भाग निकला। देर शाम पीड़ित किशोरी की बहन की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

वरीक्षा में हर्ष फायरिंग, दो लोगों पर मुकदमा

कौशाम्बी। सरायअकिल कोतवाली के सुरसेनी गांव में गुरुवार की रात वरीक्षा कार्यक्रम के दौरान जमकर हर्ष फायरिंग हुई। जानकारी पुलिस को लगी तो मौके पर पहुंची। पुलिस ने सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सुरसेनी निवासी योगेश्वर प्रसाद के बेटे का गुरुवार की शाम वरीक्षा कार्यक्रम था। बताया जा रहा है कि वरीक्षा के दौरान योगेश्वर व उसके भाई कामता प्रसाद ने बंदूक व राइफल से हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। जानकारी पुलिस को हुई तो उपनिरीक्षक अवधराज यादव फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

विदाई समारोह में एक दूसरे से गले मिले छात्र

कौशाम्बी। कड़ा ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय भड़ेहरी में शुक्रवार को विदाई समारोह एवं परीक्षा परिणाम वितरण कार्यक्रम हुआ। इस दौरान परीक्षा परिणाम पाकर जहां बच्चे चहक उठे तो वहीं विदाई समारोह के दौरान अपने आंसू नहीं रोक पाए। कक्षावार टॉप करने वाले बच्चों को ग्राम प्रधान अनिल चैरसिया एवं शिक्षकों ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। विकास खंड कड़ा के कंपोजिट विद्यालय भड़ेहरी में कक्षा आठ में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया। सुबह से ही बच्चों ने कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दीं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार शुक्ला ने कक्षा आठ के सभी बच्चों को परीक्षा परिणाम के साथ विदाई उपहार प्रदान किया। पुरस्कार पाते ही बच्चे चहक उठे। कक्षा छह और सात के छात्रों ने नम आंखों से कक्षा आठ के विद्यार्थियों को विदाई दी। 81 फीसदी अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप करने वाली रीना देवी को बधाई देते हुए स्वतंत्रता दिवस पर विशेष पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की। विदाई समारोह में बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अंत में बच्चे विदाई के दौरान एक-दूसरे से लिपटकर रोने लगे। पूरे विद्यालय का माहौल गमगीन हो गया। इस दौरान सतीष कुमार, अजीत कुमार, सुरेश बाबू, प्रीति, शीला सोनकर, राम, अजय कुमार, मंजू सिंह, राजकुमारी, राजेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

स्कूल स्थापना के सिल्वर जुबली साल कार्यक्रम में बच्चों ने मचाया धमाल

कौशाम्बी। मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल मनौरी में शुक्रवार को स्कूल की स्थापना का सिल्वर जुबली साल का कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी रहे। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की जिसमे खूब जमकर धमाल मचाया और खूब रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि रहे अजय सोनी के स्कूल प्रबंधक मनोज सोनी द्वारा माल्यार्पण के साथ हुई। इसके साथ ही अन्य तमाम लोगों ने भी मुख्य अतिथि को माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। इसके बाद छात्राओं द्वारा स्वागत गीत गाया गया। इसके बाद स्कूल के छात्रों एवं छात्राओं द्वारा तमाम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय सोनी ने तमाम छात्रों एवं छात्राओं को उनके विविध तरह के कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति एवं कक्षा मे अच्छे अंकों के साथ परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर पुरस्कार देकर उनका हौसलाआफजाई किया। इस अवसर पर अजय सोनी ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास और आत्मबल की बहुत अहमियत होती है। बच्चों को खुद में आत्मविश्वास और आत्मबल पैदा करना चाहिए। कार्यक्रम के आयोजक मनोज सोनी ने बताया कि आज से पच्चीस साल पहले थोड़े से बच्चों को साथ लेकर शुरू किया गया मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल आज एक वटवृक्ष हो चुका है। विद्यालय से पढ़ कर निकले पूर्व छात्र और छात्राएं आज अपने अपने क्षेत्र में प्रदेश और देश में विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। अंत में आए हुए सभी लोगो का मनोज सोनी ने आभार व्यक्त किया और समय देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य अंजू सोनी, रामबालक सोनी पूर्व प्रधान, सुनील सोनकर, अमन सोनी, वसीम अहमद, स्कूल के कई स्टाफ, तमाम अभिभावक सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के मौके पर छात्रों को सम्मानित करते जि.पं सदस्य अजय सोनी

सेवानिवृत्त शिक्षक को धूमधाम से दी गई विदाई

कौशाम्बी। विकास खण्ड कौशाम्बी क्षेत्र के प्रथामिक विद्यालय बेरौचा के प्रधानाध्यपक राजकरन प्रजापति को शिक्षक के पद से सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक को फूल माला व अंगवस्त्र पहनाकर भावभीनी विदाई दी गयी। राजकरन प्रजापति की वर्ष 1995 में प्रथामिक विद्यालय बेरौचा में प्रधानाध्यपक के पद पर नियुक्ति हुई थी। जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया। शुक्रवार को विद्यालय परिसर में सेवानिवृत्त शिक्षक के सम्मान में जुनियर हाईस्कूल गुरौली के प्रधानाचार्य हरिकीर्तन त्रिपाठी, अनुपम सिंह पटेल, शिवदयाल, अनुरुद्ध भार्गव, मोहन, अशोक कुमार वैश्य, हिमान्शू सिंह, रमेशचंद त्रिपाठी,आदि लोगो ने विदाई समारोह मौजूद थे।

कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

विद्यालय के निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से जानकारी लेते डीएम सुजीत कुमार

कौशाम्बी। कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय, मंझनपुर का शुक्रवार को जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने क्लॉस रूम के निरीक्षण के दौरान छात्राओं की उपस्थिति आदि जानकारी प्राप्त करते हुए अध्यापिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने रसोई घर के निरीक्षण के दौरान मानक के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करने के भी निर्देश दियें। उन्होंने स्टोर रूम में रखे खाद्य सामग्रियों के गुणवत्ता को भी परखा तथा जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को विद्यालय परिसर में पौधारोपण के साथ ही फूल के पौधे लगवाने तथा ईटो, मंझनपुर को चहारदीवारी की रंगाई-पुताई कराने के निर्देश दियें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रकाश सिंह एवं ईओ सुनील मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मौसम ने बदला मिजाज, पछुवा हवा के साथ हुई बूंदाबांदी

कौशाम्बी। मौसम का मिजाज एक बार फिर बदला। गुरुवार की रात पछुवा हवा के साथ बूंदाबांदी का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह शुक्रवार की सुबह तक चलता रहा। पछुवा हवा के साथ मौसम का मिजाज देख किसान चिंतित हो गए। पखवारे भर से मौसम रोजाना सुबह-शाम करवट ले रहा है। अगर मौसम का यही हाल रहा तो गेहूं की तैयार फसल खेत में ही चैपट हो जाएगी। पखवारे भर से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। दो दिन से रोजाना रिमझिम फुहारें पड़ रही हैं। रात भर आसमान में बादलों का डेरा रहता है गुरुवार की शाम एक बार फिर अचानक मौसम का मिजाज बदला। धूलभरी आंधी के साथ पछुवा हवा चली। इसके बाद मौसम धीरे-धीरे सुहाना हो गया। सुबह आसमान में काली घटा छा गई। इसके बाद बारिश की फुहारें पड़ने लगीं। बेमौसम बारिश देख अन्नदाता सहम गए हैं। एक घंटे तक हुई बूंदाबांदी के बाद मौसम साफ हुआ तो लोगों ने राहत की सांस लिया। किसानों का कहना है कि यदि मौसम का यही हाल रहा तो खेतों में तैयार गेहूं की फसल बर्बाद हो जाएगी।

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का डीएम ने किया शुभारम्भ

पोषण पखवाड़ा

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई के साथ बच्चों को कराया गया अन्नप्राशन

उत्कृष्ट कार्य करने वाली मुख्य सेविका एवं ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियां हुई सम्मानित

कौशाम्बी। कलक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने शुक्रवार को दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई के रस्म को अदा किया तथा बच्चों को अन्नप्राशन एवं पोषण पोटली का वितरण किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली मुख्य सेविका, नगर-बालमती सिंह, मुख्य सेविका, मूरतगंज-गीता देवी एवं मुख्य सेविका, मंझनपुर-मंजू सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने वाली ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियां को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीडीपीओ मूरतगंज रेनू वर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बताया कि पोषण अभियान के अन्तर्गत 20 मार्च से 03 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके तहत विशेष रूप से 03 गतिविधियॉ की जा रहीं है यथा-श्रीअन्न मोटा अनाज (मिलेट) के उपभोग के लिए प्रोत्साहन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम, स्वस्थ्य बालक-बालिका स्पर्धा कार्यक्रम एवं सक्षम ऑगनबाड़ी केन्द्रों को प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मोटा अनाज-ज्वार, बाजरा एवं मक्का इत्यादि स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक लाभदायक होता है। उन्होंने बताया कि पोषण पखवाड़ा के तहत रेसिपी प्रतियोगिता, पोषण पंचायत की बैठक, पोषण बैली, बच्चों का वजन, स्वस्थ्य बच्चों को पुरस्कार वितरण एवं कुपोषित बच्चों को पोषण पोटली का वितरण आदि कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार गुप्ता सीडीपीओ नेवादा शिव कुमार मिश्रा, मंझनपुर सुशील वर्मा एवं सिराथू मनोज कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई करते अफसर

बर्ड फ्लू बीमारी को लेकर डीएम ने दिया निर्देश

कौशाम्बी। बर्ड फ्लू वीमारी की किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए जनपद स्तर पर तैनात टास्कफोर्स के अधिकारियों को जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने निर्देशित किया है कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर वीमारी के सर्विलेंस एवं जागरूकता अभियान में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरती जाय। मुख्य पशु चिकत्साधिकारी ने बताया कि बर्ड फ्लू वीमारी अभी तक जनपद कौशाम्बी में बर्ड फ्लू रोग मुर्गियोंध्पक्षियों में होने की कोई शिकायत सूचना प्राप्त नहीं हुई है, फिर भी जन स्वास्थय को मद्देनजर रखते हुए विभाग द्वारा जनपद में हाई अलर्ट जारी कर सभी आवश्यक कार्यवाही की जा रहीं है। बर्ड फ्लू पक्षियां में होने वाला विषाणु जनित संक्रमण रोग है, जो सामान्यतः पक्षियों को ही संक्रमित करता है। परन्तु कभी-कभी असामान्य परिस्थितियों में मनुष्य भी प्रभावित हो जाते है। मुर्गियों/पक्षियों में बर्ड फ्लू वीमारी से ज्वर आना, पैरों का नीला हो जाना, पक्षियां की ऑख व गर्दन के निचले हिस्से में सूजन, हरे व लाल रंग के दस्त होना।

जमीन का इकरारनामा कर लगाया तीन लाख का चूना

कौशाम्बी। कस्बे के एक युवक को तीन लाख रुपये का चूना लगा दिया गया। जमीन का इकरारनामा करने के बाद एडवांस लेकर आरोपियों ने बैनामा से इंकार कर दिया। पीड़ित ने दी गई रकम वापस मांगी तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। चक नगर निवासी निसार अहमद ने ओसा के समीप शीतला प्रसाद से एक जमीन का सौदा तय किया था। आरोप है कि जमीन का बैनामा करने का इकरारनामा लिखने के बाद तीन लाख रूपए एडवांस ले लिए गए। छह महीने बीतने के बाद जमीन बैनामा करने को कहा तो आरोपी मुकर गए। जमीन बैनामा न करने व पैसा मांगने पर धमकी देने पर पीडित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने शीतला प्रसाद, गायत्री देवी, सुनील कुमार, राजू के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

छह जुआरियों को पुलिस ने भेजा जेल

कौशाम्बी। कौशाम्बी कोतवाली पुलिस ने गढ़वा गांव के समीप जुआ खेल रहे छह लोगों को धर दबोचा। पुलिस ने जुए की फड़ से 11 सौ रुपये नकदी के साथ ताश के पत्ते बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में नरोत्तम निषाद मोघो, रामहित, बुदानी, दयाराम, राजू निवासी गढ़वा शामिल हैं। पुलिस ने जांच-पड़ताल करते हुए सभी आरोपितों को सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके हड़कंप मचा हुआ है।

रिजल्ट वितरण कार्यक्रम में छात्रों के चेहरों में दिखी मुस्कान

बच्चों को रिजल्ट के साथ पुरस्कार देते शिक्षकगण

रिजल्ट वितरण

कम्पोजिट विद्यालय बसोहनी में आयोजित हुआ कार्यक्रम

कौशाम्बी। विकास खंड सिराथू के कम्पोजिट विद्यालय बसोहनी में शुक्रवार को रिजल्ट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हालांकि इस दौरान जहां छात्रों के चेहरों में मुस्कान देखने को मिली वहीं विद्यालय के शिक्षक व जिम्मेदारों द्वारा विद्यालय के एक बेहतर तरीके से सजावट भी गई थी। इस दौरान शिक्षकों ने जहां छात्रों को रिजल्ट कार्ड का वितरण किया वहीं संतोष देवी व आरती देवी द्वारा बच्चों के बीच टाफी का वितरण किया गया। वहीं एक से तीन के छात्रों के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया। जबकि पांच से आठ के बच्चों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को जिस तरह से किया गया उससे छात्रों के चेहरों में मुस्कान देखने को मिली। इस दौरान शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों के अलावा संकुल प्रभारी कृष्णराज सिंह सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

गोवर्धन लीला का वर्णन सुन श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

कौशाम्बी। नगर पंचायत सिराथू के कैथनबाग में भक्ति की बयार बह रही है। श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन शुक्रवार को कथा व्यास ने नरसिंह अवतार के साथ गोवर्धन लीला का संगीतमयी वर्णन किया। कहा कि जब भगवान श्री कृष्ण नंद गांव पहुंचे तो वहां पर इंद्र की पूजा की तैयारी चल रही थी। भगवान ने यज्ञ बंद करवा दिया। इसके बाद अंहकारी इंद्र ने भीषण वर्षा की। इंद्र का घमंड चकनाचूर करने के लिए भगवान ने गोवर्धन पर्वत को अंगुली में उठाते हुए नंदगांव के लोगों की रक्षा की। लीला का वर्णन सुन श्रोता भावविभोर हो गए। जय श्री कृष्ण के जयकारे से कथा पंडाल गुंजायमान हो उठे। कथा का शुभारंभ यजमान सरजू प्रसाद पांडेय व उनकी धर्मपत्नी गिरजा पांडेय ने भगवत पुराण व व्याय महराज का पूजन-अर्चन कर किया। कथा व्यास आचार्य डॉ. अखिलेश महराज ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीलाओं से कंस के भेजे गए विभिन्न राक्षसों का संहार किया। गोर्वधन लीला का वर्णन सुन कथा पंडाल जय श्री कृष्ण के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर आयोजक अनिरूद्ध पांडेय, बालेन्द्रधर द्विवेदी, बद्री प्रसाद, कमलाकांत, ओम तिवारी, मुन्ना पांडेय आदि मौजूद रहे।

दो दिन बंद रहेगा आवागमन

कौशाम्बी। सीनियर सेक्शन इन्जीनियर, उ.म.रे. भरवारी ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि समपार संख्या-4ए स्थित रेलवे स्टेशन ब्लॉक हट एस.एस. रेलवे लाइन में ओवरहॉलिंग का कार्य होने के कारण 04.04.2023 को प्रातः 06 बजे से छह अप्रैल को सायं 06 बजे तक सड़क यातायात बन्द रहेगा।

सेवानिवृत्त शिक्षिका को दी भावभीनी विदाई

विदाई कार्यक्रम में मौजूद लोग

कौशाम्बी। मंझनपुर विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय अम्बावा पश्चिम की प्रधानाध्यापिका शशि कला त्रिपाठी के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। उनकी सेवानिवृति पर आयोजित विदाई समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित कई अध्यापक और संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मंझनपुर के खंड शिक्षा अधिकारी जवाहर लाल यादव ने कहा कि 41 वर्षों तक विभाग को अनवरत बेदाग सेवा देने के पश्चात शशि कला त्रिपाठी सेवानिवृत्त हो रही है जोकि अपने आप में एक कीर्तिमान की तरह है।

विदाई समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला संयोजक ओम दत्त त्रिपाठी ने कहा कि उनकी विदाई पर उमड़े हुए जन समुदाय से यह प्रदर्शित होता है कि समाज से जुड़ाव और समर्पण रहा। एक अभिभावक के रूप में शशि कला त्रिपाठी सदैव शिक्षकों का मार्गदर्शन करती रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेश मिश्र ने किया। समारोह में राम बाबू दिवाकर, अनूप कुमार वर्मा, सुरेंद्र प्रताप यादव, गीता कुमारी, नजमा बानो, मिथलेश सिंह,अमित कटियार, जितेन्द्र कुमार, पुष्पा देवी रजक, सुनील चौधरी, रिशा सरोज सहित कई लोग मौजूद रहे।

संक्षेप

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मेधावियों को मिला मेडल

लालगंज। घुइसरनाथ धाम स्थित एडीसन पब्लिक स्कूल मे शुक्रवार को अंक पत्र एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि वीरेन्द्रमणि तिवारी ने अलग अलग कक्षाओं मे अव्वल आने वाले मेधावी जान्हवी यादव, अंशिका उपाध्याय, शौर्य गुप्ता, आयुषी मौर्या, आराधना वर्मा, शिवा रजक, पल्लवी पटेल, शिवांगिनी तिवारी, रिया यादव व आदर्श गौतम को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक विपिन प्रकाश त्रिपाठी व संयोजन मनोज त्रिपाठी ने किया। प्रधानाचार्य इसरार ने शैक्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इस मौके पर राजेन्द्र वर्मा, अमरपाल, देवेश तिवारी, लवली ओझा, मंजू ओझा, शिव बहादुर वर्मा, सत्यम तिवारी, रिंकी तिवारी, दिलीप शर्मा, साधना सिंह आदि मौजूद रहे।

शिक्षा के परिवेश को मजबूती देने में सार्थक भूमिका के लिए समाज का भी दायित्व : सांसद संगम लाल

कार्यक्रम

समाज की दशा और दिशा पर बच्चों की काबिले तारीफ रही अनोखी प्रस्तुति : हरिओम

आनंदवन कॉलेज के वार्षिकोत्सव में बच्चों की प्रस्तुति ने मोहा लोगों का मन

कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति देतीं छात्राएं

प्रतापगढ़। शहर के शुकुलपुर शक्तिनगर स्थित आंनदवन इन्टरमीडिएट कालेज का वार्षिकोत्सव समारोह बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि शामिल सांसद संगम लाल गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद विद्यालय के छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस मौके पर छात्र- छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक व एतिहासिक, देशभक्ति एवं सामाजिक कार्यक्रमों के साथ ही रामचरितमानस व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर नाटक के मंचन व देशभक्ति आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को अतिथियों ने पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया। सांसद संगम लाल गुप्ता ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें संघर्ष के जरिए मुकाम हासिल करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। ऐसे मे समाज का भी दायित्व है कि शिक्षा के परिवेश को मजबूती देने मे सार्थक भूमिका निभाएं। सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य ने कहा कि सत्र की समाप्ति के दौरान आनंदवन इंटर कॉलेज द्वारा जो एक विशेष उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने विशेष रूचि तथा अपने कलात्मक प्रतिभा को ऐसा प्रदर्शित किया कि लगा जीवांत है जो प्रशंसनीय है। उन्होंने उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बच्चों एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य शिव प्रकाश सेनानी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। भाजपा के जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने कहाकि विद्यालय के बच्चों द्वारा मोबाइल व सोशल साइट्स के जरिए पढ़ने वाले कुप्रभाव व देश के सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रम के साथ ही विविध ऐतिहासिक कार्यक्रम की प्रस्तुति वास्तव में काबिले तारीफ रही है। इस मौके पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं व सहयोग में लगे शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर समारोह की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्रबंधक विश्वनाथ शुक्ल ने प्रारंभिक शिक्षा को भविष्य निर्माण की नींव ठहराते हुए गुणवत्तापरक पठनपाठन के माहौल पर जोर देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेंद्र नाथ शुक्ल ने शैक्षिक मूल्यो पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का संचालन आशीष ने किया। इस मौके पर जूनियर बार के पूर्व महामंत्री जयप्रकाश मिश्र जेपी, परमानंद मिश्र, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री राजेश मिश्र, संजय द्विवेदी, आदित्य मिश्र,मनोज तिवारी, अजीत सिंह, बृजेश पांडेय,प्रदीप शुक्ला, उदयराज सिंह, विराज सिंह सम्राट सर सरिता गुप्ता,रीना शुक्ला, दिव्या मिश्र,अनुपमा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे

सहकारी संघ धारूपुर की सभापति बनीं रंजीता त्रिपाठी

लालगंज। सहकारी संघ धारूपुर में शुक्रवार को सम्पन्न हुए चुनाव में रंजीता त्रिपाठी सभापति निर्वाचित हुई। उन्होनें कुल आठ मत हासिल किया। जबकि भाजपा समर्थित विनोद कुमार मिश्र को सिर्फ चार मत मिले और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। गहमागहमी के बीच सम्पन्न हुए चुनाव में रंजीता की जीत पर समर्थकों ने जश्न मनाया। इस मौके पर साधन सहकारी समिति के सभापति गोविंद नारायण पाण्डेय, सुरेशचंद्र यादव, भुवनेश्वर शुक्ल, राजेश तिवारी, मोनू पाण्डेय, प्रमोद कुमार समेत निर्वाचन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार व रामसुमेर पाल मौजूद रहे। उधर सांगीपुर विकासखण्ड के सहकारी संघ अठेहा में शुक्रवार को चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमे मुरैनी निवासी प्रमोद कुमार मिश्र निर्विरोध अध्यक्ष चुनें गये। उपाध्यक्ष पद पर महेन्द्र प्रताप सिंह निर्विरोध चुने गये। ओमप्रकाश पाण्डेय को जिला मुख्यालय द्वारा सदस्य के रूप मे नामित किया गया। इस मौके पर चुनाव अधिकारी मनोज सिंह, सचिव भानु प्रताप सिंह, रवीन्द्र पाल मिश्र, रामनाथ, रामधनी, केके सिंह आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने छात्रों को वितरित किया प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र के साथ छात्र-छात्राएं

पट्टी। रामराज इंटरमीडिएट कॉलेज में वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को उप जिला अधिकारी देश दीपक ने शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित। उपजिलाधिकारी ने कहा कि जीवन में हमें संघर्ष से ही कोई सफलता प्राप्त हो सकती है इसलिए हमने अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक एवं चिंतनसील रहना चाहिए। उन्होंने प्रधानाचार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में प्रतिस्पर्धा का भाव बढ़ता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मिश्र ने मेधावी छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए आए हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अरुण मिश्र ने किया। कार्यक्रम में महेंद्र शुक्ला, राजमणि तिवारी, उमापति पाल, राजेश दुबे, सतीश पांडे, रमेश तिवारी, प्रमोद दुबे, नीलाभ मिश्रा, प्रकाश दत्त मिश्र, प्रशस्त तिवारी, जयप्रकाश मिश्र, पंकज तिवारी, देवी प्रसाद तिवारी, राकेश मिश्रा, साधु राम यादव, जगन्नाथ यादव, उग्रसेन यादव, प्रफुल्ल, अरुण तिवारी, हरीश चंद्र मिश्र, पदनाभम दुबे, उमाकांत तिवारी, अमित पांडे, विनोद मिश्र, बलवंत सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चे झुलसे

प्रतापगढ़। कुण्डा में शुक्रवार की सुबह हुई बारिश से फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं बाघराय थाना क्षेत्र के बुढ़ेपुर गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो बच्चे झुलस गए। दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने झुलसे बच्चों को सीएचसी बाघराय भेजा। जहां उनकी गंभीर हालत देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बुढ़ेपुर गांव निवासी बब्लू हरिजन के दो बच्चे शिवम और शुभम महुवा बिनने गांव के बगल बाग में गये थे। सुबह हुई बारिश के दौरान महुवा के पेड़ पर अचानक बिजली गिर गयी। पेड़ के नीचे महुवा बीन रहे बच्चे उसकी चपेट ने आ गये। जिससे बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। परिजन उन्हें सीएचसी लेकर गये। जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। झुलसे दोनों बच्चे सगे भाई हैं। बेमौसम बारिश से तैयार हो चुकी गेहूं की फसलों और आम के फसलों का नुकसान हुआ है। कुण्डा तहसील में आम की बागवानी होती है। इस एरिया को आम फल पट्टी भी घोषित किया जा चुका है। किसान मौसम के मिजाज से परेशान हैं।

विहिप के तत्वाधान में धर्मानुरागियों ने निकाली भव्य शोभा यात्रा

शोभा यात्रा

सगरा सुंदरपुर के बाबा नर्वदेश्वर धाम से शुरू हुई शोभा यात्रा लालगंज के जंगली वीर बाबा पहुंची

विहिप के तत्वाधान में गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभा यात्रा निकालते धर्मानुरागी

लालगंज। विश्व हिन्दू परिषद के तत्वाधान में शुक्रवार को श्रीरामनवमी के दूसरे दिन सगरा सुंदरपुर से लालगंज तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। सनातन धर्म व संस्कृति जनजागरण के उददेश्य से निकाली गयी शोभा यात्रा विहिप के जिलाध्यक्ष संजय उपाध्याय की अगुवाई में सगरा सुंदरपुर स्थित बाबा नर्वदेश्वर धाम से प्रारम्भ हुई। शोभा यात्रा के शुभारंभ से पहले श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधिविधान से पूजन अर्चन किया। शोभा यात्रा सगरा सुंदरपुर बाजार, सोमेश्वर धाम, बाबा बूढ़ेश्वर नाथ धाम पहुंची तो डीजे की धुनों पर नाचते गाते व भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते धमार्नुरागियों ने जोरदार स्वागत किया। इसके पश्चात विहिप के तत्वाधान मे निकाली गयी भव्य शोभा यात्रा लालगंज पहुंची। लालगंज में संगम चैराहा होते हुए सीएचसी, इंदिरा चैक, तहसील होते हुए जंगली वीर बाबा तक पहुंची। शोभा यात्रा मे शामिल धमार्नुरागियों ने तलवारबाजी व लाठी डंडो से जमकर करतब दिखाया। धमार्नुरागियों का जोश देख समूचा इलाका प्रभु श्रीराम के जयकारे से गूंज उठा। शोभा यात्रा जंगली वीर बाबा पहुंचकर समाप्त हुई। यहां विहिप के कार्यकताओं ने विधिविधान से पूजन अर्चन कर जनकल्याण की कामना की। कार्यक्रम का संयोजन विहिप के सह मंत्री नागेन्द्र भूषण शुक्ल ने किया। इस मौके पर मोहनलाल, अम्बरेश, जुगनू, चंचल, गोल्डी पाण्डेय, सुभाष मिश्र, विमल, बृजेश शुक्ल, लवलेशानंद, प्रभाकर, रीशू, गुडडू, राजकिशोर शुक्ल, सम्राट, तात्या, स्नेहिल व निर्भय आदि मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज में भंडारे का हुआ आयोजन

भण्डारे में प्रसाद ग्रहण करते लोग

प्रतापगढ़। डाक्टर सोनेलाल पटेल स्वशासी मेडिकल कालेज से संबद्ध राजा प्रताप बहादुर अस्पताल परिसर में स्थित हनुमान मंदिर पर रामचरित मानस पाठ का समापन हुआ। इस मौके पर आयोजित भंडारे में महाप्रसाद लेने वालों की भारी भीड़ रही। भंडारे में मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल, डाक्टरों, स्टाफ, मरीजों के तीमारदारों के अलावा समाज के प्रबुद्धजनों ने महाप्रसाद ग्रहण। आयोजक फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री ने बताया कि आरती और पूजन के बाद दोपहर से भंडारा शुरू हो गया। जो देर शाम तक चला। मेडिकल कालेज के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ0 मनोज खत्री हर माह शहर के विभिन्न मंदिरों पर धार्मिक कार्यों के साथ भंडारे का आयोजन करते रहते हैं। उनका मानना है कि भंडारे के जरिये अन्न दान महादान है। धार्मिक आयोजन व भंडारे से मन को सकून मिलता है। शहर के गरीब उनके द्वारा आयोजित भंडारे की अगली तिथि जानकारी कर बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचते हैं।

लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

प्रतापगढ़। स्थानीय कलेक्ट्रेट कचहरी में शुक्रवार को साथी अधिवक्ताओं ने लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समारोहपूर्वक सम्मानित किया। आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के तत्वाधान में अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित लालगंज तहसील अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चतुवेर्दी, उपाध्यक्ष लाल विनोद कुमार सिंह व महामंत्री धीरेन्द्र शुक्ल का माल्यार्पण कर स्वागत किया। अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को लडडू खिलाकर मुंह मीठा कराया। मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ताओ को संबोधित करते हुए एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि इस समय अधिवक्ताओं की सुरक्षा एवं उनके मान सम्मान के जारी संघर्ष में प्रत्येक अधिवक्ता संगठनों को निर्णायक संघर्ष की भूमिका मे होना चाहिए। उन्होने कहा कि अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू कराए जाने वकीलों के संघर्ष की पहली प्राथमिकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मुक्कू ओझा व संचालन जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा ने किया। लालगंज अध्यक्ष अनिल महेश ने साथियों द्वारा मिले सम्मान के प्रति अपनी कार्यकारिणी की ओर से आभार जताया। इसके पूर्व संयुक्त अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह तथा जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल से शिष्टाचार मुलाकात कर लालगंज तहसील एवं दीवानी के अधिवक्ताओं से जुडी समस्याओं से अवगत भी कराया। सम्मान कार्यक्रम में जूनियर बार के उपाध्यक्ष विवेक शुक्ल, पूर्व महामंत्री जेपी मिश्र, पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र, दिवाकर सिंह, अश्विनी सिंह, विभाकर शुक्ला, अरुण सिंह राजू, हरिशंकर पुरी, कौशलेंद्र सिंह रतन, अमजद खान, मनोज कुमार, राहुल गुप्ता, अरुण पासवान, विवेक शुक्ला, अनिल तिवारी, आशीष श्रीवास्तव, जितेंद्र सिंह भोले आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों को सम्मानित करते साथी

शिक्षक के निधन पर जताया गया दुःख

लालगंज। ब्लाक के केशवपुर पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुंदर लाल सरोज (58) का हृदयगति रूकने से गुरूवार की देर रात आकस्मिक निधन हो गया। सांगीपुर वार्ड निवासी सुन्दरलाल सरोज लालगंज ब्लाक के पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष भी थे। साथी के निधन की जानकारी होने पर शुक्रवार को परिषदीय विद्यालयों के शिक्षको मे शोक छा गया। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना व शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी तथा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने शिक्षक के निधन पर गहरा दुःख जताया है। वहीं चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, पूर्व प्रधान श्रीनाथ तिवारी, झुन्ना तिवारी, छोटे लाल सरोज, शिवकुमार दुबे, ज्ञानप्रकाश शुक्ल आदि ने निधन की जानकारी पर दिवंगत शिक्षक के आवास पर पहुंचकर परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की। इधर शिक्षक नेता प्रभाकर द्विवेदी, नवीन शुक्ल, सुधाकर शुक्ल, राजेश वर्मा, संतोष मिश्र, डा. वीरेश सिंह, अंजनी अमोघ, संजीव द्विवेदी, गिरिजानंद कनौजिया, अरूण शुक्ला, सुभाषचंद्र पाण्डेय, रामकिशुन सरोज, सुमन सरोज, सुशील सरोज, नीलम पाण्डेय, गीता शुक्ला, ऋषि द्विवेदी, विष्णु सिंह आदि ने भी बैठक के जरिए साथी शिक्षक सुन्दरलाल के शैक्षिक क्षेत्र में दिये गये योगदान को अविस्मरणीय ठहराया।

सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर प्रारम्भ

प्रतापगढ़। लालगंज क्षेत्र के धारूपुर स्थित रानी नीलिमा कुमारी महिला महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का शुभारंभ हुआ। डेरवा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता प्रो. मनीष द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होनें शिविरार्थियो से एनएसएस के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का आहवान किया। कार्यक्रमाधिकारी लक्ष्मीशंकर यादव ने सात दिवसीय शिविर के ध्येय पर प्रकाश डाला। प्राचार्या डा. रंजना शुक्ला ने अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

बाहरी सुंदरता से व्यक्ति का बढ़ता है आत्म विश्वास : डॉ. शिवानी

बच्चों के साथ डॉक्टर शिवानी

प्रतापगढ़। समाज सेविका यश भारती पुरस्कार प्राप्त डाक्टर शिवानी मातनहेलिया ने ब्रांड एम्बेसडर दीया शुक्ला के साथ जोगापुर में शुक्रवार को एक ब्यूटी जोन का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि फीता काट कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाहरी सुंदरता से व्यक्ति का आत्म विश्वास बढ़ता है। व्यक्तित्व में निखार आता है। उन्होंने बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के मेधावी छात्रों को उपहार भेंट किया। इस मौके पर एडवाइजर प्रियंका शुक्ला, प्रोपराइटर अनुज शुक्ला, अंकित शुक्ला, डिजाइनर इकरा, वीके तिवारी, अभिषेक, मोहित शुक्ला और शिवेंद्र पटेल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अधेड़ की हत्या के मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं मे केस दर्ज

लालगंज। जमीनी विवाद मे कुल्हाडी मारकर की गयी अधेड़ की हत्या के मामले में पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के गाबी महुआवन निवासी मो. जिब्राइल ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि गांव के रफीक पुत्र रहमत, नफीस, फिरोज, अबूतालिब पुत्रगण रफीक व रफीक की पत्नी मोमिना गांव के कच्चे रास्ते पर मिटटी डालकर रास्ता बंद कर रहे थे। जानकारी होने पर उसका भाई इसराईल वहां पहुंचा और रास्ता बंद करने से रोकने लगा। इस दौरान आरोपियो ने कुल्हाडी व लाठी डंडा लेकर उसके भाई पर हमला बोल दिया। आरोपियो ने इसराईल के सिर पर जान से मारने की नीयत से कुल्हाडी से वार कर दिया। परिजन नाजुक हालत मे उसे प्रयागराज ले गये। जहां उसकी मौत हो गयी थी। मामले मे मृतक के भाई की तहरीर पर रफीक समेत पांच आरोपियो के खिलाफ हत्या, बलवा, गालीगलौज समेत गंभीर धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया गया है। लीलापुर एसओ सुभाष यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। हत्यारोपियो को गिरफ्तार कर शीघ्र ही जेल भेजा जाएगा।

हादसे में अधिवक्ता घायल ट्रामा सेण्टर में भर्ती

प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना क्षेत्र के भोजपुर निवासी राजीव तिवारी लालगंज तहसील मे अधिवक्ता हैं। शुक्रवार को सुबह साढे नौ बजे वह बाइक से तहसील आ रहे थे। लालगंज-सांगीपुर मार्ग पर डभियार गांव के समीप सामने कुत्ता आ जाने से बाइक अनियंत्रित होकर पलट गयी। हादसे मे अधिवक्ता लहूलुहान हो गये। आननफानन मे उन्हें लालगंज स्थित ट्रामा सेंटर मे भर्ती कराया गया है।

मरीजों के अधिकारों को ध्यान रखना स्वास्थ्यकर्मी की न्यायपूर्ण जिम्मेदारी : डॉ. अखिलेश

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं

प्रतापगढ़। रोगी अधिकार जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तरुण चेतना व आर्थिक अनुसंधान केंद्र के द्वारा आयोजित था। रोगी अधिकार के विषय में बोलते हुए सी एच सी अधीक्षक डॉक्टर अखिलेश जयसवाल ने कहा कि अधिकार मानव जीवन की वो परिस्थितियां है जिसके बिना कोई व्यक्ति अपना पूर्ण विकास नहीं कर सकता है। अधिकार न्याय की समान व्यवस्था का परिणाम है। हमारे सभी स्वास्थ्य कर्मी को मरीजों के अधिकारों का ध्यान रखना उनकी न्याय पूर्ण जिम्मेदारी है। अधीक्षक ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के हर मरीज को स्वास्थ्य सुविधाएं पाने का अधिकार है। तरुण चेतना संस्था के हकीम अंसारी ने कहा कि मरीजों के अधिकार को लेकर लोगों को भी जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में गरीबों की सुनवाई नहीं होती है जिसकी वजह से उन्हें प्राइवेट अस्पतालों में जाना पड़ता है। वहां लोगों से मनमानी तरीके से धन उगाही की जाती है। इस मौके पर चाइल्डलाइन के सदस्य मेहताब खान, शोध अधिकारी श्रीकांत, ओमकारेश्वर, राकेश गिरी, शकुंतला देवी, एएनएम पद्मावती, स्नेहलता, ज्योति, चंदा, मंजू लता सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

जनसंपादकीय

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

डॉ सत्यवान सौरभ

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है। भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है। किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए। समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं। हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी।प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए। इसने ?5,000 के जुमार्ने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करनाः विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(इ) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया।

यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है। भारत में शिक्षा प्रणाली दूसरों के प्रति सहिष्णुता, करुणा और सम्मान को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। लोगों को विविधता, एक बहुलवादी समाज के महत्व और भारत की एकता में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के उद्भव ने हेट स्पीच के निर्माण, पैकेजिंग और प्रसार के लिए कई मंच तैयार किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने टीवी बहसों पर हेट स्पीच के संबंध में भी चिंता जताई है। इसलिए इन माध्यमों को विनियमित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. हेट स्पीच लोकतंत्र के दो प्रमुख सिद्धांतों- सभी के लिए समान सम्मान की गारंटी और समग्रता की सार्वजनिक भलाई, को खतरे में डालती है। मीडिया द्वारा एक आचार संहिता को अपनाने, निजी और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा स्व-नियमन और बहुलवाद का सम्मान करने के महत्व और हेट स्पीच से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। 2020 में हेट स्पीच के मामलों में कन्विक्शन रेट 20.4% था। जिससे यह पता चलता है कि मामले तो दर्ज.होते हैं लेकिन सजा नहीं दी जाती, जिससे लोगों के अंदर डर की भावना पनप नहीं पाती और ऐसे ही सामाजिक सद्भाव और समाज के ताने बाने से खिलवाड़ की जाती रहती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं, संपर्क :9466526148)

ताबड़तोड़ साहित्यकार

प्रभाशंकर उपाध्याय

मेरे क्षेत्र में तख्तातोड़ ख्याल गायन हुआ करता है। नृत्य भंगिमा के साथ गायन की प्रस्तुति कुछ ऐसे जोश-खरोश से होती है कि तख्ता ही दरक जाता है। इसी तर्ज पर मेरे नगर के एक साहित्यकार ताबड़तोड़ लेखन करके साहित्यकारों की जमीन को दरका रहे हैं। मैं, इस बारे में निश्चित नहीं हूं कि ताबड़तोड़ होने की प्रेरणा उन्होंने हाड़-तोड़ परिश्रम से पायी या कि उस जबड़ा तोड़ हत्यारे से जिसका एक जमाने में बड़ा आतंक था।

खैर, इस संशय को कुएं में डालकर आगे बढता हूं। एक दिन फेसबुक पर टैगित पोस्ट को पढकर विदित हुआ कि विविध प्रकाशकों से उनकी पंद्रह पुस्तकें प्रकाशित होकर आ गयी हैं और शीघ्र ही उनका भव्य लोकार्पण भी होगा और मुझे भाई सुधीर ओखदे की यह पंक्ति याद आ गयी- 'जब तक मैं नई रचना का ताना-बाना बुनता हूं तब तक उनकी नई किताब हो चुकी होती है।'

बुलेट गति के उन माननीय लेखक को सुधीर जी की भांति मेरे जैसे बैलगाड़ी लेखक का बधाई देना लाजिमी था। उनका आवास भी मेरे घर से अधिक दूर नहीं है सो उसी दोपहर बधाई देने पहुंच गया। बरामदे में बरामद हुए साहित्यकार जी किसी गहरी सोच में डूबे हुए थे। इतने एकाग्र थे कि ग्रीष्म का प्रखर तावड़ा भी तोबड़तोड़ जी को विचलित नहीं कर पा रहा था। किसी महान रचना का जन्म होने वाला है, कदाचित। यह सोच, उस प्रसवकाल को बाधित न होने देने के लिए, मैं उल्टे पांव लौटने के लिए घूमा। पीछे से उनकी पुकार आयी, "अरे! आओ, आओ।"

मैंने उनके ध्यान को भंग किए जाने के अपराध के लिए माफी मांगी। वे बोले, "अरे, नहीं। तुम सही समय पर आए।" उन्होंने बताया कि एक गूढ पहेली में उलझ गया हूं। शायद तुम सुलझा दो। बात यह है कि यदि पंद्रह पुस्तकों का विमोचन पंद्रह लोग करेंगे तो वे कैमरे की जद में तो आ जाएंगे किन्तु चेहरे स्पष्ट नहीं होने से सचित्र समाचारों में या तो कुछ चेहरे कटेंगे या पूरे आ गए तो सिर्फ टिमटिमाएंगे।"

मैंने पूछा, "आप मंच पर कितने व्यक्ति चाहते हैं?" वे बोले, "मुझ समेत अधिकतम पांच लेकिन सवाल यह कि उनके दो हाथों में तीन-तीन किताबें कैसे फोकस हो सकेंगी?"

पहेली रोचक थी। दस हाथ और पंद्रह पुस्तक। सभी कैमरे में नजर भी आएं? कुछ देर सोचा तो एक हल मिला। मैंने मान्यवर से अर्ज किया कि एक रस्सी में सभी किताबों को पिरो दो और पांचों रस्सी थाम कर पुस्तकों के पीछे खड़े हो जाएं। वे उछल पड़े, "ये मारा पापड़वाले को। विमोचन के इतिहास में यह अभिनव प्रयोग भी होगा। मारे खुशी के उन्होंने मुझे डबल मीठी चाय पिलाई। प्रसन्नता के अतिरेक में वे, मेरे और स्वयं के मधुमेही होने की त्रासदी भी विस्मृत कर चुके थे। मैंने उनकी प्रसन्नता की बलिवेदी पर इतना बलिदान देना तो उचित ही समझा। इंसुलिन के एक इंजेक्शन का ही तो सवाल था बाबा!

खैर, भव्य लोकार्पण हुआ और उससे भी भव्य समाचार प्रकाशित और प्रसारित हुए। उनकी अद्भुत क्षमताशीलता के कसीदे पढते हुए, उन्हें 'धूमकेतु साहित्यकार' के तौर पर नवाजते हुए कहा गया कि आज अगर समस्त रचनाकार लिखना बंद कर दें तो यह जाबांज लेखक अकेला ही हिन्दी साहित्य के भंडार

व्यंग्य

को भरने में समर्थ है। दो दिन बाद। एक समाचार अखबारों और सोशल मीडिया पर शाया और हुआ- धूमकेतु साहित्यकार की पंद्रह पुस्तकों में से एक को एक साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत किए जाने की घोषणा हुई थी। घोषणा की धूम जो मची तो समाचार जानने वालों की आंखों में भी धुआं धुआं हो गया। मैं, तत्काल उनके आवास पर पहुंचा, "यह अचंभा हुआ कैसे? चार रोज पहले छपी पुस्तक को पुरस्कार। अकादमी की प्रक्रिया तो बहुत समय लेती है।"

वे मूंछों ही मूंछों में मुस्कराए। उनमें मोनालिसा सा रहस्य छिपा था। बोले, "ये अचंभा नहीं बल्कि परदे की बात है। जब पर्दा है तो पर्दा ही रहने दो। लो अपना मुंह मीठा करो और उन्होंने मोतीचूर के लड्डू का चूरा मेरे मुंह में भर दिया। मेरे मुंह में मोतियों का चूरा था, मोतियों के हकदार तो वे थे। ताबड़तोड़ गति के जमाने में मेरे जैसा कछुआई लेखक की जिसकी चालीस साल में कुल जमा दो ही पुस्तकें हों वह मोतियों की आकांक्षा पाले भी तो आखिर किस बूते पर?

(लेखक व्यंग्यकार हैं, संपर्क. 9414045857)

केदारनाथ की गद्य रचनाओं में काव्यात्मकता

स्मरण

कुसुमलता सिंह

केदारनाथ अग्रवाल को हिंदी की प्रगतिशील कविता के मौलिक और जन कवि के रूप में याद किया जाता है। उनका चिंतन और सृजन का क्षेत्र व्यापक है और उन्होंने विपुल मात्रा में गद्य रचनाएँ भी लिखी हैं जिसमें निबंध-संग्रह, यात्रा-वृतांत, अनुवाद, रिपोर्ताज, पत्राचार, डायरी आदि शामिल है। उनकी कविता में प्रकृति प्रेम है, जीवन का उल्लास है, मार्क्सवाद का प्रभाव है, उनके पेशे वकालत का प्रभाव है। उन्हें बुंदेलखंड से प्यार है और केन नदी तो जैसे उनकी कविता का स्रोत ही हो। यह सब विशेषताएं उनके गद्य में भी हैं। केदारनाथ अग्रवाल की ख्याति यद्यपि कवि-रूप में अधिक रही पर उनका चिंतक गद्यकार भी काव्य-सृजन के समानांतर सक्रिय रहा। उनके निबंध इसके गवाह हैं। इनके निबंधों को पढ़ते हुए यह तो समझ में आ गया कि रचनाकार का मन समुद्र की तरह गहरा होता है। जहाँ उसके अनुभव गहराई में किसी महत्वपूर्ण निधि की तरह घुले-मिले होते हैं। लेखक जब भी सृजन के लिए कलम उठाता है, वे अनुभव न सिर्फ उसे अनुप्रेरित और अनुप्राणित करते है , बल्कि उसकी रचना चाहे वह किसी विधा में हो, कविता, कहानी या निबंध हो, उसे विश्वसनीय, व्यापक और जीवंत बनाते हैं। जिस लेखक का अनुभव-संसार जितना विस्तृत, व्यापक और गहरा होता है, उसकी रचनाएं उसी अनुपात में असरदार और सशक्त होती हैं। यहाँ अनुभव से अभिप्राय सिर्फ भोगे हुए यथार्थ से ही नहीं, लेखक की अनुभूतियों की सूक्ष्म पकड़, उसकी बारीक संवेदनशीलता और उसके दृष्टिकोण की दूरदर्शिता से भी है। केदारनाथ अग्रवाल की गद्य रचनाओं में काव्यात्मकता एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

वे स्वयं अपने गद्य के बारे में अपने लेख संग्रह 'समय समय पर' की भूमिका में लिखते हैं कि 'मैं कवि भी हूँ इसलिए कभी-कभी मेरा गद्य भी काव्यात्मक हो जाता है।' संभवतः यही कारण है कि उनके गद्य में काव्यात्मकता पूरी तरह देखने को मिलती है। संवेदनशील भाव-तंत्र और गहन वैचारिकता की संहिति से उनकी सृजनशीलता आकार लेती है। केदारनाथ अग्रवाल जीवन के यथार्थ दर्शन से अपनी रचनाओं के आरंभ में ही परिचित हो चुके थे। उन्होंने अपने लेख में अपनी मार्क्सवादी दृष्टि को लेकर भी बेबाक बातें कही हैं। उनका मानना था कि मार्क्सवाद वैचारिक दर्शन है जिसको लेकर उनकी दृष्टि बिल्कुल साफ थी। वे मानते थे कि मार्क्सवाद ने उनके विचारों को एक वैज्ञानिक और मानवीय आधार दिया। वे कभी भी इस प्रकार के कवि और रचनाकार तो बिल्कुल नहीं बन सकते थे, यदि उन्हें मार्क्सवाद का और अपने वकालत के पेशे का इतना परिपुष्ट और मानवीय दर्शन न मिला होता। वे लिखते हैं-'मैंने अपना दृष्टिकोण सिद्धांतों को घोंटकर नहीं बनाया था। न मैं प्रोफेसर था-न शोध-कर्ता। इसलिए मैंने स्वयं सोचा और समझा और अपने विचारों को व्यक्त किया। इस सोचने-समझने में मुझे कविता के ऐतिहासिक क्रमिक विकास के कथ्य और शिल्प ने मदद दी। मैंने पुराने और नये कवियों की रचनाएँ पढ़ीं, उनके कथ्य और शिल्प को उनके निर्माण के युग में रखकर परखा। उनके युग से प्रभावित पाया। युग बदला, तो कथ्य और शिल्प दोनों बदले। यह परिवर्तन होता चला आया, इस तथ्य को मैंने बड़ी मजबूती से पकड़ा। इस परिवर्तन की उपेक्षा मैं न कर सका। मैंने इसे सहर्ष विवेक से ग्रहण किया। मेरे विवेक ने जो मुझसे कहा, मैंने उसे कसौटी पर कसा जान कर अपने और दूसरों के हित में, और हिंदी-कविता के विकास के हित में अपनाया।यह बात मेरे गद्य में भी स्पष्ट है।'

केदारनाथ अग्रवाल के घर में कविता का वातावरण था और वे कविता के मर्म को अच्छी तरह जानते थे। वे खड़ी बोली से प्रभावित थे। वे वक्तव्य नहीं लिखते थे बल्कि सही अर्थों में कविता लिखते थे। उनका विश्वास था कि कविता कविता होकर ही पाठक के मन को छूती है। उन्हे मनुष्य से प्यार था। वे दुःखी और सताए हुए इंसान के प्रवक्ता थे। परंतु वे व्यख्याकार नहीं, कवि थे। उनके बिंब परिचित, सहज और संस्पर्शी होते थे। केन नदी उन्हें पुकारती थी। उन्होंने केन नदी को नर्मदा नदी जो मध्यप्रदेश की खूबसूरत नदी मानी जाती है उसके सौंदर्य के समानांतर रखने में कोई कसर न छोड़ी। बुंदेलखंड की धरती से उन्हें प्यार था। नागार्जुन और रामविलास शर्मा के बांदा आने पर उन्होंने जो कविता लिखी है वह इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। विचारधारा और वैचारिकता उन्हें कभी भी कटु नहीं बनाती थी। सबसे अनोखी बात तो यह है कि यह सारी चीजें उनके निबंध शैली में भी तीव्रता से दिखाई देती हैं। ।

केदारनाथ अग्रवाल ने अपने निबंधों में बालकृष्ण भट्ट, प्रतापनरायण मिश्र, बालमुकुंद गुप्त, अंबिकादत्त व्यास, जयशंकर प्रसाद, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा आदि स्थापित नामों से अलग हटकर साहित्य में प्रगतिवादी आग्रह के तत्वों की संबद्धता पर विचार किया। वे मानते थे कि चिंतन वैज्ञानिक हो तभी उसकी प्रासंगिकता है। रचना मनुष्य के जीवन से जुड़े और संभवतः यही कारण था कि निराला और प्रेमचन्द उनके आदर्श रहे।

उनके लिखे गए निबंधों के शीर्षक पर नजर डालें तो यह शीर्षक ही उनकी काव्य के प्रति रागात्मकता को स्पष्ट करते हैं। 'काव्य चिंतन'/गद्य, पद्य और कविता', 'प्रेरणा और कविता,'आधुनिकताः नयी कविता-समस्या और समाधान', 'साहित्य में यथार्थवाद', 'बौद्धिकता और कविता', 'संज्ञान की कलात्मक अभिव्यक्तिः कविता', 'साहित्यकार का सामाजिक दायित्व', 'प्रगतिशील कविताः परंपरा और नवीनता', 'गीतकाव्य जन-मानस के आईने में', 'प्रगतिशील साहित्यकारों से', 'शासन, जनता और लेखक', 'अज्ञेय की कविताएं,' 'बच्चनः आदमी और कवि,' 'वाल्ट व्हिटमैनः यर्थाथवाद', 'प्रेरणा और कविता' आदि।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कवि के रूप में अग्रवाल जी प्रगतिवादी कवियों में सबसे अधिक कलात्मक कवि हैं। उनके पास शब्दचयन है, भावाभिव्यक्ति है, एक काव्यगत तटस्थता की संभावना है। इनके काव्य की विशेषता जीवन और उससे उपजी रागात्मकता का साक्षात्कार करना है और यह सारी विशेषताएं उनके निबंधों में भी उभर कर आई हैं। एक उदाहरण उनके लयात्मक लेखन शैली का ' काव्य-चिंतन' निबंध से लेते हैं जहाँ वे कविता के लिए कहते हैं कि 'कविता कोई स्थल नहीं हैं, जिसकी सीमा बताई जा सके। वह न एशिया है, न यूरोप; न रूस है, न अमेरिका, न द्वीप है, न प्रायद्वीप; न नदी, न पहाड़। उसकी कोई भौगोलिक स्थिति नहीं हैं। आज ही नहीं वह सदा अभौगोलिक रही है और भविष्य में भी अभौगोलिक रहेगी। किंतु वह अभौगोलिक होते हुए भी सब देशों में पाई जाती है। संसार में कोई देश अथवा प्रान्त नहीं हैं जहाँ वह पहले न रही हो और अब न हो।'

अब उनकी कविता की कुछ पंक्तियाँ देखें जिसमें उनकी यह बात स्पष्ट होती है-'मेरी कविताएँ गायेगी जनता सस्वर/नहीं सहारा रहा/धरम का और करम का/एक सहारा है/बस मुझको नेक कलम का/जरा-मरण से हार न सकते/मेरे अक्षर/मेरी कविताएँ गायेगी/जनता सस्वर।'

केदारनाथ अग्रवाल जिस सहजता और बिंबों और उपमाओं से अपनी बात कहते हैं है वह जैसे उनकी कविता को विशेष बनाती है वैसे ही उनके गद्य को भी विशेषता प्रदान करती है।

उनके ज्यादातर निबंधों के प्रकाशन का समय 1970 से 1981 तक का है तो जाहिर है यह इस समय से पहले लिखे गए होंगे। उन्होंने गुलाम देश को आजाद होते देखा था। वे देख रहे थे कि राजनीति में कोई संतुलन नहीं है। वैसे ही काव्य का क्षेत्र भी फैला हुआ है छायावादी, प्रगतिशील, कालातीत, भाषा में मत भिन्नता। वे जो भी कहते उसे अपनी बहुत आस्था के साथ कहते।

संभवतः यही कारण था कि अपने एक निबंध 'उल्टी खोपड़ी की उपज में' में वे हिन्दी भाषा को उदारमना के रूप में देखते हुए उसकी विकास यात्रा के लिए लिखते हैं -- 'हिन्दी ने अपने विकास-क्रम के इतिहास में भारत की समस्त बोलियों से अपने लिए उपयुक्त शब्द और मुहावरे लिए हैं। संस्कृत इसी देश की भाषा रही है। उसका अक्षय साहित्य-भंडार हिंदी के लिए उपलब्ध था। यदि हिंदी ने उसके शब्दों को लिया और उन्हें अपना बनाया, तो हिंदी ने कोई अपराध नहीं किया। किसने उर्दू को रोका था कि वह संस्कृत को न अपनाए । यदि उर्दू उससे अपने माफिक शब्द लेती तो हो सकता है कि वह हिंदी के अधिक निकट आती और भारतीय जनता उसे भी अपने कंठ में बसाती। मगर सत्य तो यह है कि उर्दू के सिरजनहार उसे हिंदी से या लोकभाषाओं से से या संस्कृत से मेलःमिलाप नहीं करने देना चाहते थे और अपनी इस नाजनीन को केवल अपने ही हृदय में कैद किए रखकर उसकी अदाओं पर निसार होना जानते थे।'

अपने एक लेख 'संस्कृति और परिस्थिति' में वे कहते हैं कि -'आज की उन्नतिशील शक्तियाँ हैं मजदूर-विज्ञान की, सर्वहारा वर्ग की शक्तियाँ, जो समस्त विश्व में शोषित हैं, शासित हैं, यद्यपि संख्या में अधिक हैं। फलतः अब साहित्य भी इसी संस्कृति में पलकर सर्वहारा वर्ग का विश्व श्रेष्ठ साहित्य हो रहा है। यही युग का प्रतिनिधित्व करेगा। इससे घबड़ाने की रत्ती भर भी आवश्यकता अथवा आशं?का नहीं है।' यह बात उनकी 1957 में लिखी कविता 'छोटे हाथ' में कुछ ऐसे आई है। देखें इस कविता के कुछ अंश---

'छोटे हाथ/सबेरा होते/लाल कमल से खिल उठते हैं/करनी करने को उत्सुक हो/धूप हवा में हिल उठते हैं।/छोटे हाथ/नहीं रूकते हैं/और नहीं धीरज धरते हैं/जड़ को चेतन/पानी को पय,मिट्टी को सोना करते हैं।/छोटे हाथ/किसानी करते-/बीज नए बोया करते हैं।/आने वाले वैभव के दिन/अँगुली से टोया करते हैं........।

उस समय उनके यह निबंध लोगों को काव्य और समय की पुकार को समझाने में सहायक हुए। हल्की ही सही, ताजगी की एक बयार आई। यह हल्की बयार बड़े तूफान में परिवर्तित हुई या नहीं पर ; यह अलग बात है पर इसके लिखने के पीछे इच्छा तो उनकी यही रही होगी कि उनके अनुभवों की, दूसरों के अनुभवों की कई परतें जो खुलनी बाकी हैं वे सबकी सब खुलें और हल्की बयार बिना किसी अनुशासन के बड़े झोंके में बदलकर व्यवस्था को बदले। क्योंकि संप्रेषणीयता के लिए रचनाकार को अपनी बौद्धिकता से बाहर निकलना पड़ता।

उन्होंने निराला जो उनके आदर्श थे उनकी कविताओं पर अपनी लेखनी चलाई हैं और अज्ञेय पर भी। उन्होंने उसी मजबूती से अमेरिकी कवि 'वाल्ट ह्विटमैन और यथार्थवाद' पर भी निबंध लिखा। उनका मानना था कि समय और परिस्थिति का प्रभाव लेखन पर पड़ना अवश्यंभावी है। वे अपने लेखों में जिस बेबाकी से अपनी बात रखते हैं वह उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। वे अपनी भूमिका में लिखते हैं कि 'मैं इसे भी वैज्ञानिक नहीं समझता कि काव्य का मूल्यांकन या पुनर्मूल्यांकन -केवल कथ्य या शिल्प या कलात्मकता के आधार पर किया जाए और उसके सामाजिक या राजनयिक प्रभाव को दरकिनार कर दिया जाए। कृति को केवल कृति की एक मात्र इकाई के रूप में देखा जाए।' इसके लिए वे आगे कहते हैं कि- 'महाकवि कालिदास का काव्य इसका साक्षी है। इन्हीं का नहीं, अन्य प्रतिष्ठित गण्यमान्य कवियों तक का साहित्य इसका प्रमाण है। सबमें वही साहित्यकता मिलती है, जिसे दूसरे शब्दों में रसात्मकता, अलंकृतता और उक्तिवैचित्र्य आदि नाम दिये जा सकते हैं। कोई माने या न माने, यह स्वीकार करना ही पड़ेगा कि उस युग का समस्त साहित्य तब की समाज-व्यवस्था की आर्थिक परिस्थिति की ही प्रक्रिया का साहित्य है। एक राजा होता था। कवि उसके आश्रित रहते थे। कवि-कर्म इसी में सिद्धि प्राप्त करता था कि अपने आश्रयदाता की रुचि के वर्णन और भाव का काव्य रचे। उस समय कवि यह सोच नहीं सकता था कि जनता का साहित्य लिखे। राजा ही शक्तिशाली था। उसका जन-विरोधी रूप प्रकट ही नहीं हुआ था और न सामने दिखायी ही देता था। फलतः कवि राजदरबार का साहित्य ही बनाते थे।

'प्रगतिशील साहित्यकारों से' शीर्षक में उत्तर प्रदेश प्रगतिशील साहित्यकार सम्मेलन में दिए गए भाषण के अंश को संकलित किया गया है। इसमें वे प्रगतिशील लेखकों को संबोधित करते हुए कहते हैं कि आज वही पुराना शासनतंत्र है, दुनिया बदली है, समस्यायें नई-नई उभरी हैं पर उनके समाधान का पुराना तरीका ही है इसीलिए आज के युग में विसंगतियां पैदा हो गई हैं। पर वे तब भी मानते थे कि देश के दारुण परिवेश को साहित्यकार भी भोगते हैं। हमारा प्रगतिवादी साहित्य जनता से प्रतिबद्ध साहित्य होना चाहिए। एक रचनाकार की बौद्धिक ईमानदारी का अंदाजा उनके इसी उद्बोधन से लग सकता है कि वे कैसे प्रकृति के कवि थे। उनकी रचनाओं में नीम भी है, बबूल भी, झाड़ी भी और पत्थर भी। सबमें सौंदर्य है। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि प्रकृति और मनुष्य दोनों ही उनके गहरे सरोकारों में से थे। वे कहते हैं कि --' तमाशा तो यह है कि जिस प्रकृति में हम रहते हैं, जो हमारे लिए माँ है, जो हमारे लिए सब-कुछ सुलभ करती है और जिसमें हम जीते और जिसकी बदौलत हम कर्मठ व्यक्ति हैं, उसी को हमने आज के साहित्य से निष्कासित कर दिया है और हम हो गए हैं प्रकृतिविहीन निस्संग आदमी। प्रकृति से जुड़ना उसकी मुद्राओं को चित्रित करना और उसको सँवारना हम भूल गए हैं। परिणाम यह हुआ कि हमसे साहित्य-सृजन का सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक क्षेत्र निकल गया है। यह हितकारी नहीं विनाशकारी है। हम प्रगतिवादियों को इस ओर विशेष ध्यान देना है और प्रकृति का साहित्य सृजन करना है।'

केदारनाथ अग्रवाल के उद्बोधन का इस अंश ने उनकी एक कविता की याद दिलाई और लगा कि केदारनाथ अग्रवाल जैसा कवि ही प्रकृति की ऐसी पक्षधरता रचनाकारों से कर सकता है- आज नदी बिलकुल उदास थी/ सोयी थी अपने पानी में/ उसके दर्पण पर/बादल का वस्त्र पड़ा था/ मैंने उसको नहीं जगाया/ दबे पाँव घर वापस आया।

(लेखिका साहित्यप्रेमी हैं)

माउंट एवरेस्ट नहीं, माउंट सिकदर कहें, जनाब !

शख्सियत

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह पर्वतारोही न था, अलबत्ता विज्ञान में उसकी रुचि थी। मूलतः वह गणितज्ञ था। गणित में बचपने से उसकी गति थी और अपनी प्रतिभा वह सबको चमत्कृत कर देता था। यह चमत्कार ही था कि उसने 19वीं सदी के मध्य, जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का राज था, में अपनी गणितीय मेघा से विश्व के सर्वोच्च शिखर को माप लिया था। उसकी गणना इतनी सटीक थी कि विस्मय होता है। उसकी और वैज्ञनिक उपकरणों की गणना मे फकत कुछ फुट का ही अंतर है। यह दशार्ता है कि ऊंचाई गणना के समक्ष बौनी है और उसे अंकों में बांधा जा सकता है।

जी हां, यह शक्स था राधानाथ सिकदर और पर्वत था एवरेस्ट। यह बात दीगर है कि विश्व की सर्वोच्च चोटी को तब एवरेस्ट नाम से नहीं जाना जाता था। माना जाता था कि कंचनजंघा विश्व की सबसे ऊंची चोटी है। एवरेस्ट की चोटी तब पीक (शिखर) 14 के नाम से ख्यात थी। सिकदर महाशय ने पीक फोर्टीन को मापने का दुष्कर कहें तो हिमालयी-दायित्व उठाया और उसकी बेनुक्स गणना कर डाली। यह सन 1852 का साल था यानि ग्रिगोरियन कैलेंडर के मान से आज से एक सौ सत्तर साल पहले सिकदर ने तब तक अपनी उम्र के 40 साल भी पूरे न किये थे।

वह बंगाल में रेनेसां का काल था, जब सन 1813 में जोड़ासांको में राधानाथ का जन्म हुआ। टीटूराम और देवकी की संतान राधानाथ की प्रारंभिक शिक्षा कमल बोस स्कूल और हिंदू कॉलेज, कलकत्ते में हुई। हिन्दु कालेज में उन्होंने सात साल तक तालीम हासिल की। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा स्थापित द ग्रेट ट्रिगोनोमेट्रिकल सर्वे (जीटीएस) वैज्ञानिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत दक्षता से प्रलेखित उपक्रम था। जार्ज एवरेस्ट इसके सर्वेयर जनरल थे। 20 दिसंबर, सन 1831 को सिकदर को नवस्थापित कम्प्यूटिंग कार्यालय में नियुक्ति दी गई। जार्ज एवरेस्ट जल्द सिकदर की गणितीय क्षमताओं से चकित हो गये और उन्होंने उसे अपनी छत्रछाया में ले लिया। सिकदर की नियमित नौकरी सन 1832 में शुरू हुई। उसका वेतन 107 रुपए प्रतिमाह था, जिसमें 50 रुपये वेतन, 40 रुपये तंबू भत्ते और 17 रुपये घोड़ा- भते के रूप में शामिल थे। समय के मान से यह बड़ी रकम थी। 'बॉस' के तौर पर एवरेस्ट ने उसकी प्रतिभा को बखूबी चीन्हा। फलतः सिकदर को वेतन-वृद्धियों का बेहतरीन लाभ मिला। सन 1838 में उसका वेतन 173 रुपये तक जा पहुंचा। सिकदर ने जीटीए छोड़ने की इच्छा व्यक्त की। वह सार्वजनिक संस्थान में शिक्षक बनना चाहता था। एवरेस्ट सिकदर को छोड़ना नहीं चाहते थे। अतः उन्होंने कंपनी- सरकार से बतौर प्रलोभन सिकदर को पर्याप्त वृद्धि देने की गुजारिश की। उन्होंने दलील दी कि सिकदर को उनकी आँखों के नीचे लड़कपन से प्रशिक्षित किया गया है और उसकी गणितीय उपलब्धियां योरोप में भी बहुत ऊंची 'रैंक' होंगी। एवरेस्ट की अधीनस्थ सिकदर के बारे में दलील काम कर गयी। एवरेस्ट के लिए सिकदर सस्ता, विश्वसनीय और टिकाऊ उपकरण था। एवरेस्ट की सिफारिश पर कंपनी सरकार ने 1 जून, 1838 को 100 रुपए की विशेष वृद्धि दी। सन 1845 में सिकदर को मुख्य कंप्यूटर बनाया गया। यही वह साल था, जब जीटीएस ने उत्तर पूर्वी हिमालयी श्रंखला शुरू की, जो सन 1850 में पूरी हुई। इसके पूर्व एवरेस्ट अपने इस प्रिय संगणक मोशाय को अपने साथ मसूरी ले गये, जहां संगणक महाशय 15 साल रहे। उत्तरपूर्वी हिमालयी श्रृंखला देहरादून से बिहार में पूर्णिया में सोनाखोड़ा तक 2720 किमी तक फैली हुई है। इस श्रृंखला के प्रमुख स्टेशनों से हिमालय की शक्तिशाली चोटियां दिखाई देती हैं। एवरेस्ट के उत्तराधिकारी एंड्रयू वॉ, जो सन 1843-63 में सर्वियर जनरल थे, ने आदेश दिया कि प्रत्येक दृश्यमान छोटी या बड़ी चोटी प्रत्येक अवलोकन-स्टेशन से देखी जानी चाहिये, लेकिन चाटियों की पहचान कंप्यूटरों पर छोड़ दी जानी चाहिये। गौर करें कि वॉ ने जब यह आदेश जारी किया, सिकदर मुख्य कम्प्यूटर के पद पर प्रोन्नत हो चुके थे। पीक-14 की ऊँचाई की गणना का श्रेय सिकदर को देने को लेकर पर्याप्त मत-भिन्नता है। यह भी कहा जाता है कि वह नस्लवाद और ब्रिटिश श्रेष्ठतावाद के शिकार हुए। उनके कम्प्यूटिंग कार्यालय को सन 1849 में कलकत्ते ले जाया गया और सन 1862 में उनकी सेवानिवृति के बाद वापस देहरादून लाया गया। इसी काल में हिमालय की प्रमुख चोटियों की ऊँचाई की गणना हुई। बहरहाल, 27 नवंबर, सन 1849 से 17 जनवरी, सन 1850 के मध्य छह अलग-अलग स्टेशनों से पीक-14 का अवलोकन किया गया। दिलचस्प तौर पर गणनाएं सुसंगत थी। 28990 फुट से 29026 फुट के दरम्यान, के-2 के तौर पर ज्ञात काराकोरम चोटी 28250 फुट के साथ दूसरी, पायदान पर रही। इसके बाद क्रमशः कंचनजंघा क (28146 फुट) कंचनजंघा कक (27803 फुट) और धौलागिरि (26795 फुट) का स्थान रहा। सन 1865 में वॉ के सुझाव पर रॉयल जियो-ग्राफिकल सोसायटी ने पीक-14 का नामकरण किया एवरेस्ट। डेढ़ सदी से अधिक वक्त गुजरा कि विश्व के इस सर्वोच्च शिखर को एवरेस्ट के नाम से जाना जाता है। एवरेस्ट की ऊंचाई को लेकर बहस-मुबाहसा आगे जारी रहा। सन 1904 में जीटीएस के अध्यक्ष सिडनी गेराल्ड बर्राड ने विज्ञान-पत्रिका 'नेचर' में लिखा- "सन 1852 में कलकत्ता- कार्यालय के मुख्य कंप्यूटर (राधानाथ सिकदर) ने सर एंड्रयू को सूचित किया कि एक शिखर नामित कश अब तक किसी भी अन्य की तुलना में अधिक ऊंचा पाया गया है।" बर्राड के इस कथन को लेकर विवाद रहा, लेकिन पाव सदी बाद सन 1928 में ब्रिटिश संगणक मेजर केनेथ मेसन (सन 1887-1976) ने शिक्षता में 'हिमालयन रोगांस ' पर अपने व्याख्यान में कहा- "यह उत्तर पूर्वी टिप्पणियों की गणना के दौरान था कि एक बाबू सन 1852 में एक सुबह सर एंड्रयू वरा के कमरे में पहुंचा और कहा- 'सर मैंने धरती पर सबसे ऊंचे पहाड़ की खोज की है" यह बंगाली बाबू कोई और नहीं, मुख्य कंम्प्यूटर राधानाथ सिकदर थे। मेसन के पर्चे को जोगेशचंद्र बागल ने रामानंद चटर्जी की ख्यात पत्रिका 'द मॉडर्न रिव्यू' में उद्धृत किया। प्रागत्व के मुताबिक मेसन के भाषण की रपट 12 नवंबर, सन 1928 को 'द इंग्लिश मैन' में छपी थी। राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्था के पूर्व निदेशक एवं 'द वैदिक पिपलः देअर हिंदी एंड जियोग्राफी' के लेखक राजेश कोचर ने भी विषय पर अत्यंत विस्तार से लिखा है। बंग्लापीडिया स्पष्ट कहता है कि राधानाथ सिकदर ने सेवा में रहते हुए हिमालय की सबसे ऊंची चोटी, दुनिया की भी सबसे ऊंची चोटी की भी खोज की।'

जार्ज एवरेस्ट जब किसी ऐसे योग्य, युवा और उत्साही गणितज्ञ की तलाश कर रहे थे, जो गोलाकार त्रिकोणामिति में दक्ष हो, तो हिन्दू कॉलेज में प्रोफेसर जॉन टिटलर ने उनसे अपने छात्र राधानाथ की सिफारिश की थी। जाहिर है कि टिटलर, एवरेस्ट और वॉ की त्रयी के बिना सिकदर के करियर की कल्पना नहीं की जा सकती। सिकदर एवरेस्ट की कसौटी पर खरा उतरा, और उसने अपूर्व उपक्रम कर दिखाया, इसमें कोई शक नहीं कि एवरेस्ट के कार्यकाल में जीटीएस ने कालजयी काम किया। एवरेस्ट नवाचारी और पारखी अधिकारी थे। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश मे सिरोज से लेकर बंगाल में कलकत्ते तक 'त्रिभुज-सर्वेक्षण' की अनुदर्ध्य- श्रृंखला संपन्न हुई। प्रेसीडेंसी कॉलेज के 19 वर्षीय छात्र राधानाथ की अतुल्य प्रतिभा को आंकने में उन्हें देर नहीं लगी। सन 1824 से उक्त कालेज के छात्र राधानाथ उन प्रथम दो भारतीयों में एक था, जिन्होंने आइजक न्यूटन की 'प्रिंसीपिया' पढ़ी थी और सन 1832 तक उसने यूक्लिड की एलीमेंट, थागस जेफसन की फ्लूक्सियन और अनालिटिकल ज्यामिति और पढ़ ली थी। उनके अध्ययन और अपनी मेधा से उसने दो वृत्तों के साझा स्पज्या बनाने की विधि खोज निकाली थी। संस्थान से जुटने कुछ अर्सा बाद उसे सिरोज भेजा गया। यद्यपि सर्वेक्षण अभियान में भाग ले रहे थे। सात बंगाली कम्प्यूटर भाग ले रहे थे, लेकिन राधानाथ की काबलियत इतनी आला दर्जे की थी कि वह एवरेस्ट की नजरों में चढ़ गया। उसका काम अंतरिक्ष में पृथ्वी की गति और गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र का अध्ययन करना था। एवरेस्ट इस बंगाली प्रतिभा के लिए इस नाते कायल थे, क्योंकि, वह प्रचलित विधियों के बजाय अपने ईजाद किये उपायों को बरतता था। सन 1843 में एवरेस्ट को रिटायर होने के बाद राधानाथ महासर्वेक्षक एंड्रयू स्कॉट वॉ का भी लाड़ला रहा। वॉ ने उसे सन 1851 में चीफ कम्प्यूटर बनाया और मौसम विभाग का अधीक्षक भी। उन्हीं के आदेश पर राधानाथ ने चोटियों की ऊँचाई की गणना शुरू की और पाया कि विश्व और हिमालय की सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा नहीं, वरन पीक-14 है। गौरतलब है कि गणना से पेश्तर राधा ने कभी वह शिखर नहीं देखा था। बहरहाल, उसने छह अलग-अलग स्टेशनों से पिक- 14 का अवलोकन किया और एक अपूर्व और ऐतिहासिक करिश्मा कर दिखाया। दिलचस्प तथ्य यह है कि राधानाथ ने शिखर की ऊंचाई 29,000 फुट (8839 मीटर) जताई थी, लेकिन वॉ ने उसमें जान-बूझकर दो फुट और जोड़ दिये, ताकि गणना को 'राउंड फिगर' का फेर न माना जाये। वॉ ने राधानाथ की गणना की औपचारिक घोषणा मार्च, 1856 में की। यह गणना सन 1955 में भारतीय सर्वेक्षण से माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 29029 फुट आंकी जाने तक मान्य रही। गौरतलब है कि यह मान्य तथ्य है कि एवरेस्ट की ऊंचाई प्रति वर्ष चार मिमी बढ़ रही है। ऐसे में राधानाथ की गणना विस्मय उपजाती है और उसकी विलक्षण मेधा के प्रति प्रशंसा का आदरयुक्त भाव जगाती है।

इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि सिकदर गौरांग शासकों की उपेक्षा का शिकार हुआ। सन 1851 में कॅप्टेन एचएल थूलियर और कैप्टन एफ. स्मिथ के संपादन में प्रकाशित सर्वे मैन्यूएल में भूमिका में बाबू राधानाथ सिकदर के अधिक तकनीकी और गणीतीय अध्यायों का उल्लेख था, किन्तु सन 1875 में पुनर्मुद्रित संस्करण में वह भूमिका नदारद थी। इस कृत्य की भर्त्सना कतिपय ब्रिटिश सर्वेक्षकों ने भी की। 'फ्रेन्ड आफ इंडिया' नामक पत्र ने सन 1876 में इसे 'रॉरी आफ द डेड' की संज्ञा दी। सन 1843 में सिकदर पर 200 रुपए के जुमार्ने का प्रकरण भी सामने आया। यह अर्थदण्ड उसने मजिस्ट्रेट वानसिटार्ट के विभागी कर्मचारियों के शोषण का विरोध करने पर भुगता था। यह प्रसंग रामगोपाल घोष ने अपने संपादन के द बेंगाल स्पेक्ट्रेटर में छापा था। अभिव्यक्ति के अधिकार के समर्थक राधानाथ ने सन 1854 में डेरो जियन-मित्र प्यारी-चंद मित्रा के साथ बांग्ला भाषा में मासिक पत्रिका का प्रकाशन भी किया। सन 1862 में रिटायर होने पर उसे जनरल असेंब्लीज इंस्टीट्यूशन में गणित- शिक्षक के तौर पर नियुक्ति मिली। यह संस्थान अब स्कॉटिश चर्च कॉलेज के तौर पर ख्यात है।

राधानाथ सिकदर ने 17 मई, सन 1870 से चंदननगर में गोदलपाड़ा में अपनी विला में आखरी सांस ली। उसे चंदन- नगर की सिक्रेट हार्ट कब्रगाह में दफ्नाया गया। यह सिकदर की ख्याति का ही प्रमाण था कि जर्मन फिल्लासॉफिकल सोसायटी की बवेरिया शाखा ने सन 1864 में उसे अपना सदस्य मनोनीत किया। भारतीय डाक तार विभाग ने 27 जून, 2004 को चेन्नै में जीटीएस की स्थापना की स्मृति में डाक टिकट जारी किया तो उस पर राधानाथ सिकदर और नैनसिंह की छवियाँ थीं।

अब आप ही बताइये कि विश्व की सर्वोच्च चोटी को आप माउंट एवरेस्ट कहना पसंद करेंगे या माउंट सिकदर?

(लेखक कवि एवं संपादक हैं)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं- <raisubhash953@gmail.com>

बज गया उप चुनाव का बिगुल बिछने लगी सियासत की बिसात

मीरजापुर। जिले में छानबे विधानसभा सीट से विधायक रहे राहुल प्रकाश कोल की कैंसर की बीमारी से बाद निधन हो गया था। निधन के बाद छानबे सीट पर उपचुनाव को लेकर ऐलान कर दिया गया है। उपचुनाव को लेकर घोषणा किये जाने के बाद भावी उम्मीदवार क्षेत्र की जनता का दिल जीतने के लिए निकल पड़े है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित छानबे सीट जहां सबसे ज्यादा कांग्रेस के उम्मीदवारों ने चुनाव जीता, लेकिन अब कांग्रेस का वर्चस्व इस सीट से खत्म हो गया है। जानिए छानबे विधानसभा सीट का इतिहास और जानिए यहां से किस पार्टी के उम्मीदवार ने कब चुनाव में जीत हासिल की।

आयोग ने जारी किया नोटिफिकेशन, बढ़ गई सरगर्मी

जिले में छानबे विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम जारी कर दिया है। उपचुनाव को लेकर नोटिफिकेशन जारी किये जाने के बाद छानबे से विधायक रहे राहुल प्रकाश कोल की पत्नी रिंकी कोल ने चुनाव मैदान में आने को लेकर बात कही है। रिंकी कोल ने कहा कि राहुल कोल के जो भी सपने थे, उनको पूरा करेंगे। जनता का हमें समर्थन मिल रहा है। जिसके बाद हमने चुनाव लड़ने का मन बनाया है। लालगंज में स्थित अपना दल एस के दफ्तर पर चहल पहल तेज हो गई है। छानबे से विधायक राहुल प्रकाश कोल का कैंसर की बीमारी से निधन हो गया था। निधन के बाद छानबे विधानसभा की सीट रिक्त हो गई थी। उपचुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग के द्वारा कार्यक्रम घोषित किये जाने के बाद रिंकी कोल लगातार जनसंपर्क कर रही हैं। राहुल प्रकाश कोल की पत्नी रिंकी कोल को एनडीए की तरफ से संयुक्त उम्मीदवार माना जा रहा है। विधायक रहे राहुल प्रकाश कोल के निधन हो जाने के बाद रिंकी कोल लगातार जनता के बीच में जा रही है, जहां प्रचार प्रसार कर रही हैं। चुनाव को लेकर नोटिफिकेशन जारी किए जाने के बाद लालगंज में स्थित अपना दल एस के कार्यालय पर रिंकी कोल ने पदाधिकारियों के साथ बैठक की, जहां पर उन्होंने आगे की रणनीति तैयार की।

उप चुनाव में दूसरी पार्टी का ही रहा है पलरा भारी

1993 में बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार राम भारती, 1996 में भाजपा के भाई लाल कोल, 2002 में बहुजन समाज पार्टी से पकौड़ी लाल कोल, 2004 के उपचुनाव में बहुजन समाज पार्टी के राम भारती व 2007 में बहुजन समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सूर्यभान चुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंचे। चार बार से लगातार सीट पर कब्जा जमाया था। बसपा को 2012 के चुनाव में सपा ने हरा दिया। 2012 में हुए विधानसभा चुनाव में भाई लाल कोल ने जीत हासिल की। 2017 में एनडीए गठबंधन के तहत सीट अपना दल एस के खाते में चली गई, जहां पकौड़ी कोल के बेटे राहुल प्रकाश कोल पहली बार विधायक चुने गए। 2017 के बाद 2022 में पुनः राहुल कोल विधायक चुने गए थे।

> उप चुनाव में हम मैदान में आ रहे हैं। विधायक राहुल कोल के जो भी अधूरे सपने थे, उन्हें पूरा किया जाएगा। उनका सपना था कि क्षेत्र के स्कूल में उच्च स्तरीय शिक्षा मिले। बच्चों के खेलने के लिए मैदान बने। इन सभी सपना को पूरा किया जाएगा। चुनाव लड़ने को लेकर लोगों का रिस्पांस अच्छा मिल रहा है। जनता के कहने पर ही हम मैदान में आ रहे हैं।
>
> रिंकी कोल, विधायक राहुल कोल की पत्नी

जानिए छानबे विधानसभा सीट से कब कौन बना विधायक

जिले की छानबे विधानसभा सीट के लिए 1952 में पहली बार चुनाव हुआ। पहली बार हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार अजीज इमाम ने चुनाव में जीत हासिल की। 1952 के बाद 1957 और 1962 में भी अजीम इमाम विधायक निर्वाचित हुए। 1962 के बाद इस सीट को सुरक्षित से सामान्य कर दिया गया। सामान्य सीट होने के बाद 1967 में चुनाव हुआ। इस चुनाव में जनसंघ के उम्मीदवार स्वामी ब्रह्मानंद चुनाव जीते तो 1969 में फिर से एक बार जनसंघ के श्री निवास प्रजापति चुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंचे। 1974 में विधानसभा चुनाव से पहले फिर से एक बार छानबे सीट को अनसूचित जनजाति के लिये आरक्षित कर दिया गया। सीट आरक्षित होने जाने के बाद कांग्रेस के पुरुषोत्तम 1974, 1977 व 1980 में विधायक चुने गए। 1985 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से भगवती चौधरी, 1989 में जनता दल के उम्मीदवार कालीचरण व 1991 में दुलारे लाल ने चुनाव में विजयी पताका लहराया।

बेमौसम बारिश से उड़ी किसानों की नींद

लालगंज। विकासखंड लालगंज क्षेत्र में तूफानी बारिश के साथ ओला पड़ने से किसानों की फसल नष्ट हो गई। किसानों ने कर्ज लेकर खेत में लगाई लागत इंद्र देव भगवान ओले बरसाकर धराशाई कर दिए किसानों ने ओले की मार से पूरी तरह से टूट गए। शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक तूफानी बारिश के बीच घमासान ओले पड़ने लगे। लगभग आधे घंटे लगातार बारिश एवं ओला पड़कर फसल को पूरी तरह से नष्ट भ्रष्ट कर दिया। क्षेत्र के लालगंज, मेढरा, बनवारी, बरडीहा, निनवार उत्तर, सौरेह, बभनी खुर्द, लालापुर, बस कोप, गम्भीरापुर, चिरूई राम, बस्तरा राजा, बसही कला, अमहा, कनौही राजा आदि गांव में बारिश एवं ओले पड़ने से भारी पैमाने पर नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। क्षेत्र के किसान कन्हैया लाल ने कहा कि गेहूं चना मसूर की फसल खेत में पड़ी थी। ओला पड़ने की वजह से भारी पैमाने पर नुकसान हुआ है। बरडीहा निवासी उमाकांत मिश्रा कृपाशंकर आदि लोगों ने बताया कि ओला पड़ने से गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

संक्षेप

तेज आंधी तूफान के साथ हुई बारिश फसलों को हुआ भारी नुकसान

राजगढ़। स्थानीय क्षेत्र में लगातार हो रही बेमौसम बरसात से किसानों को भारी नुकसान होने का अनुमान लगाया जा सकता है। शाम तक तेज गरज चमक के साथ आंधी तूफान लेकर आफत की बरसात हो गई। किसानों के अनुसार खेतों में खड़ी गेहूं की फसल व दलहन तिलहन के उत्पादन पर खासा नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र में लगातार बरसात होने से क्षेत्रीय किसानों के फसल बर्बाद होने के बावजूद शासन की ओर से मदद की कोई गुंजाइश नहीं दिखाई दे रही है जिससे मदद की आस भी पूरी नहीं होने से किसानों में आक्रोश फैलने लगा है। पिछले हफ्ते हुई बरसात में ओले भी पड़े थे जिसमें मटर चना अरहर मसूर आदि फसलें प्रभावित हुई थी। वहीं गेहूं के फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचा लेकिन तहसील प्रशासन की ओर से कोई रिपोर्ट तैयार नहीं की गई ऐसे में किसानों पर पड़ रहे दोहर मार से किसान कराह रहे हैं।

अज्ञात वाहन के धक्के से युवक की मौत

सीखड़। चुनार थाना क्षेत्र के चुनार वाराणसी मार्ग पर मेड़िया खेल मैदान के पास शुक्रवार की सुबह करीब 4:30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से शुभम 18 पुत्र जितेंद्र निवासी मढ़ैया थाना चुनार की मौके पर ही मौत हो गई। शुभम नित्य की भाँति दौड़ लगाने गया था। पक्का पुल पर मौजूद पिकेट ड्यूटी रत पुलिस कर्मियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चुनार भेजा। घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। शुभम की भाइयों में बड़ा था। दसवीं की परीक्षा पास कर तैयारी में जुटा था। शुभम की मौत से गाँव में शोक व्याप्त हो गया।

चोरी के पाइप के साथ दो चोर गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना अहरौरा पुलिस द्वारा दो शातिर चोर को चोरी में प्रयुक्त वाहन सहित वाहन में लदे चोरी के 14 पाइप के साथ गिरफ्तार किया। एसपी द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों के विरूद्ध तथा वाहनों की चोरी व बिक्री करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के क्रम में उ0नि0 अरूण कुमार यादव मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना अहरौरा क्षेत्र से चोरी में प्रयुक्त वाहन में लाद कर चोरी के 14 पाइप को ले जा रहे दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया। जसके सम्बंध में थाना अहरौरा पर मुकदमा पंजीकृत कर दो आरोपी अमित कुमार शर्मा पुत्र बहोरी लाल शर्मा निवासी कस्बा नवाबगंज जनपद फर्रूखाबाद, दीपू राठौर पुत्र राधेलाल निवासी ग्राम पनेवड़ा थाना विलग्राम जनपद हरदोई को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर। धोखाधड़ी कर जमीन का बैनामा कराने के अभियोग से सम्बंधित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। थाना को0शहर पर 25 जनवरी को वादी रामललित पुत्र स्व0 पुनवासी लाल द्वारा नामजद आरोपीयों के विरूद्ध धोखाधड़ी कर जमीन का बैनामा करा लेने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी थी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0शहर पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। जहां एसपी द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में घटना में संलिप्त आरोपीयों की गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक को0शहर को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के क्रम में शुक्रवार को उ0नि0 भरत पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी करन कुमार पुत्र विश्वनाथ निवासी अघवार थाना पड़री मीरजापुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने बच्चों को किया सम्मानित

मीरजापुर। रमईपट्टी स्थित आचार्य रामचंद्र स्मारक शिक्षण संस्थान व एआरसीएस पब्लिक स्कूल में वार्षिक अंक पत्र वर्ष 2023 का वितरण संस्था के पदाधिकारी वरिष्ठ साहित्यकार द्वय भोलानाथ कुशवाहा एवं केदारनाथ सविता ने मेधावी छात्र व छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए किया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक राकेश चंद्र शुक्ल ने कहाकि बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षण संस्थाओं और समाज से होता है। उनके प्रारम्भिक निर्माण में दोनों की बराबर की भूमिका है। वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने कहाकि बचपन जीवन का आधार होता है। इसलिए उसका ठीक रहना बहुत आवश्यक है। केदारनाथ सविता ने बच्चों में नैतिक एवं व्यावहारिक शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि इससे आने वाले समय में देश में मजबूत नयी पीढ़ी का निर्माण होगा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आशीष चंद्र शुक्ल, अध्यापक अजय पांडेय, जीतेंद्र प्रजापति, अंकित श्रीवास्तव, अध्यपिका शशिबाला श्रीवास्तव, प्रियंका विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहें।

निर्विरोध चुनाव पर लोगों ने व्यक्त किया हर्ष

जिगना। छानबे क्षेत्र के गैपुरा साधन सहकारी संघ लिमिटेड के चुनाव में शुक्रवार को इंद्रबहादुर सिंह को सभापति तथा जैन बहादुर सिंह को उपसभापति निर्विरोध चुना गया। शुक्रवार को संघ कार्यालय पर उपस्थित 10 सदस्यों ने चुनाव अधिकारी प्रेमचंद पटेल के समक्ष निर्विरोध चुनाव की बात रखी। दोनों पदों के लिए मात्र एक एक पर्चा दाखिल हुआ। इस दौरान एडीसीओ सदर द्वारिका नाथ तिवारी, गौरा कॉपरेटिव के अध्यक्ष इंद्र कुमार सिंह उर्फ डींकू सिंह सहित हरि प्रसाद दुबे, संगमलाल पांडेय, हरषू प्रसाद दुबे, साहब शुक्ला, अरविंद सिंह, पंकज सिंह, संजय सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य मनोज उपाध्याय, डायरेक्टर संतोष पाठक, ओम प्रकाश, रामसेवक बिंद, सोनेलाल निषाद, सुनील सिंह सहित काफी गणमान्य लोग मौजूद रहे। निर्विरोध चुनाव पर लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए निर्वाचित सभापति व उपसभापति को बधाई दी।

प्रधानाचार्य के सेवानिवृत्त होने पर समारोह पूर्वक हुई विदाई

सीखड़। श्री शंकराश्रम महाविद्यापीठ इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य कृपा शंकर चतुर्वेदी को अवकाश प्राप्त होने पर विदाई समारोह शुक्रवार को विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। कृपा शंकर चतुर्वेदी लगातार 10 वर्षों तक विद्यालय के प्रधानाचार्य रहे। उनके कार्यकाल में विद्यालय को नई ऊंचाई प्राप्त हुई। प्रधानाचार्य कृपा शंकर चतुर्वेदी द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन बहुत ही कुशल ढंग से किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राधेश्याम चतुर्वेदी ने बताया कि श्री चतुर्वेदी ने बहुत मेहनत से विद्यालय का इतने दिनों तक संचालन किया। इस अवसर पर प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य और शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

बैठक स्थगित

चुनार। आदर्श आचार संहिता के कारण 05 अप्रैल को क्षेत्र पंचायत नरायनपुर की प्रस्तावित बैठक को स्थगित कर दिया गया है। इसकी सूचना खण्ड विकास अधिकारी, नरायनपुर, मीरजापुर ने दी।

टीबी रोगियों को गोद लेकर करें उनकी मदद : सतीश शंकर यादव

कर्मचारियों को संबोधित डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर

चील्ह। स्थानीय पीएचसी पर शुक्रवार को आशा, एनम एवं डाट्स प्रोवाइडर स्वास्थ्य कर्मियों के बीच बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए क्षय रोग विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव ने टीबी के लक्षणों, एवं सरकारी स्तर से दिए जाने वाले समस्त निः शुल्क सुविधाओं के विषय में परिचित कराते हुए कहा कि आप सभी अपने अपने कार्यक्षेत्र एरिया में लोगों को टीबी के विषय में जागरूक करने के साथ-साथ टीबी प्रभावित रोगियों की खोज करते हुए उन्हें सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं को प्राप्त कराने में मददगार बनें। सतीश यादव द्वारा यह भी कहा गया कि आप अपने क्षेत्र के गणमान्य एवं सामाजिक हित में रुचि रखने वाले लोगों से टीबी रोगियों को गोद दिलाने का भी सराहनीय कार्य करने का प्रयास करें।

बैठक

टीबी पर पीएचसी चील्ह पर सम्पन्न हुई कार्यशाला

जिससे कि हम सभी अपने जनपद को 2025 तक टीबी मुक्त करने के उद्देश्य को पूरा कर सकें। वही पीएचसी प्रभारी डॉक्टर धीरज जायसवाल द्वारा प्रत्येक माह मनाए जाने वाले निः क्षय दिवस के विषय में लोगों को उचित टिप्स दिया। इस दौरान कार्यक्रम में एसटीएस राजनाथ एवं एसटीएलएस मनीष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

काली माता का किसानों ने किया पूजा पाठ व हवन

जमालपुर। गुरुवार की देर रात बेमौसम बारिश से रबी की कटाई के समय तैयार फसल तबाह होने पर चिंतित किसानों ने शुक्रवार को डोहरी गांव स्थित काली माता के शरण में जाकर उनको मनाने के लिए पूजा पाठ और हवन किया गया। पं० रामेश्वर पांडेय द्वारा व्लाक प्रमुख मंजू सिंह ने कथा श्रवण कर क्षेत्र की कल्याण का कामना किया। प्रमुख ने बताया कि क्षेत्र की शांति और समृद्धि के साथ ही कर-वट लेते मौसम से किसान भाइयों को दैवीय आपदा से बचाने के लिए आयोजन किया गया।

बता दें कि गुरुवार को देर रात तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से किसानों का गेहूं, चना, मटर, सहित सरसों की तैयार फसल बारिश की चपेट में आ गया और गेहूं की खड़ी फसल बारिश और हवाओं से गिर गई। वहीं आम को भी नुकसान हुआ। इस दौरान पूर्व व्लाक प्रमुख आनंद सिंह बंटू, किसान आशीष सिंह, अनिल सिंह, राकेश सिंह गुदाडी, ऊषा देवी, निर्मला देवी, आशीष सिंह, संतोष सिंह, डब्लू, गोपाल, गुलजार, रोहित सिंह, काशी नाथ, कमलेश सहित तमाम किसानों ने कथा श्रवण कर हवनकुंड में आहुति दिया।

छात्रों के पास हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का होना चाहिए लक्ष्य : पूर्व राष्ट्रपति

कार्यक्रम

सुरभि शोध संस्थान के कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व राष्ट्रपति कोविंद

छात्रों के बीच पूर्व राष्ट्रपति

चुनार। क्षेत्र के रामबाग मोहल्ले में सुरभि शोध संस्थान के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 12.45 बजे पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने गोवर्धन गौशाला जाकर गौ पूजन किया। कार्यक्रम हाल में विभिन्न प्रांत के बच्चों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। पदाधिकारी कृष्ण कुमार खेमका ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। खेमका ने राष्ट्रपति का परिचय देते हुए उनके बारे में बताया कि राष्ट्रपति बहुत गरीबी में पले बढ़े हैं। 8 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाते थे और 8 किलोमीटर चलकर पैदल घर आते थे। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था द्वारा किए जा रहे समाज सेवा के विभिन्न कार्य सर्वोत्तम हैं। आगे बढ़ने के लिए शिक्षा जरूरी है। हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों को यूरिया फर्टिलाइजर पद्धति से खेती की उपज कम होता है आप लोग ऑर्गेनिक खेती अपनाएं। प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया। प्राकृतिक खेती जहां स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है वही उपाय दोगुने के बजा 3 गुना हो सकेगा। पूर्व राष्ट्रपति ने संस्था द्वारा संचालित बनवासी छात्रावास के विभिन्न प्रांतों मणिपुर मेघालय मिजोरम के बच्चों द्वारा नृत्य कार्यक्रम देखा। उनके साथ सामूहिक फोटो भी खींचवाया। इस दौरान केशव जलन भागीरथ जालान जटाशंकर, अशोक कुमार अग्रवाल, अमित चतुर्वेदी, कमिश्नर डॉ. मुथुक कुमार स्वामी, डीआईजी आरपी सिंह, सीडीओ बी एस लक्ष्मी, एडिशनल एसपी ओमप्रकाश सिंह, एसडीएम नवनीत सेहरा व तहसीलदार नूपुर सेन सिंह सहित कई थाने की पुलिस फोर्स मौजूद रही।

सुभाष मिश्रा बने निर्विरोध अध्यक्ष

पदाधिकारियों का माल्यार्पण करते ग्रामीण

जनसंदेश न्यूज

मड़िहान। क्षेत्र के पथरौर सहकारी संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव शुक्रवार को सम्पन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष पद के लिए सुभाष मिश्र व उपाध्यक्ष हेतु रामरक्षा पटेल निर्विरोध चुने गये। निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। क्षेत्र के रैकल गांव निवासी हौशिला प्रसाद मिश्र के छोटे पुत्र सुभाष मिश्र द्वारा शुक्रवार को नामांकन किया गया जहां अध्यक्ष पद हेतु इकलौता नामांकन होने के चलते चुनाव अधिकारी द्वारा निर्विरोध अध्यक्ष पद पर घोषित कर दिया गया।

चुनाव

समर्थकों ने मनाया जीत का जश्न

निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर क्षेत्र के लोगों ने माला पहनाकर व एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर कर बधाई व शुभकामनाएं दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष बनने के बाद सुभाष मिश्र ने सभी समर्थकों व शुभचिंतकों एवं चुनाव अधिकारी के साथ साथ सुरक्षा में लगे पुलिस बल के लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों द्वारा मिले अपार स्नेह का आजीवन आभारी रहूँगा। जिम्मेदारी का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करूंगा।

कहा कि क्षेत्र के लोगों ने मेरे ऊपर विस्वास जताया उसके लिए सभी को हृदय से धन्यवाद व भरोसा दिलाया कि सभी क्षेत्रवासियों के सुख - दुःख में साथ खड़ा मिलूंगा। बधाई देने वालों में संतोष तिवारी, रामेश्वर प्रसाद मिश्र, मनीष पाण्डेय, दिनेश मिश्र, सुनील गौड़, अनिल पाण्डेय, अभय तिवारी, दुर्गेश सिंह समेत सैकड़ों लोग रहें।

अध्यक्ष पद से अनिल कुमार निर्वाचित

जमालपुर। साधन सहकारी समिति पर शुक्रवार को सहकारी संघ जमालपुर की निर्वाचन प्रक्रिया का चुनाव पुलिस की कड़ी सुरक्षा में सम्पन्न हुआ जिसमें जीत की घोषणा चुनाव अधिकारी रामेश्वर प्रसाद द्वारा कर दी गई। जहां चुनाव को लेकर समिति पर सुबह से ही लोगों की चहल पहल रही। अध्यक्ष पद से अनिल कुमार गुड्डू निवासी गोगहरा व उपाध्यक्ष के लिए शिवदास सिंह निवासी बहुआर को निर्विरोध चुना गया। जिसका लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान डीसीएफ अजय कुमार सिंह, नवमी सिंह, रामलाल, उपभोक्ता भंडार प्रिती सिंह, विनय कुमार, क्रय विक्रय अजय, बिरजू वहीं बैंक से संगीता पटेल सहित किसान सुरेन्द्र सिंह, राजकुमार तिवारी, सुभाष चन्द्र मौजूद रहे।

विंध्य महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में अंतिम दिन कलाकारों ने बांधा समां

मीरजापुर। विंध्याचल में चैत्र नवरात्रि मेला-2023 में नवमी के अवसर पर जहां आस्थावानों की लाखों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी थी। वहीं जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के विशेष पहल पर आयोजित विंध्याचल के रोडवेज परिसर में चल रहे विंध्य महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम में अंतिम दिन सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में लोकप्रिय लोकगीत गायकों ने समां बांध लोगों की खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दिव्या मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएसअपर डीएम वि./रा. शिव प्रताप शुक्ल, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी नीरज पटेल ने संयुक्त रुप से मां विंध्यवासिनी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात सुभाष झांकी ग्रुप के कलाकारों ने शिव तांडव, भक्त हनुमान जी के सिंदूर लगाने के प्रसंग का सुंदर झांकी प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। कलाकारों ने हनुमान भजन के रूप में समाई-समाई मेरे मन में भक्ती है समाई... प्रस्तुत कर लोगों को राम भक्त हनुमान के जीवन दर्शन का दर्शन कराया। लोकगीतों के क्रम को आगे बढ़ाते हुए मीरजापुर की सरनाम कजरी को विदेशों तक पहुंचाने वाली कजरी स्वर कोकिला उर्मिला श्रीवास्तव ने निमिया के डाली मैया डालेनी झुलनवा हो..... प्रस्तुत को संगीत संध्या कार्यक्रम को गति दिया। इसी क्रम में लोक कलाकार डाक्टर मन्नू यादव (चंदौली) छंद और चैती गीत के माध्यम से विलुप्त होती लोक परंपराओं को समझते हुए लोगों को लोकगीत परंपरा संस्कृति के बारे में विस्तार से अवगत कराया, साथ ही उन्होंने बगावत के बल पर बैरागी बनके कुशासन को तेरे कुचलते रहेंगे। सुनाकर लोगों को भावविभोर कर दिया। इसी कड़ी में उन्होंने कचैड़ी गली सून कइला बलमू, अऊर मिजार्पुर के कईला गुलजार हो...... सुना कर मिजार्पुर की लोकप्रिय कजरी को जीवंत किया है। लखनऊ से पधारी लोकगीत गायिका संजू सिंह ने मोरी मईया विंध्याचल वाली तेरी महिमा है निराली.... सहित कई लोकगीत एवं देवी गीतों की प्रस्तुति का लोगों को भक्ति भाव में झूमाया।

कार्यक्रम समापन के पश्चात डीएम दिव्या मित्तल द्वारा मेला क्षेत्र की संपूर्ण व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान एवं सहयोग प्रदान करने वाले सभी सेक्टर, जोनल प्रभारी, सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर एवं माता विंध्यवासिनी की चुनरी भेंट कर उनका सम्मान करते हुए उनके अतुल्यनीय योगदान एवं मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर डीएम दिव्या मित्तल, अपर डीएम वि./रा. शिव प्रकाश शुक्ल, मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, सहित सभी विभागों की अधिकारी एवं संबंधित लोग मौजूद रहे।

आयोजन

शिव तांडव, भक्त हनुमान के सिंदूर लगाने के प्रसंग की सुंदर झांकी प्रस्तुत कर लोगों का मोहा मन

बदले की भावना से काम कर रही है देश की भाजपा सरकार : पूर्व विधायक

पत्रकार वार्ता में लगाया आरोप, कहा देश की जनता सब जानती है समय पर देगी जबाब

पत्रकारों को संबोधित करते पूर्व विधायक

मीरजापुर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता समाप्त होने के बाद जिला कार्यालय पर छानबे के पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने पत्रकार वार्ता कर भाजपा पर हमला बोला। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि देखिए सदस्यता की कोई चिंता नहीं है। आरोप बेबुनियाद लगाया गया है। जिन लोगों का नाम लिया है उन लोगों ने कोर्ट में कोई मुकदमा दाखिल नहीं किया। दूसरे ने याचिका दाखिल कर पिछड़ों के अपमान आरोप लगाया है वह निराधार है। जो मुकदमा दाखिल किया है वह खुद बयानहल्फी देकर कहा कि हम पिछड़े वर्ग से नही है। पिछड़े वर्ग की आप बात कर रहे हैं। पिछड़ों का आरक्षण नहीं दिया तो क्या हुआ। पिछड़े वर्ग का विषय नहीं था। अगर मैं यह कह दूं कि गांधी जी को आपने मरवाया। गांधीजी क्या सवर्ण थे। वह पिछड़े नहीं थे, या लोगों को पिछड़े के नाम पर क्यों गुमराह कर रहे हैं। हम चोरों की बात कर रहे हैं। चोरों की कोई जाति होती है क्या। बहुत सारे लोगों की सदस्यता गई। जिन्होंने अपराध किया था, उनकी सदस्यता गई। यहां पर गांव में कहावत है. ककड़ी के चोर को कटारी से नहीं मारा जाता। पत्रकार वार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष, राजन पाठक के अलावा काफी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे।

राम भक्ति में डुबा नगर, चहुंओर रही जय श्रीराम की गूंज

शोभायात्रा में शामिल मनोज तिवारी

शोभा यात्रा में 5 लाख से अधिक भक्त हुए शामिल

डीजे की धुन पर थिरके भक्त

मीरजापुर। दशरथ नंदन मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर नगर में प्रदेश का विशाल भव्य शोभायात्रा पूरी शानों शौकत के साथ निकाला गया। यात्रा में भगवा परिधान और पगड़ी बांध कर युवाओं का जत्था पूरे माहौल को भक्तिमय बना रहा था। विंध्य धाम में शक्ति की साधना करने वाले भक्त राम नवमी पर राम की भक्ति में मग्न हो उठे। नगर के प्रमुख मार्गो को भगवा पताका से सजाया गया था। हर 100 - 150 मीटर की दूरी पर साउंड बाक्स लगाने की होड़ देखी गई। लाउड स्पीकरों पर बज रहे भजन भगवान श्रीराम का गुणगान कर रहे थे। भक्ति गीतों की गूंज से पूरा नगर राममय हो गया। विशाल शोभायात्रा संगमोहाल से आरम्भ हुई। जो कटरा कोतवाली, कच्ची सड़क, रतनगंज, तेलियागंज, डंकीनगंज चौराहा, पक्की सराय, घंटाघर, बसनहीं बाजार, धुन्धी कटरा, गुड़हट्टी चौराहा, मुकेरी बाजार, लालडिग्गी, गणेशगंज भैंसहिया टोला होते संगमोहाल हनुमान मंदिर पर जाकर सम्पन्न हुई। दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि यह महज शोभायात्रा नहीं बल्कि गौरव यात्रा है, 500 वर्ष तक चले संघर्ष के बाद भगवान श्रीराम का मन्दिर लगभग बन चुका है। फरवरी 2024 से लोग मंदिर में दर्शन कर पायेंगे। उन्होंने सीताराम सीताराम भजन के साथ ही मंदिर अब बनने लगा है गाकर लोगों को अपने संस्कार संस्कृति के रंग में डुबकी लगवाया। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र शुक्ल, यात्रा समिति अध्यक्ष अनिल बरनवाल, संतोष गोयल, शिखा अग्रवाल, संतोषी निषाद आदि ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजन रविशंकर साहू एवं कार्यक्रम प्रभारी मनोज दमकल ने आभार प्रगट किया। यात्रा में सर्व व्यवस्था प्रमुख महेश तिवारी, मंत्री विनय मिश्रा अंकज, कोषाध्यक्ष राज माहेश्वरी, बजरंग दल संयोजक प्रवीण मौर्य, सह संयोजक शिवांशु सिंह, सुरक्षा प्रमुख गोपाल केसरवानी, सह सुरक्षा प्रमुख पवन उमर प्रमुख रूप से शामिल थे।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम की निकली शोभायात्रा

चुनार में यात्रा निकालते लोग

चुनार। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के अवतरण दिवस के पावन दिवस 'श्री राम नवमी' के दिन नगर में स्थित श्री राघव मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गंगेश्वर नाथ स्थित श्री राघव मंदिर से निकल कर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः श्री राघव मंदिर पर आकर समाप्त हुई। शोभायात्रा यात्रा के दौरान लोगों द्वारा अपने अपने छत से फूलों की वर्षा की गई। जय श्री राम के नारे से समूचा नगर गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा में गौरी नाथ दीक्षित, बचाऊ लाल सेठ, संजय साहू, सुजीत यादव, विवेक सिंह, तिलक जायसवाल, पंकज सेठ, अमित सेठ, राजन सेठ, विजय कुमार वर्मा, राजू यादव, ज्योति सिंह, राजेश, राजेंद्र, कृष्णा, अंशमान, अखिलेश, शिवकुमार, आशीष, आशुतोष, राजेश सहित बड़ी संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

कैदियों के खानपान व स्वास्थ्य पर रखें नजर : जिलाधिकारी

जेल का निरीक्षण कर वापस आते अधिकारी

मीरजापुर। जिला न्यायाधीश, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। शनिवार को जिला न्यायाधीश अनमोल पाल, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला कारागार के बैरक, भोजनालय, जिला जेल परिसर व अस्पताल का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान कोई आपत्तिजनक वस्तु/बात प्रकाश में नहीं आयी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने जेल अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मौसम को देखते हुए साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था की जाए। जिला कारागार बैरक में सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए। जेल में बंद कैदियों के भोजन में गुणवत्ता रखी जाए और भोजनालय में भी साफ सफाई की व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए। जिला जेल परिसर एवं अस्पताल का निरीक्षण कर मौके पर मौजूद डाक्टरों को निर्देश दिया समय-समय पर सभी कैदियों का चेकअप निरीक्षण किया जाता रहे ताकि उनको बीमारी और सीजनल वायरल से बचाया जा सके। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए जाएं। जेल में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उक्त निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ल, जिला कारागार अधिकारी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहें।

स्पोर्ट्स

नस्लवादी टिप्पणी करने के मामले में मुझे बरी कर दिया गया : माइकल वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान माइकल वॉन ने शुक्रवार को कहा कि एक अनुशासनात्मक पैनल ने उन पर लगे नस्लवाद के आरोपों को खारिज कर दिया है। वॉन पर आरोप लगा था कि उन्होंने 2009 में यॉर्कशर टीम के एशियाई मूल के खिलाड़ियों के समूह के प्रति नस्लीय टिप्पणी की थी। इंग्लैंड क्रिकेट के सबसे सफल क्लब यॉर्कशर के पूर्व खिलाड़ी अजीम रफीक ने 2020 में सार्वजनिक रूप से कहा था कि 2008 से 2018 के बीच उन्हें दो बार नस्लीय उत्पीड़न और धमकी का सामना करना पड़ा था। रफीक ने कई आरोप लगाये थे जिसमें वॉन का नाम भी शामिल था। रफीक के मुताबिक इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने एक टी20 मैच के दौरान उनके और एशियाई मूल के अन्य खिलाड़ियों पर निशाना साधते हुए कहा था आप लोगों की संख्या काफी बढ़ गयी है, हमें इस पर कुछ करने की जरूरत है।

आईपीएल का आगाज: अरिजीत के गाने पर झूमे धोनी-हार्दिक, तमन्ना और रश्मिका की ग्लैमरस परफॉर्मेंस

नाटू-नाटू पर थिरकीं मंदाना, तमन्ना ने गुजरात टाइटंस के लिए किया परफार्म, अरिजीत के गानों ने बांधा समां, झूम उठे खिलाड़ी और दर्शक

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 के उद्घाटन समारोह में सबसे पहले गायक अरिजीत सिंह ने परफॉर्म किया। उन्होंने राजी फिल्म के गाने 'ऐ वतन मेरे वतन' गाने से समा बांध दिया। इसके बाद उन्होंने 1983 फिल्म के गाने 'लहरा दो' और ब्रम्हास्त्र के गाने 'केसरिया तेरा इश्क है पिया' से सभी फैंस का दिल जीत लिया। उन्होंने चन्ना मेरे, कबीरा, अपना बना ले पिया, तुझे कितना चाहने लगे हम, झूमे जो पठान, शिवा, हां मैं गलत, प्यार होता कई बार है, तेरे प्यार में, घुंघरू टूट गए, राबता, इलाही, हवाएं, देवा-देवा, इंडिया जीतेगा गाना भी गाया। इस दौरान हार्दिक पांड्या भी अरिजीत के गाने पर डांस करते दिखे।

तमन्ना भाटिया ने तेलगू फिल्म एनिमी के गाने टम टम पर परफॉर्म किया। इसके बाद उन्होंने डिजायर, ऊ अंटावां गाने पर भी परफॉर्म किया। तमन्ना भाटिया ने गुजरात टाइटंस की टीम के लिए परफॉर्म किया। रश्मिका मंदाना ने दक्षिण भारतीय फिल्म के गाने पर चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए परफॉर्म किया। इसके बाद उन्होंने श्रीवल्ली, नाटू नाटू गाने पर भी अपनी परफॉर्मेंस दी। चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और गुजरात टाइटंस के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी मंच पर आए। दोनों ने टॉस से पहले आईपीएल 2023 की ट्रॉफी के साथ पोज किया। ओपनिंग सेरेमनी शुरू होने से पहले ही स्टेडियम के बाहर दर्शक अपनी टीमों को सपोर्ट करने के लिए पोस्टर्स लेकर पहुंचे थे ।

सेरेमनी में शामिल नहीं हुए सभी कप्तान : टूनामेंट के होम और अवे फॉर्मेट में होने के कारण सभी 10 टीमों के कप्तान ओपनिंग सेरेमनी में शामिल नहीं हुए। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी ही सेरेमनी में मौजूद रहे। ओपनिंग सेरेमनी के बाद इन्हीं दोनों टीमों के बीच शाम 7:30 बजे से टूनामेंट का पहला मैच भी खेला जाएगा। मैच से एक दिन पहले 9 टीमों के कप्तानों ने ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाई। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा बीमारी के कारण नहीं आ सके। मैच से एक दिन पहले 9 टीमों के कप्तानों ने ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाई। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा बीमारी के कारण नहीं आ सके।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को छह विकेट से हराया, 2-0 से जीती वनडे सीरीज

वेलिंगटन। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विल यंग की 86 रन की नाबाद पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के आखिरी एकदिवसीय में श्रीलंका को 103 गेंद शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी। यंग ने 113 गेंद में 11 चौके जड़ित नाबाद पारी के दौरान हेनरी निकोल्स (नाबाद 44) के साथ पांचवें विकेट के लिए 100 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को श्रृंखला में 2-0 की जीत दिला दी। न्यूजीलैंड ने श्रृंखला के पहले मैच को 198 रन से जीता था जबकि दूसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। शुक्रवार को श्रीलंका की पारी को 41.3 ओवर में 157 रन पर समेटने के बाद न्यूजीलैंड ने 32.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने भी दूसरे ओवर में छह रन पर दो विकेट गंवा दिये थे। लहिरू कुमारा (39 रन पर दो विकेट) ने चैड बॉवेस (एक रन) और टॉम ब्लंडेल (चार रन) के विकेट चटकाकर श्रीलंका अच्छी शुरूआत दिलायी। सातवें ओवर में कासुन रजिता (44 रन पर एक विकेट) ने जब डेरिल मिचेल (छह रन) को चलता किया तब टीम का स्कोर 21 रन था। श्रीलंका के कप्तान दासून शनाका (25 रन पर एक विकेट) ने 15वें ओवर में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम (आठ रन) को बोल्ड कर टीम की उम्मीदें कायम रखी। इसके बाद हालांकि यंग को निकोल्स के रूप में अच्छा साथी मिला और दोनों ने संभलकर खेलने के बाद आक्रामक रूख अपनाया। निकोल्स ने चमिका करूणारत्ने की गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। श्रृंखला के पहले एकदिवसीय में महज 76 रन पर आउट होने वाली श्रीलंका की टीम ने एक बार फिर खराब शुरूआत की। टीम ने आठवें ओवर में 18 रन तक तीन विकेट गंवा दिये।

आईपीएल 2023 का पहला विकेट लेकर शमी ने अपना शतक किया पूरा

ओपनिंग मैच में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच मैच में बना रिकार्ड

नई दिल्ली । आईपीएल 2023 के ओपनिंग मैच में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में गुजरात टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने आई सीएसके टीम को पारी के तीसरे ओवर में ही बड़ा झटका लगा। बता दें कि गुजरात टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सीएसके के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे का विकेट लेकर एक खास उपलब्धि हासिल की। शमी ने ये विकेट लेकर अपने आईपीएल करियर के 100 विकेट पूरे कर लिए।

दरअसल, पहले मुकाबले में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी टीम का खाता पारी के तीसरे ओवर में ही खोला। बता दें कि सीएसके टीम की पारी के तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे शमी का शिकार बने। उन्होंने खतरनाक गेंद डाली, जो सीधा अंदर आई और स्टंप में जा लगी। इस बॉल को बल्लेबाज ने ड्राइव करने का प्रयास किया, लेकिन स्विंग गेंद के कारण गेंद सीधा स्टंप से टकराई और कॉन्वे क्लीन बोल्ड हुए। इस दौरान कॉन्वे मात्र 1 रन बनाकर ही पवेलियन लौटे। इस विकेट के साथ ही शमी ने अपने आईपीएल करियर के 100 विकेट पूरे किए। मोहम्मद शमी आईपीएल में 100 और उससे ज्यादा विकेट लेने वाले 19वें खिलाड़ी बने। वहीं, आईपीएल इतिहास में 100 विकेट लेने के मामले में शमी 15वें भारतीय खिलाड़ी बने।

चोट और विदेशी खिलाड़ियों की कमी से जूझ रहे केकेआर के सामने पंजाब किंग्स की चुनौती

मोहाली। चोट और कुछ विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता से परेशान पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीमें जब शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अपने शुरूआती मुकाबले के लिए शनिवार को यहां मैदान पर उतरेंगी तो उनका लक्ष्य सत्र को जीत के साथ शुरू करने का होगा। आईपीएल में इन दोनों टीमों के पास हमेशा दमदार खिलाड़ी रहे है लेकिन मैदान पर उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। पंजाब किंग्स को अब भी अपने पहले खिताब का इंतजार है जबकि केकेआर की टीम गौतम गंभीर की अगुवाई में दो बार चौम्पियन रही है। पिछले सत्र में 10 टीम के मुकाबले में पंजाब छठे और केकेआर सातवें पायदान पर था। इस सत्र में दोनों टीमों का नेतृत्व नये कप्तान करेंगे। अनुभवी शिखर धवन पंजाब की कमान संभालेंगे, वहीं केकेआर ने चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह घरेलू स्टार नीतीश राणा पर भरोसा जताया है। कागजों पर केकेआर के मुकाबले पंजाब की टीम थोड़ी अधिक मजबूत दिख रही है जिसे घरेलू मैदान का भी फायदा मिलेगा। टीम को हालांकि इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो की कमी खलेगी। बेयरस्टो चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गये है। फ्रेंचाइजी ने बेयरस्टो की जगह बिग बैश लीग में सत्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे मैथ्यू शॉर्ट को टीम में शामिल किया है।

उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया का यह बल्लेबाज धवन के साथ पारी का आगाज करेगा। लियाम लिविंगस्टोन (चोटिल) और कागिसो रबादा (राष्ट्रीय टीम के साथ) शुरूआती कुछ मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे जिससे पंजाब किंग्स की लय प्रभावित हो सकती है। टीम ने हालांकि हरफनमौला सैम कुरेन पर 18 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च किए है जो गेंद और बल्ले से प्रभावी प्रदर्शन करने के लिए जाने जाते है। टीम के पास जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा का भी विकल्प होगा जो बल्ले से शानदार लय में है और ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते है। अर्शदीप सिंह के अलावा टीम के पास कोई प्रभावशाली भारतीय तेज गेंदबाज भी नहीं है। ऐसे में कोच ट्रेवर बेलिस को ऋषि धवन और लेग स्पिनर राहुल चहर से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम भी अपने कोच चंद्रकांत पंडित पर काफी निर्भर करेगी जो बेहद कुशल रणनीतिकार हैं और नियमित कप्तान अय्यर की गैरमौजूदगी में राणा पर उनकी योजनाओं को लागू करने का दारोमदार होगा। टीम को शुरूआती मैच में राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और लिटन दास का साथ नहीं मिलेगा ऐसे में केकेआर का प्रदर्शन काफी हद तक आंद्रे रसेल और सुनील नारायण की वेस्टइंडीज की जोड़ी पर निर्भर करेगा। टीम के पास डेविड वाइसी और वेंकटेश अय्यर के रूप में पास अन्य स्तरीय ऑलराउंडर हैं। शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी अगर टीम के लिए चिंता का विषय है तो केकेआर के पास मजबूत गेंदबाजी इकाई है। उमेश यादव तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे जबकि शारदुल ठाकुर और टिम साउथी उनका साथ देंगे। शाकिब, नारायण और वरुण चक्रवर्ती स्पिन विभाग में जिम्मेदारी संभालेंगे।

फैशन इवेंट में पति विराट संग रोमांटिक हुई अनुष्का शर्मा, लूटी महफिल

नई दिल्ली। मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित डायर फैशन गाला में बॉलीवुड के कई सितारे ने हिस्सा लिया। वहीं भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी इस इंवेट में शामिल हुए।

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अक्सर एक साथ रोमांटिक अंदाज में सोशल मीडिया पर मोमेंट्स शेयर करते रहते हैं। कभी एक दूसरे का हाथ थामकर तो कभी एक दूसरे के साथ मस्ती करते हुए। हाल ही में दोनों मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित डायर फैशन गाला में नजर आए हैं।

फोटो में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा काफी खूबसूरत लग रहे हैं। कपल ने फोटोशूट के लिए अलग-अलग तरह के पोज दिए। सोशल

मीडिया पर कपल की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं, पोस्ट पर फैंस भी अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

इस दौरान अनुष्का येलो लॉन्ग ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने बालों को कर्ल कर खुला रखा हुआ है। एक्ट्रेस ने अपना लुक ग्लोसी मेकअप और हाथ में छोटा सा मैचिंग पर्स लेकर पूरा किया है।

वहीं विराट कोहली इस दौरान सूट-बूट में नजर आए है। जो काफी ज्यादा हैंडसम लग रहे थे। इस बार विराट ने खुद को मूंछो के साथ नया लुक दिया है। इन फोटोज पर रिस्पॉन्स करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'क्या बात है भैया.. काफी कूल लग रहे हो आईपीएल 2023 से पहले फोटोशूट् करवा रहे हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों के पास ऑस्ट्रेलिया को परेशान करने की काबिलियत : रॉस टेलर

दुबई। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने सात से 11 जून तक लंदन के 'द ओवल' में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल पर कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के पास ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी करने का माद्दा है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के विजेता टेलर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में भी भारतीय तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ा सकते है। टेलर ने आईसीसी की वेबसाइट से कहा, आप जब भी इंग्लैंड में खेलते हो तो परिस्थितियां और मौसम अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, जब भी आप ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच तटस्थ मैदान में खेलने के बारे में सोचते हैं, तो तेज गेंदबाजों की भूमिका बड़ी हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज 'ड्यूक' गेंद से गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं और उनके पास काफी अनुभव है। उन्होंने हालांकि कहा कि इस मामले में भारत को कम आंकना भी गलत होगा। टेलर ने कहा, मैं इस भारतीय टीम को कमजोर नहीं मानूंगा। पिछले कुछ साल में उन्हें वहां बहुत सफलता मिली है, उनके पास कुछ शानदार तेज गेंदबाज है। भारत में हाल ही में खेले गये बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में स्पिन गेंदबाजों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी लेकिन टेलर को उम्मीद है कि दोनों टीमों के तेज गेंदबाज 'द ओवल' में डब्ल्यूटीसी फाइनल में अहम होंगे। टेलर को भरोसा है कि बुमराह के बिना भी भारत के पास इंग्लैंड की परिस्थितियों में प्रभाव छोड़ने के लिए पर्याप्त विकल्प हैं। उन्होंने कहा, बुमराह जैसे किसी की जगह लेना बहुत मुश्किल है। वह तीनों प्रारूपों में शानदार रहे हैं और उनके गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया को परेशान करने के लिए इस भारतीय टीम में अब भी काफी विकल्प है। (मोहम्मद) शमी और उनके साथी गेंदबाज ऐसी परिस्थितियों में शानदार साबित होंगे। उन्होंने कहा, 'ड्यूक' गेंद से उमेश यादव भी बेहतरीन गेंदबाज है। वह 140 से अधिक की गति से गेंद फेंकते है। भारतीय गेंदबाजों को इंग्लैंड में ड्यूक गेंद से गेंदबाजी करने में मजा आयेगा।

हॉकी इंडिया ने की राष्ट्रीय शिविर के लिए 39 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शनिवार से साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) बेंगलुरू केंद्र में शुरू हो रहे राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 39 सदस्यीय पुरुष कोर समूह की घोषणा की। आम तौर पर राष्ट्रीय टीम का चयन कोर समूह में शामिल खिलाड़ियों में से होता है। यह शिविर यूरोप दौरे से पहले 21 मई तक चलेगा। टीम इसके बाद एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-2023 सत्र के शेष मैचों में बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड और अर्जेंटीना से भिड़ने के लिए यूरोप रवाना होगी। कोर टीम अंतरिम कोच डेविड जॉन, बीजे करियप्पा और शिवेंद्र सिंह को रिपोर्ट करेगी। हाल ही में राउरकेला में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रभावशाली जीत के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 सत्र में तालिका में शीर्ष पर है। कोर समूह में कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार, जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच और दिप्सन तिर्की के अलावा मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरंगथम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मो. राहील मौसीन, मनिंदर सिंह, एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मंजीत, पवन राजभर का नाम शामिल है।

24 घंटे में 3095 कोरोना केस, इस साल सबसे ज्यादा: दिल्ली में एक हफ्ते में तीन गुना केस बढ़े

केजरीवाल बोले- घबराएं नहीं, पूरी तैयारी

नई दिल्ली। देश में लगातार दूसरे दिन 3 हजार से ज्यादा कोरोना मरीज मिले हैं। संक्रमण से 5 मरीजों की मौत भी हुई है। एक्टिव केस बढ़कर 15 हजार 208 हो गए हैं। गुरुवार को 3016 मरीज मिले थे। जबकि पिछले 24 घंटे में यह संख्या 3,095 रही। पिछले 6 महीनों में यह एक दिन में सबसे ज्यादा केस हैं। देश में कोरोना की पहली लहर 2020 से लेकर अब तक इससे हुई कुल मौतों का आंकड़ा 5 लाख 30 हजार 862 हो गया है। बुधवार को महाराष्ट्र में तीन, दिल्ली में दो, हिमाचल में एक और केरल में आठ लोगों की मौत हुई थी। हेल्थ मिनिस्ट्री के शुक्रवार सुबह 8 बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक डेली पॉजिटिविटी रेट 2.73% दर्ज की गई है, जबकि वीकली पॉजिटिविटी रेट

1.71% है।

दिल्ली में पिछले 1 हफ्ते में 3 गुना केस बढ़े हैं। यहां एक हफ्ते पहले हर रोज करीब 100 केस मिल रहे थे। 29 मार्च को 300 मरीज संक्रमित पाए गए जबकि दो मरीजों की मौत हुई थी।

केजरीवाल बोले- घबराने की जरूरत नहीं, पुख्ता इंतजाम

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कोरोना के बढ़ते मामलों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लोगों को घबराने की जरूरत नहीं हैं। यहां पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 15 मार्च को डेली एक्टिव केस सिर्फ 42 थे। यह बढ़कर 30 मार्च को 295 हो गए। अचानक आई इस तेजी को लेकर हम सर्तक हैं। राजधानी में कुल एक्टिव केस 932 हैं।

दिल्ली के अस्पताल कोरोना से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार

इससे पहले गुरुवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कोरोना को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। दिल्ली में कोरोना से निपटने के लिए अस्पतालों की तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है।

केंद्र सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी में 6 राज्यों के बारे में बताया गया है। इनमें महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक शामिल हैं। यह देखा गया है कि महाराष्ट्र में कोरोना के मामले बढ़ने के दो-तीन हफ्ते बाद दिल्ली में भी केस बढ़ने शुरू हो जाते हैं। हालांकि भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के अस्पताल कोरोना से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

देश के डेली केस में 70% हिस्सेदारी 5 राज्यों की

केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में बुधवार को देश के कुल नए मामलों के 70% केस आए हैं। केरल में 686, महाराष्ट्र में 483, गुजरात में 401, दिल्ली में 300 और हिमाचल में 255 नए संक्रमित मिले हैं। महाराष्ट्र में 3 लोगों की मौत हुई। दिल्ली में 2, जबकि हिमाचल प्रदेश में 1 व्यक्ति ने जान गंवाई। केरल और गुजरात में बुधवार को किसी की मौत नहीं हुई।

अडाणी मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछना बंद नहीं करेंगे: कांग्रेस

नागपुर। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह अडाणी मुद्दे को उठाती रहेगी और सरकार को एक न एक दिन उसके प्रश्नों का उत्तर देना होगा। कांग्रेस ने यह सवाल भी किया कि आईपीएल संस्थापक ललित मोदी के ट्विटर पर हाल में दिये गये बयान के पीछे वास्तविक वजह क्या है। कांग्रेस प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिये जाने के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। राहुल को 2019 के एक आपराधिक मानहानि मामले में सूरत की एक अदालत ने दोषी ठहराया और दो साल की सजा सुनाई जिसके बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया। रंजन ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल चुप नहीं रहेंगे और अडाणी मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग करते रहेंगे, भले ही राहुल संसद में हों या नहीं। राज्यसभा सदस्य ने कहा, कांग्रेस न तो चुप रहेगी और न डरेगी। हम भाजपा को उसके मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगे। क्योंकि यह किसी पार्टी का नहीं बल्कि भारत के लोकतंत्र का मुद्दा है।

पिंक बिकिनी पहन श्रीदेवी की लाडली ने दिखाया हॉट फिगर, लोग बोले- शोहरत पाने के लिए ये सब..

मुंबई। श्रीदेवी की लाडली जान्हवी कपूर को लेकर मशहूर है कि वो अपनी तस्वीरें से सोशल मीडिया पर धमाका करती रहती हैं। जान्हवी अपने स्टाइल और अपने अनोखे लुक्स को लेकर हमेशा ही चर्चा में रहती हैं। जान्हवी का स्टाइल इतना प्यारा और शानदार है कि फैंस उनको एक नजर देखते ही दीवाने हो जाते हैं। जान्हवी कपूर ने इस दौरान कुछ तस्वीरें साझा कर दी हैं जिनमें वो बोल्ड लुक में नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होने पिंक कलर की डिजायनर बिकिनी पहनी है और कतई जहर लग रहीं हैं। अभिनेत्री वेर्स्टन और इंडियन दोनों स्टाइल में जान्हवी कितनी प्यारी लगती हैं। इन तस्वीरों की बात करें तो इसमें वो समुंदर में है और पूल पर खड़े होकर पोज देती हुई नजर आ रहीं हैं। इन तस्वीरों के साथ जान्हवी ने लिखा है, "एक अति से दूसरी अति पर।" इसके बाद लोग कई तरह के कमेंट्स उनकी तस्वीर पर कर रहे हैं।

खास खबर

पांच से 30 रुपये तक बढ़ जाएंगे शराब और बीयर के दाम, नई पॉलिसी होगी लागू

लखनऊ। नये वित्तीय वर्ष में शराब और बीयर के दाम बढ़ जाएंगे। एक अप्रैल से देसी शराब के दामों में पांच रुपये प्रति पौव्वा जबकि दो सौ रुपये वाली अंग्रेजी शराब के पौव्वे में भी पांच रुपये का इजाफा होगा। 650 रुपये तक कीमत वाली अंग्रेजी शराब की बोतल में 10 रुपये से लेकर 30 रुपये तक का इजाफा करने की तैयारी है। अंग्रेजी शराब के 150 रुपये तक के पौव्वे के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। इसके अलावा 150 रुपये अधिक कीमत वाली बीयर के दामों में भी दस रुपये तक का इजाफा हो जाएगा। वहीं विदेशी मदिरा के दामों में भी इजाफा होना है। इसके पीछे बढ़ती महंगाई का तर्क दिया जा रहा है।

पूर्व सपा विधायक गोरख पासवान को कोर्ट से राहत नहीं, तीन माह सजा

वाराणसी के एक कोर्ट ने 11 साल पहले इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन रोके जाने के मामले में पूर्व विधायक गोरख पासवान को दोषी पाते हुए उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इस सजा के खिलाफ गोरख पासवान ने अपीलीय अदालत में अपील दाखिल की। बलिया जिले की बेल्थरारोड सीट से पूर्व विधायक गोरख पासवान को 11 साल पुराने एक केस में राहत नहीं मिली है। वाराणसी में विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अवनीश गौतम की अदालत ने गोरख पासवान द्वारा अनधिकृत तौर पर ट्रेन रोकने में तीन माह की सजा के खिलाफ दाखिल अपील खारिज कर दी है। अदालत ने एसीजेएम षष्टम के 8 अगस्त 2022 के निर्णय को पुष्ट करते हुए अभियुक्त को संबंधित अदालत ने सात अप्रैल को हाजिर होने का आदेश दिया है। अभियोजन का पक्ष एडीजीसी विनय सिंह ने रखा। अपीलीय अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया जिसमें कहा गया हो कि उसने जनता को नहीं भड़काया।

ट्रोलर्स के निशाने पर सीएम भूपेश

बेरोजगारी भत्ता पर यूजर्स बोले- भीख नहीं भर्ती चाहिए, भाषण से नहीं भरता पेट

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने अपने वित्त बजट में प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2500 रुपए बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी। अब उनकी इस घोषणा पर अमल होना शुरू हो गया है। एक अप्रैल से छत्तीसगढ़ सरकार बेरोजगारी भत्ता देगी। प्रदेश के युवाओं से किए गए अपने वादे के अनुरूप सीएम भूपेश ने आज ऐलान करते हुए कहा कि राज्य सरकार एक अप्रैल से बेरोजगारी भत्ता देने जा रही है। इसे लेकर प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने आज शुक्रवार को दो ट्वीट कर लिखा कि 'हमारा हाथ, युवाओं के साथ। छत्तीसगढ़ के शिक्षित युवाओं को 1 अप्रैल से 2500 रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने का आदेश जारी किया गया है।' 'पंजीयन में सुगमता के लिए यह निर्णय लिया गया है कि अप्रैल माह में किसी भी दिन किए गये आवेदनों पर, घोषणा अनुसार, भत्ता 1 अप्रैल से ही देय होगा। मुख्यमंत्री ने फिर दूसरे ट्वीट में लिखा कि आशा है यह भत्ता हमारे युवाओं के स्वावलंबन की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।' राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2500 रुपए बेरोजगारी भत्ता देगी। वहीं बेरोजगार युवकों को स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग भी देगी। उन्हें रोजगार देने में मदद करेगी। बेरोजगारी भत्ता लेने के लिए उम्मीदवार के पूरे परिवार की सालाना आय ढाई लाख रुपए से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने तंज कसते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में कुछ भी उलूल-जुलूल बात करना है। उनमें हिम्मत है तो, नैतिकता है तो, घोषणा पत्र पर भरोसा है तो, जो पंजीकृत हैं, उन सबको बेरोजगारी भत्ता देना चाहिए। विधानसभा में उन्होंने जो कहा उन सभी को देना चाहिए।

हेमंत सोरेन कैबिनेट ने 244 नई बसें खरीदने को दी मंजूरी

रांची। झारखंड सरकार ने रांची शहर में सार्वजनिक परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक समेत 244 नई बसें खरीदने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने कहा, 10 साल के लिए पीपीपी मॉडल पर रांची नगर निगम (आरएमसी) क्षेत्र में शहरी बस संचालन के लिए 605 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। 220 गैर-एसी डीजल सहित 244 बसें खरीदी जाएंगी। इसके अलावा 24 एसी इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जानी हैं। अधिकारी ने कहा कि कैबिनेट ने 44 एजेंडे को सोमवार को मंजूरी दी है। मंत्रिपरिषद ने झारखंड बिल्डिंग बायलॉज 2016 में संशोधन को भी मंजूरी दे दी, जिससे इमारतों में कॉमन टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर सुनिश्चित करना अनिवार्य हो गया। पशुओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 236 मोबाइल पशु चिकित्सा एंबुलेंस क्लीनिक (एमवीएसी) खरीदे जाएंगे। नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (एनआईडी) के तहत सिमडेगा, खूंटी और दुमका के तीन जिलों में पायलट आधार पर इंटरनेट सेवाओं का विस्तार करने के लिए कैबिनेट द्वारा 84 करोड़ रुपये की राशि को भी मंजूरी दी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के जारी बुलेटिन के मुताबिक तीन और चार अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बरसात हो सकती है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, प्रदेश में 24 घंटे में औसतन 2.7 मिमी बरसात रिकार्ड हुई है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते बीते दो दिनों से जारी बरसात और तेज हवा का दौर शनिवार से अगले दो दिनों के लिए थमेगा। इसके बाद फिर दो दिन तक बारिश व तेज हवा के आसार मौसम विभाग जता रहा है। लखनऊ समेत अन्य जिलों में बारिश और ओलावृष्टि हुई।

अकाल तख्त एक्सप्रेस रोजाना चलाने की मांग

राज्यसभा सदस्य व पर्यावरणविद् संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर रखी मांग

चंडीगढ़। राज्यसभा सदस्य व पर्यावरणविद् संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। उन्होंने हावड़ा से तख्त श्री हरमंदिर साहिब (पटना साहिब) तक चलने वाली दो दिवसीय ट्रेन को रोजाना चलाने की मांग की। संसद भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से संक्षिप्त मुलाकात के दौरान संत सीचेवाल ने कहा कि वे बीते दिनों तख्त श्री पटना साहिब में नतमस्तक होने पहुंचे थे, जहां प्रबंधन समिति ने उन्हें एक मांग पत्र सौंपा था। इसमें उन्होंने श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए श्री पटना साहिब से रोजाना अकाल तख्त एक्सप्रेस चलाने और नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन चलाने के लिए केंद्र सरकार से संपर्क करने की मांग की थी। मुलाकात के दौरान संत सीचेवाल ने रेल मंत्री से नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की भी मांग उठाई। संत सीचेवाल ने कहा कि रेल मंत्री ने आश्वासन दिया है कि वे पटना साहिब के तीर्थयात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर विचार करेंगे और जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। संत सीचेवाल ने कहा कि तख्त साहिब की यात्रा के दौरान प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जगजोत सिंह के नेतृत्व में सदस्यों ने उन्हें यह मांग पत्र सौंपा था। यह धार्मिक स्थान खालसा पंथ के संस्थापक श्री गुरुगोबिंद सिंह का जन्म स्थान है। दुनिया भर से सभी धर्मों की लाखों की संख्या संगत यहां प्रतिदिन माथा टेकने और गुरुघर आशीर्वाद लेने आती हैं।

देश की सेवा करना चाहता है बिहार बोर्ड का टॉपर

एनडीए पास कर देश की सेवा करना चाहते हैं टॉपर अशरफ, बताया अपनी सफलता का राज, रुम्मान को बिहार सरकार देगी एक लाख रुपए और लैपटॉप

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने मैट्रिक रिजल्ट जारी कर दिया है। इस बार शेखपुरा के लाल मो. रुम्मान अशरफ ने बाजी मारी है। वह बिहार बोर्ड के टॉपर बने हैं। उनके घर में बधाई देने वालों की भीड़ लग गई। मीडिया से बातचीत करने हुए रुम्मान ने कहा कि बिहार का टॉपर बनकर काफी खुशी मिल रही है। मेरी सफलता में माता-पिता के साथ स्कूल के शिक्षकों का योगदान रहा।

उन्होंने कहा कि सामाजिक विज्ञान मेरा सबसे पसंदीदा विषय है। मैं ठऊ्र पास कर देश सेवा करना चाहता हूं। सफल होने के लिए मैं किताबों का ही सहारा लिया। स्कूल में शिक्षक जो भी बताते, उसे में नोट करता है। दिए गए प्रश्नों का लगातार अभ्यास करता था।

मो. रुम्मान की सफलता से उनके माता-पिता में काफी खुशी है। अभिभावक ने कहा कि मो. रुम्मान अशरफ बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा था। इसकी पढ़ाई में किसी तरह की कोई कमी न हो, इसके लिए हमलोगों ने पूरी कोशिश की। वह आगे चलकर देशसेवा करना चाहता है। इस बार बिहार बोर्ड कक्षा 10वीं का पासिंग पर्सेंटेज कुल 81.4 प्रतिशत रहा है। वहीं मो. रुम्मान ने सबसे अधिक अंक प्राप्त कर अपना परचम बुलंद कर दिया है। रिजल्ट जारी होने के बाद, राज्य के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर ने सभी छात्रों को अगली कक्षा में प्रोन्नति के लिए बधाई दी है। टॉपर को बिहार सरकार की ओर से एक लाख रुपए, एक लैपटॉप और किंडल बुक रीडर दिए जाएंगे।

बता दें कि इस बार बिहार बोर्ड के टॉपर को भौतिक परीक्षण से भी गुजरना पड़ा। बोर्ड ने कुल 90 परीक्षार्थियों को टॉप 10 में रखा है। वहीं टॉप 5 में 21 परीक्षार्थी आए हैं। इसमें शेखपुरा के मो. रुम्मान अशरफ पहले नंबर पर, भोजपुर की नम्रता दूसरे पर और औरंगाबाद की ज्ञानी अनुपमा तीसरे नंबर पर रही।

सिद्धू आज होंगे जेल से रिहा

जेल की सजा काट रहे नवजोत सिद्धू का आचरण देखकर लिया गया फैसला

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व चीफ नवजोत सिंह सिद्धू 1 अप्रैल को रिहा होंगे। सिद्धू के ट्विटर पेज पर शुक्रवार को इसकी जानकारी दी गई। ट्वीट में लिखा है कि वरिष्ठ अधिकारियों ने रिहाई की सूचना दी है। सजा के दौरान कोई छुटटी न लेने का नवजोत सिंह सिद्धू को यह बेनिफिट मिल रहा है। उन्हें रोडरेज केस में 19 मई 2022 को एक साल कैद की सजा सुनाई गई थी। सिद्धू 20 मई 2022 को जेल गए थे। सिद्धू की सजा 19 मई को पूरी हो रही है, लेकिन छुट्टियों के चलते उन्हें पहले ही रिहा कर दिया जाएगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ठउ्रर और संगीन जुर्मों के अलावा एक महीने में सौंपे गए काम और कैदियों के आचरण के आधार पर 4 से 5 दिन की छूट दी जाती है। इसके अलावा कुछ सरकारी छुट्टियों का फायदा भी कैदी को मिलता है। नवजोत सिंह सिद्धू ने पूरी सजा के दौरान एक बार भी छुट्टी नहीं मांगी।

दिसंबर 2022 से ही नवजोत सिंह सिद्धू की रिहाई को लेकर चचार्एं शुरू हो गई थीं। पंजाब कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा सिद्धू के स्वागत की तैयारियों में भी जुट गया। सभी को आस थी कि 26 जनवरी 2023 को नवजोत सिंह सिद्धू रिहा हो जाएंगे। 26 जनवरी की सुबह से ही समर्थक जेल के बाहर पहुंच गए, लेकिन सिद्धू बाहर नहीं आए।

रामनवमी हिंसा पर भाजपा पहुंची कलकत्ता हाईकोर्ट, अमित शाह ने राज्यपाल बोस से की बात

विपक्ष नेता शुभेंदु अधिकारी ने उच्च न्यायालय में हिंसा की घटनाओं के संबंध में जनहित याचिका दायर की

कोलकाता। राम नवमी के अवसर पर शोभा यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हिंसा भड़क गई थी। जिसमें दो समुदाय आमने सामने आ गए थे और जमकर पत्थरबाजी और आगजनी हुई थी। इसके बाद शुक्रवार को फिर हावड़ा में हिंसा की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा भड़क गई और हावड़ा के शिवपुर में पथराव हुआ।

हावड़ा में रामनवमी के मौके पर भड़की हिंसा का केंद्र सरकार ने संज्ञान लिया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने इसे लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार से फोन पर बात की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में जानकारी ली है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल भाजपा ने हिंसा को

लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। राज्य भाजपा ने हाईकोर्ट से हिंसा की एनआइए से जांच कराने की मांग की है। इसके अलावा यह भी सामने आया है कि राज्य भाजपा इकाई के अध्यक्ष से बात करने के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यपाल सीवी बोस से भी बात की है। उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था की जानकारी ली है।

पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में हावड़ा और डालखोला में हिंसा की घटनाओं के संबंध में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसमें ठक्वअ जांच और ऐसे क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती की मांग की गई है। कार्यवाहक न्यायमूर्ति ने जनहित याचिका दायर करने की अनुमति दी और उसे 3 अप्रैल को सूची के शीर्ष पर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया।

अनुराग ठाकुर ने पूछा सवाल

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बंगाल में चुनाव हो या उसके बाद हजारों लोगों के ऊपर पथराव, आगजनी, बम फेंकना ये आम बात बन गई है। ममता बनर्जी के राज में जिस तरह से पत्रकारों पर हमले हुए, रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव हुआ है, इससे ज्यादा शर्मनाक क्या होगा। जो लोग प्रेस की स्वतंत्रता की बात करते हैं वो आज चुप क्यों हैं? गौरतलब है कि राम नवमी के अवसर पर शोभा यात्रा के दौरान पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हिंसा भड़क गई थी। जिसमें दो समुदाय आमने सामने आ गए थे और जमकर पत्थरबाजी और आगजनी हुई थी। इसके बाद आज फिर हावड़ा में हिंसा की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा भड़क गई और हावड़ा के शिवपुर में पथराव हुआ।

हिमाचल में महंगी हुई बिजली, 22 पैसे प्रति यूनिट बढ़े दाम, 1 अप्रैल से लागू

देहरादून। हिमाचल प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को महंगी बिजली का झटका लगा है। शुक्रवार को राज्य विद्युत विनियामक आयोग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए बिजली की नई दरें तय कर दी हैं।

बिजली दरों में 22 पैसे प्रति यूनिट की दर से बढ़ोतरी की गई है। 125 यूनिट से अधिक बिजली की खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 22 पैसे प्रति यूनिट महंगी बिजली मिलेगी। बढ़े हुए दाम 1 अप्रैल से लागू होंगे। कमर्शियल और इंडस्ट्रियल उपभोक्ताओं को कॉन्ट्रैक्ट डिमांड के हिसाब से 22 से 26 पैसे प्रति यूनिट महंगी बिजली मिलेगी। विद्युत विनियामक आयोग ने स्पष्ट किया है कि वाटर सेस का बोझ प्रदेश के उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा।

उत्तराखंड में शुक्रवार को फिर मौसम बदला और प्रदेशभर में बारिश शुरू हो गई। अभी तक बारिश का सिलसिला जारी है। वहीं, भारी बारिश के बाद रामनगर के टेढ़ा गांव के तिलमठ मंदिर के पास एक बस बरसाती नाले में बह गई और पलट गई। बस के बहते ही वहां चीख-पुकार मच गई।

वित्तीय वर्ष के आखिरी दिन बाजार में मजबूत बढ़त, सेंसेक्स 1031 अंक चढ़ा

सेंसेक्स 1,031.43 अंक चढ़कर 58,991.52 अंकों पर बंद हुआ, निफ्टी भी ग्रीन

मुंबई। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में वित्तीय वर्ष 2022-23 के आखिरी दिन मजबूत बढ़त दिखी। इस दौरान सेंसेक्स 1,031.43 (1.78%) अंक चढ़कर 58,991.52 अंकों पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 279.05 अंकों की बढ़त के साथ 17,359.75 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। बाजार में आई इस मजबूती से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा हुआ है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक इंट्राडे में निवेशकों ने करीब 3.4 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। बाजार में आई मजबूती में आईओ और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों का योगदान रहा। एनएसई का निफ्आी

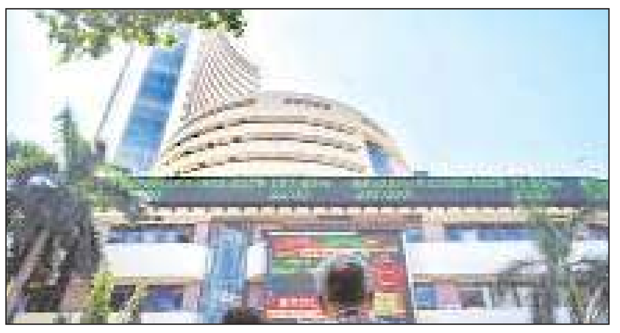

आईटी इंडेक्स 2.45% चढ़कर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी बैंक इंडेक्स 1.7% उछला। बजार में मजबूती को आईआईएल के शेयरों में तेजी से सपोर्ट मिला और कंपनी के शेयर 4.3% की बढ़त के साथ बंद हुए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में 5.977 अरब डॉलर बढ़कर 578.778 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 12.8 अरब डॉलर बढ़कर 572.8 अरब डॉलर हो गया था।

घरेलू शेयर बाजार में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुरूआती तेजी देखी गई। सुबह के समय कारोबार की रफ्तार से निवेशकों ने राहत की सांस ली। फिलहाल सेंसेक्स में 705.26 अंक की बढ़त लेता हुआ दिख रहा है। यह 58,665.35 पर कारोबार कर रहा है। वहीं, निफ्टी में 196.95 अंक की तेजी देखी जा रही है और यह 17,277.65 पर कारोबार कर रहा है। मुंबई। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुझान और रिलायंस इंडस्ट्रीज में भारी लिवाली के चलते शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ खुले। विदेशी पूंजी की आवक से भी शेयर बाजारों में तेजी रही। इस दौरान तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 705.26 अंक बढ़कर 58,665.35 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 196.95 अंक चढ़कर 17,277.65 अंक पर था। सेंसेक्स में, रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रही और इसका शेयर तीन प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, पॉवर ग्रिड, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयर भी लाभ में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एशियन पेंट्स और आईटीसी नुकसान में थे। एशियाई बाजारों में, सियोल, जापान, शंघाई और हांगकांग के बाजार लाभ में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को तेजी के साथ बंद हुए थे। पिछले कारोबारी सत्र में, बुधवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 346.37 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,960.09 अंक पर बंद हुआ था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 129 अंक यानी 0.76 प्रतिशत बढ़कर 17,080.70 अंक पर बंद हुआ था। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.08 डॉलर प्रति बैरल पर था।

एयरटेल और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने की व्हाट्सएप बैंकिंग सेवा शुरू

नई दिल्ली। देश में अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने ग्राहकों को आईपीपीबी ग्राहकों के लिए व्हाट्सएप बैंकिंग सेवा शुरू करने का ऐलान किया, जिससे वे अपने मोबाइल फोन के माध्यम से ज्यादा सुगमता से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था में व्हाट्सएप मैसेजिंग समाधान एयरटेल आईक्यू के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा। ये आईक्यू यानि क्लाउड संचार प्लेटफॉर्म एक सेवा के रूप में काम करेगा, जो ब्रांड को अपने ग्राहकों के साथ आवाज, एसएमएस और व्हाट्सएप चैनलों से जुड़ने में सक्षम बनाता है। एयरटेल दुनिया की पहली टेलीकॉम कंपनी है जो व्हाट्सएप के लिए बिजनेस सर्विस प्रोवाइडर (बीएसपी) के तौर पर काम करता है।

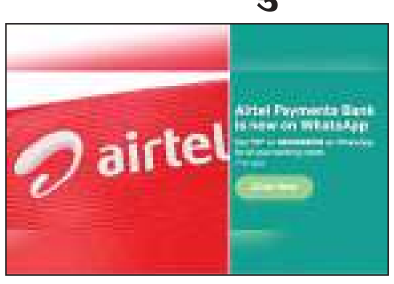

एयरटेल आईपीपीबी ग्राहकों को व्हाट्सएप पर बैंक के साथ निर्बाध रूप से जुड़ने में सक्षम करेगा। इससे ग्राहक न केवल कई बैंकिंग सेवाओं का सहजता से लाभ उठा पाएंगे बल्कि द्वार पर सेवा अनुरोध के साथ साथ निकटतम डाकघर का पता लगाने जैसी तमाम सेवाओं का भी फायदा ले पाएंगे। देश के नागरिकों को उनकी भाषा में डिजिटल और वित्तीय समावेशन लाने की सरकार की महत्वाकांक्षा के अनुरूप, एयरटेल - आईपीपीबी व्हाट्सएप बैंकिंग समाधान भी बहु-भाषा समर्थित समाधान देने की दिशा में प्रयासरत है और आगे काम कर रहे हैं। ये प्रयास विशेष रूप से देश के ग्रामीण भागों में रह रहे उन बैंकिंग ग्राहकों के लिए फायदेमंद होंगे जो अपनी पसंदीदा भाषाओं में बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करना चाहते हैं।

2022-23 की दिसंबर तिमाही में भारतीयों की विदेशी संपत्ति बढ़ी

नई दिल्ली। 2022-23 की तीसरी तिमाही के दौरान भारतीयों की विदेशी संपत्ति बढ़ी, जिसका मुख्य कारण आरक्षित संपत्ति में 30 अरब डॉलर की वृद्धि है, जो पहले चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 56.5 अरब डॉलर कम हो गई थी।2022-23 की तीसरी तिमाही के दौरान आरक्षित संपत्ति भारत की अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संपत्ति का 64.3 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर अवधि के लिए भारत की अंतर्राष्ट्रीय निवेश स्थिति के अनुसार, भारत में अनिवासियों के शुद्ध दावों में अक्टूबर-दिसंबर 2022 के दौरान 12 बिलियन डॉलर की गिरावट आई और यह 374.5 बिलियन डॉलर रहा। भारतीयों की विदेशी देनदारियों (16.7 बिलियन डॉलर) में वृद्धि की तुलना में शुद्ध दावों में कमी भारतीय निवासियों की विदेशी वित्तीय संपत्तियों (28.7 बिलियन डॉलर) में अधिक वृद्धि के कारण थी। आंकड़ों में कहा गया है कि भारत की विदेशी देनदारियों में वृद्धि के लिए व्यापार ऋण और ऋण प्राथमिक योगदानकर्ता थे।

नई विदेश व्यापार नीति जारी, 760 से 770 बिलियन डॉलर के निर्यात का अनुमान

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को विदेश व्यापार नीति 2023 का अनावरण किया। ये नई विदेश व्यापार नीति एक अप्रैल से लागू हो जाएगी। इस दौरान सरकार ने बताया है कि जीडीपी में ग्रोथ सात फीसदी रहने वाली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष 760 से 770 बिलियन डॉलर तक का निर्यात हो सकता है। पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2022-23 में 25 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। सरकार का उद्देश्य ये भी है कि साल 2030 तक निर्यात का ये आंकड़ा दो ट्रिलियन डॉलर से अधिक किया जाए। नई विदेश व्यापार नीति को इंसेंटिव रिजीम से रिमीशन रिजीम की तरफ ले कर जाने का प्रयास किया गया है। लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम के लिए आवेदन शुल्क को 50-60% कम किया गया है। निर्यात की मान्यता के लिए थ्रेशोल्ड को कम किया गया है। सबसे खास यह है कि भारतीय रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा।

खासतौर पर उन देशों से जो डॉलर की कमी या फिर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। नई विदेश व्यापार नीति में 39 टाउंस आफ एक्सीलेंस में चार नए शहरों को जोड़ा गया है। इसमें फरीदाबाद, मुरादाबाद, मिर्जापुर और वाराणसी शामिल है। कोरोना के चलते 2020 के बाद अब जाकर नई विदेश व्यापार नीति लाई गई है। ये नीति अगले पांच साल के लिए होगी। डीजीएफटी संतोष सारंगी ने कहा कि इस पॉलिसी के जरिए निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वहीं ओडीओपी के लिए विशेष प्रयोजन किया जाएगा। इसके अलावा ई कॉमर्स, नए एक्सपोर्ट हब तैयार किए जाएंगे। कंपिटेटिव और क्वालिटी एक्सपोर्ट प्रमोशन के लिए इन्सेंटिव भी देने का प्रावधान किया गया है। अलग से एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का गठन किया जाएगा। इसके अलावा एसइजी को अपग्रेड और मोडिफाई कर 'देश' (डेवलपमेंट आफ इंटरप्राइज एंड सर्विसेज हब) बनाया जाएगा। नई विदेश व्यापार नीति के तहत पहले चरण के लिए 2200-2500 करोड़ की योजना तैयार की गई है। मंत्रालय इसको बढ़ावा देने के लिए रोडमैप तैयार कर चुका है। हर जिले में एक्सपोर्ट हब बनाया जाएगा। निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से हर जिले में एक्सपोर्ट प्रमोशन कमिटी बनाई गई है। डीजीएफटी संतोष सारंगी ने कहा कि नई नीति के आने से एमएसएमईस के विकास में भी क्रांतिकारी बदलाव होंगे। सरकार कई देशों से ट्रेड एग्रीमेंट्स कर रही है।

लार्सन एंड टूब्रो को मिले घरेलू बाजार में कई ईपीसी परियोजनाओं के ठेके

नई दिल्ली। निर्माण क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टूब्रो ने शुक्रवार को घोषणा की कि घरेलू बाजार में उसे कई अहम परियोजनाओं के ठेके मिले हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसके ऊर्जा पारेषण एवं वितरण व्यवसाय को इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के लिए कई घरेलू ठेके मिले हैं।

ये ठेके 1,000 करोड़ रुपये से 2,500 करोड़ रुपये तक के हैं। ये परियोजनाएं गुजरात के कच्छ क्षेत्र में खावडा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क में 765 किलोवॉट और 400 किलोवॉट के गैस-इंसुलेटेट उपकेंद्र की स्थापना करने की हैं।

आंध्र प्रदेश के कुरनुल जिले में इसी तरह का उपकेंद्र स्थापित करने का भी एक ठेका कंपनी को मिला है। बयान में जानकारी दी गई कि कंपनी को राजस्थान की एक बिजली वितरण कंपनी के लिए वितरण अवसंरचना के विकास के ठेके भी मिले हैं।

आठ कोर सेक्टर्स का उत्पादन फरवरी में 6 प्रतिशत बढ़ा, पिछले साल की तुलना में सपाट

मुंबई। बुनियादी ढांचा से जुड़े आठ प्रमुख क्षेत्रों के उत्पादन की वृद्धि दर फरवरी में छह प्रतिशत रही। जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में लगभग स्थिर रही, तब यह 5.9 प्रतिशत थी। जनवरी 2023 में कोर सेक्टर्स का उत्पादन 8.9 फीसदी की दर से बढ़ा था।

फरवरी महीने में कच्चे तेल को छोड़कर सभी क्षेत्रों में उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई। फरवरी में कच्चे तेल का उत्पादन 4.9 प्रतिशत घटा।

आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों जिनमें कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र की वृद्धि दर शामिल है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-फरवरी के दौरान 7.8 प्रतिशत रही जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 11.1 प्रतिशत थी। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले कोर सेक्टर की वृद्धि दर का महीने के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर असर पड़ता है।

बजाज ने 'ड्यूरामरीन पंप' की पेशकश की

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख कंज्यूमर एप्लायंसेस ब्रांड, बजाज ने इस गर्मी में कूलर्स की उभरती हुई माँगों को देखते हुए, अपने लेटेस्ट एयर कूलर्स की रेंज की पेशकश की है, जो कि 'ड्यूरामरीन पंप' से लैस है। ब्रांड ने एयर कूलर में बड़ा बदलाव लाने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें नियमित पम्प्स से कई गुना बेहतर और वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किए गए पंप के साथ नवाचार शामिल है। होम एप्लायंसेस के नए पोर्टफोलियो के हिस्से के रूप में उच्च स्थिरता, आकर्षक और कम रखरखाव वाली यह नई रेंज, टिकाऊ होने का वादा करती है। ब्रांड की कंज्यूमर रिसर्च स्टडी से यह स्पष्ट होता है कि ग्राहक, पंप की वजह से होने वाली विफलताओं के कारण एयर कूलर के टूटने को जिम्मेदार ठहराते हैं। लंबे समय तक नमी के संपर्क में रहने और खराब इन्सुलेशन की वजह से एयर कूलर का पंप खराब हो जाता है। ऐसे में ग्राहकों की जरूरतों पर ध्यान देने की प्रतिबद्धता पर खरा उतारते हुए, ब्रांड ने अपनी एयर कूलर्स की रेंज को एक नए रूप में पेश किया है।

दिसंबर तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा घटकर 18.2 अरब डॉलर रह गया

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा 2022-23 की सितंबर तिमाही में 30.9 अरब डॉलर से घटकर 18.2 अरब डॉलर हो गया।चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी भुगतान संतुलन डेटा के अनुसार, 2022-23 की तीसरी तिमाही में कम चालू खाता घाटा अंतर्निहित था, 2022-23 की दूसरी तिमाही में 78.3 बिलियन डॉलर से व्यापारिक व्यापार घाटा 72.7 बिलियन डॉलर तक कम हो गया था, साथ ही मजबूत सेवाओं और निजी हस्तांतरण प्राप्तियों के साथ। 2021-22 की इसी अवधि में 0.5 बिलियन डॉलर की अभिवृद्धि की तुलना में 2022-23 की अक्टूबर तिमाही में विदेशी मुद्रा भंडार (भुगतान संतुलन के आधार पर) में 11.1 बिलियन डॉलर की वृद्धि हुई थी। इस बीच शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश एक साल पहले के 4.6 अरब डॉलर से घटकर 2.1 अरब डॉलर रह गया।

2022-23 की तीसरी तिमाही के दौरान शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में 4.6 बिलियन डॉलर का प्रवाह दर्ज किया गया, जबकि 2021-22 की तीसरी तिमाही में 5.8 बिलियन डॉलर का बहिर्वाह हुआ था। 2022-23 की दिसंबर तिमाही में भारत के लिए शुद्ध बाह्य वाणिज्यिक उधारी में 2.6 बिलियन डॉलर का बहिर्वाह दर्ज किया गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 0.4 बिलियन डॉलर का बहिर्वाह हुआ था।

सॉफ्टवेयर, व्यापार और यात्रा सेवाओं के बढ़ते निर्यात के कारण सेवा निर्यात में साल-दर-साल आधार पर 24.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आईकू ने उत्तरप्रदेश में 2022 में ऑनलाइन बिक्री में 440 प्रतिशत साल दर साल वृद्धि दर्ज की

लखनऊ। भारत का सबसे तेजी से बढ़ता स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने उत्तर प्रदेश में ऑनलाइन बिक्री की मात्रा में 440 प्रतिशत साल दर साल वृद्धि दर्ज की है, जिससे यह राज्य भारत में सबसे अधिक राजस्व योगदानकताओं में से एक बन गया है।पिछले साल की तुलना में कंपनी की राज्य में बिक्री में 233 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो हर प्राइस पॉइंट पर इंडस्ट्री-बेस्ट पावर-पैक डिवाइसों को वितरित करने के लिए किए गए इनोवेशन के कारण संभव हुआ है। ब्रांड का हाल ही में लॉन्च किया गया आईकू जेड7

सेल के पहले दिन से ही 20 हजार से कम सेगमेंट में अमेजन के सबसे अधिक बिकने वाले स्मार्टफोन के रूप में रिकॉर्ड तोड़ रहा है। उत्तर प्रदेश देश में आईकू जेड7 की बिक्री में 12 प्रतिशत योगदान देने वाले प्रमुख बाजारों में से एक था। ब्रांड की ग्रोथ जर्नी को शेयर करते हुए आईकू के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, निपुन मार्या ने कहा हमने परफॉर्मेंस ओरिएंटेड प्रोडक्ट पर अपना फोकस करते हुए राज्य और देश भर में स्थिर वृद्धि और उत्साहजनक रिस्पांस देखा है। हमने पहले ही फ्लैगशिप - आईकू 11, नियो 7 और अब जेड 7 जैसे प्रोडक्ट के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर लिया है, जो सभी प्राइस प्वाइंट पर प्रीमियम स्मार्टफोन एक्सपीरियंस प्रदान करते हैं, जो निश्चित रूप से इस वर्ष उपभोक्ताओं की इंटरेस्ट को आकर्षित करेंगे और भविष्य में विकास को गति देंगे। हम कंज्यूमर के रिस्पांस से अभिभूत हैं, जिसने हमें देश में उभरते ब्रांडों के बीच 10 हजार से अधिक के सेगमेंट में उपभोक्ताओं की सबसे अधिक पसंद वाला ब्रांड बना दिया है। आईकू जेड7 पर बरसा प्यार हमें प्रसन्न करता है और हमें प्रेरित करता है कि हम भारतीय उपभोक्ताओं की उभरती जरूरतों को पूरा करने वाली भविष्य के लिए तैयार टेक्नोलॉजी पर फोकस करना जारी रखें। मीडियाटेक डायमेंसिटी 920 5जी प्रोसेसर, सेगमेंट के पहले 64 एमपी ओआईएस कैमरा, सेगमेंट का सबसे चमकदार एमोलेड डिस्प्ले और सेगमेंट का सबसे पतला स्मार्टफोन 7.8 एमएम के साथ अपने पॉवरफुल परफार्मेंस के लिए आईकू जेड7 को बिक्री के पहले सप्ताह में काफी सराहना मिली है। डिवाइस ने 485के से अधिक के हाइएस्ट अंटूटू स्कोर के बेंचमार्क को पार कर लिया है। इसके अतिरिक्त, स्मार्टफोन असाधारण सुविधाओं से लैस है जैसे कि सेगमेंट में भारत का पहला 64एमपी ओआईएस अल्ट्रा-स्टेबल कैमरा, 44ॅ फ्लैश चार्ज, अल्ट्रा गेम मोड, इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट के साथ एमोलेड स्क्रीन और 1300 निट्स की स्क्रीन ब्राइटनेस में असाधारण रूप से सर्वश्रेष्ठ है। इसके अलावा, कंपनी आईकू जेड7 के लिए तीन साल तक मंथली सिक्योरिटी अपडेट और दो साल तक एंड्रॉयड अपडेट प्रदान कर रही है। फोन में आउट ऑफ बॉक्स एंड्रॉयड 13 पर आधारित फनटच ओएस 13 दिया गया है।

इंडियन प्रीमियर लीग के लिए आधिकारिक पार्टनर के रूप में टाटा मोटर्स की लगातार छठे वर्ष भागीदारी

मुंबई। देश की प्रमुख स्पोर्टिंग इवेंट्स में भागीदारी की अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए टाटा मोटर्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग के इस साल के संस्करण में टियागो ईवी को आधिकारिक पार्टनर बनाने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ लगातार छठी बार अपनी भागीदारी बरकरार रखेगा। कंपनी इस प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए करेगी। इसी के साथ कंपनी हाल ही में लॉन्च की गई प्रीमियम इलेक्ट्रिक हैच-टियागो इलेक्ट्रिक वीइकल प्रदर्शित करेगी। दर्शक इसे ड्राइव कर

देख सकेंगे। टाटा आईपीएल 2023 की शुरूआत 31 मार्च 2023 से होगी। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड में सेल्स और सर्विस स्ट्रेटिजी तथा मार्केटिंग विभाग के हेड, विवेक श्रीवास्तव ने इस पार्टनरशिप पर कहा, आईपीएएल के पाँच संस्करणों में लगातार सफलतापूर्वक भागीदारी करने के बाद हम टाटा आईपीएल के साथ वापसी कर रहे हैं। इस आईपीएल में हम इलेक्ट्रिक वीइकल्स के क्षेत्र में अपने नए ऑफर, प्रीमियम इलेक्ट्रिक हैच, टियागो को दर्शकों के सामने पेश करेंगे। अपने नए आकर्षक प्रॉडक्ट्स से हम लोगों को इलेक्ट्रिक वीइकल्स के प्रयोग के प्रति जागरूक करना चाहते हैं। लोगों की दिलचस्पी और जुड़ाव की कुछ उत्साही गतिविधियों के अलावा हम इस प्लेटफॉर्म का प्रयोग बड़े पैमाने पर लोगों को इलेक्ट्रिक वीइकल्स के बारे में जागरूक करने के लिए करेंगे। इसके लिए हम एकीकृत ऐड कैंपेन से लोगों के मन में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के प्रति भ्रांतियों को दूर करेंगे। भारत की विशाल मीडिया प्रॉपर्टी के साथ भागीदारी से हमें न केवल भारत के शहरों में इलेक्ट्रिक वीइकल्स के प्रयोग के प्रति लोगों को जागरूक करने में मदद मिलेगी, बल्कि इन वाहनों में छोटे शहरों के लोगों की भी दिलचस्पी बढ़ेगी। हम इस भागीदारी से ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहते हैं। भविष्य में आवागमन के क्षेत्र में सुगमता लाने के लिए हम मौजूदा क्रांति को बड़ी तेजी से देश भर में फैलाना चाहते हैं। इसके लिए हम भारत में लोगों को इलेक्ट्रिक वीइकल्स को तेजी से अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ब्रैंड टाटा आधिकारिक सहयोगी के रूप में आईपीएल के प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल न केवल सभी 12 स्टेडियमों में नए इलेक्ट्रिक वीइकल टियागो का बड़े पैमाने पर डिस्प्ले करने के लिए करेगा, बल्कि तरह-तरह की दिलचस्प गतिविधियों से पूरे राष्ट्र को आपस में जोड़ेगा।

संक्षेप

आईएक्यूटी ने वित्तीय धोखाधड़ी से मुकाबले के उन्नत फीचर्स के साथ फंडट्रेल लांच किया

नयी दिल्ली। वित्तीय धोखाधड़ी और अपराध की रोकथाम और जांच के लिए अनूठे एनालिटिक्स सॉल्यूशंस की पेशकश करने वाली अग्रणी फिनटेक कंपनी आईएक्यूटी फिनटेक ने अपने अग्रणी उत्पाद फंडट्रेल में एडवांस्ड क्राइम इंटेलिजेंस एनालिटिक्स क्षमताओं को लांच करने की आज घोषणा की। फंडट्रेल वित्तीय जांच के लिए एक ऑटोमेटेड एनालिटिक्स सॉल्यूशंन है। आईएक्यूटी फिनटेक के सीईओ श्री गौरव बाथेजा ने कहा, जनवरी, 2021 से 30 नवंबर, 2022 के बीच नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी वर्ग के तहत करीब 8.84 लाख शिकायतें दर्ज की गईं। जैसा कि हम इसमें उल्लेखनीय वृद्धि देखते हैं, हमारा मानना है कि इन धोखाधड़ियों से निपटने में सरकारी अधिकारियों और यहां तक कि एंटरप्राइसेस की मदद के लिहाज से हमारा सॉल्यूशन एक पासा पलटने वाला उत्पाद है। आईएक्यूटी फंडट्रेल एक शक्तिशाली और अनूठा प्लेटफॉर्म है जो उन सभी संभावित वित्तीय खतरों की पहचान कर उन्हें न्यूनतम करने में मदद करेगा जो ना केवल संगठन पर बल्कि उसकी प्रतिष्ठा पर प्रभाव डाल सकते हैं। आईएक्यूटी में हम प्रौद्योगिकी विकास और समाधान की शुद्धता पर ध्यान केंद्रित कर अनूठे उत्पादों के सृजन का पूरा प्रयास करते हैं। फंडट्रेल विश्व का पहला एंड टु एंड हाइपर ऑटोमेटेड एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म है जो एआई और बिग डेटा टेक्नोलॉजी का उपयोग कर अपराध की पहचान करने और जांच करने में मदद करता है। यह समाधान फॉरेसिंक ऑडिटरों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, कर अधिकारियों, नियामकों और वित्तीय संस्थानों को वाद योग्य अंतर्दृष्टि उपलब्ध कराकर प्रभावी जांच करने में सहयोग करता है।

ओयो होटल रमजान के अवसर पर अजमेर में मुफ्त ठहरने की सुविधा दे रहा है

नई दिल्ली। रमजान के पाक महीने के मौके पर अजमेर स्थित ओयो होटल-'होटल वैभव' संबंधित ग्राहकों को मुफ्त ठहरने की पेशकश कर रहा है। यह योजना इस पाक महीने के दौरान ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में ज्यारत करने वाले लोगों की मदद के लिए बनाई गई है। यह होटल दरगाह के समीप नया बाजार में स्थित है। होटल वैभव द्वारा रमजान के पहले दिन से ही दरगाह आकर इबादत करने वाले लोगों को मुफ्त ठहरने की सुविधा प्रदान की जा रही है, जो कि अन्य शहरों से ताल्लुक रखते हैं। विशेष बात यह है कि इस प्रस्ताव का लाभ लेने वाले मेहमानों को होटल में इफ्तार की पेशकश भी की जा रही है। मेहमानों द्वारा ओयो ऐप या ओयो वेबसाइट का उपयोग करके ठहरने संबंधित बुकिंग ऑनलाइन की जा सकती है। इस ऑफर के बारे में अधिक जानकारी के लिए होटल की रिजर्वेशन टीम से संपर्क किया जा सकता है। आदित्य गोयल, मैनेजिंग डायरेक्टर, होटल वैभव, ने कहा, रमजान दुनिया भर में इबादत व चिंतन करने और दान देने वाला पाक महीना है। हमारा मानना है कि सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना और जरूरतमंद लोगों की मदद करना बेहद जरुरी है। इस योजना के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि रमजान मनाने वाला हर व्यक्ति अपनी वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना इस आध्यात्मिक अनुभव का हिस्सा बन सके।

सिटी नेटवर्क्स के कर्ज के लिए जी ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड के साथ किया एकमुश्त निपटान समझौता

नई दिल्ली। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) ने एस्सेल समूह के तहत आने वाले सिटी नेटवर्क्स द्वारा लिए गए कर्ज के लिए स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के साथ एकमुश्त निपटान समझौता किया है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सिटी नेटवर्क्स को कुछ ऋण सुविधाएं मंजूर की थीं। इसके लिए जेडईईएल ने अपनी गारंटी दी थी। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को बताया कि चूंकि उधारकर्ता ने बैंक को कर्ज चुकाने में चूक की है, इसलिए कंपनी ने विभिन्न पक्षों के बीच मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए बैंक के साथ एकमुश्त निपटान समझौता किया है। कंपनी ने हालांकि समझौते की राशि का उल्लेख नहीं किया। इस हफ्ते की शुरूआत में जेडईईएल ने इंडसइंड बैंक के साथ अपने विवाद और दावों को निपटाने की घोषणा की थी। कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के साथ विलय करने जा रही जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के लिए यह एक बड़ी राहत है। इस विलय के बाद जो कंपनी अस्तित्व में आएगी, वह देश की सबसे बड़ी मीडिया कंपनी होगी। इस सौदे को प्रमुख शेयरधारकों और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग सहित अन्य नियामकों से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

भारत ने विदेश व्यापार नीति 2023 की पेश, 2030 तक निर्यात 2000 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 पेश की जिसका उद्देश्य प्रोत्साहन के बजाए छूट और पात्रता आधारित व्यवस्था को अपनाने के जरिए देश के निर्यात को 2030 तक 2000 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष सारंगी ने एफटीपी 2023 के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि परंपरागत रूप से पंचवर्षीय विदेश व्यापार नीति की घोषणा की जाती रही है लेकिन इस हालिया नीति की कोई समाप्ति तिथि नहीं है और इसे जरूरत के मुताबिक अद्यतन किया जाता रहेगा। इससे पहले, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एफटीपी 2023 से पर्दा हटाया। यह एक अप्रैल, 2023 से प्रभाव में आएगी। डीजीएफटी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की समाप्ति तक भारत का कुल निर्यात 760-770 अरब डॉलर तक रह सकता है जो 2021-22 में 676 अरब डॉलर था। पिछली नीति पांच साल की अवधि के लिए एक अप्रैल, 2015 से प्रभाव में आई थी, लेकिन कोरोना वायरस महामारी फैलने की वजह से इसे कई बार विस्तार दिया गया। अंतिम बार इसे सितंबर 2022 में 31 मार्च, 2023 तक के लिए विस्तार दिया गया था। नई एफटीपी में निर्यात उत्कृष्ट शहरों (टीईई) में चार नए शहरों को शामिल किया गया है जिनमें फरीदाबाद, मुरादाबाद, मिजार्पुर और वाराणसी हैं। ये पहले से मौजूदा 39 टीईई के इतर हैं। एफटीपी 2023 से ई-वाणिज्य निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा और इसके 2030 तक बढ़कर 200-300 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसके अलावा, इसमें कूरियर सेवाओं के माध्यम से निर्यात के लिए मूल्य सीमा 5 लाख रुपये प्रति खेप से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की जा रही है। नई एफटीपी का लक्ष्य भारतीय रुपये को वैश्विक मुद्रा बनाने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में घरेलू मुद्रा को बढ़ावा देने का है।

आईनॉक्ससीवीए गुजरात में लगा रही है 200 करोड़ रुपए का कारखाना

नई दिल्ली। गैसों के अति शीतल (क्रायोजेनिक) अवस्था में भंडारण, वितरण और पुनर्गैसीकरण के टैंक और उपकरण बनाने वाली भारतीय कंपनी आईनॉक्ससीवीए ने बडोदरा (गुजरात) में सावली में अपने नये काखाने का निर्माण-कार्य शुरू किया है। यह इस क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनियों में स्थान रखती है। कंपनी ने गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि सावली में 200 करोड़ रुपये के निवेश से बनाए जा रहे नए कारखाने के भूमिपूजन समारोह की अध्यक्षता कंपनी के निदेशक सिद्धार्थ जैन ने की। कंपनी ने कहा है कि यह कारखाना 30 एकड़ क्षेत्र में लगाया जा रहा है और यह देश में क्रायोजेनिक उपकरणों (टैंक) के निर्माण का सबसे बड़ा कारखाना होगा। इस कारखाने में सालाना 20 हजार टन स्टेनलेस स्टील का फैब्रिकेशन करने की सुविधा होगी और वहां से हर साल 2500 क्रायोजेनिक उपरकण विनिर्मित किए जा सकेंगे। इस कारखाने के लिए गुजरात सरकार और कंपनी के बीच गत 20 फरवरी को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में समहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। नये कारखाने से देश में लिक्विड नाइट्रोजन, लिक्विड आर्गन, लिक्विड कार्बन डाइऑक्साइड और लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन जैसी क्रायोजेनिक गैसों के भंडारण और परिवहन समाधानों के विनिर्माण की क्षमता बढ़ेगी। इससे देश के चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। श्री जैन ने कहा कि इस अत्याधुनिक क्रायोजेनिक उपकरण कारखाने से गुजरात में रोजगार के अवसरों का भी विस्तार होगा।

जीवन पर्यन्त बच्चों के प्रति समर्पित रहता है शिक्षक : बीएसए

सेवानिवृत्त शिक्षिका को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते बीएसए

समारोह

सेवानिवृत्त शिक्षिका के विदाई समारोह में बोले बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल

जनसंदेश न्यूज

सिकरारा। शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नही होता। उक्त बातें शुक्रवार को कंपोजिट विद्यालय डीह जहानियाँ में शिक्षिका लीलावती सिंह के सेवानिवृत्त सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने कही।

उन्होंने कहा कि शिक्षक जीवन पर्यन्त शिक्षा और बच्चों के प्रति समर्पित रहता है और इसी वजह से समाज में एक विशिष्ट दर्जा प्राप्त करता है। उन्होंने विद्यालय की शिक्षिका लीलावती की तारीफ करते हुए कहा कि अपने कार्यकाल में इस विद्यालय पर मैं पांचवी बार आ रहा हूँ और मैने इनको हमेशा अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक देखा है। हम इनके उज्वल भविष्य की कामना करते है। बीइओ आनंद प्रकाश ने कहा कि लीलावती आज भले ही अवकाश ग्रहण कर रही है सभी शिक्षकों को इनकी कर्तव्यनिष्ठा का अनुकरण करने की आवश्यकता है। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि इनका कार्य हम सभी के लिए अनुकरणीय रहा है। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि लीलावती के आदर्श शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए मान सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है। इसके अलावा कार्यक्रम को ब्लाक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह शिक्षक संकुल अनंत प्रसाद व देशबंधु यादव ने संबोधित किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापक अमरावती देवी ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और आभार ज्ञापन विद्यालय के शिक्षक दीपक यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन गायत्री श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर शैलेश चतुर्वेदी, अनुपम श्रीवास्तव, सुरेश यादव, शैलेन्द्र यादव, सुषमा सिंह, देविका रानी, वंदना सिंह, गायत्री मौर्या, संगीता मौर्या, मोना देवी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता : बीईओ

विदाई समारोह में उपस्थित बीईओ और अन्य शिक्षकगण

गौराबादशाहपुर। धमापुर ब्लॉक क्षेत्र के तीन परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक सेवानिवृत्ति हुए। सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें अंगवस्त्रम देकर विदा किया गया।

शुक्रवार को ब्लॉक क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय पंचहटिया की प्रधानाध्यापिका अर्चना देवी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय कबिरुद्दीनपुर के प्रधानाध्यापक मजाहिर आलम व कंपोजिट विद्यालय रामपुर चौकियां की प्रभारी प्रधानाध्यापिका खालिदा वलीम सेवानिवृत्ति हुए। उक्त सेवानिवृत्ति शिक्षकों के विद्यालयों पर विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन कर के उन्हें विदा किया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय कबीरुद्दीनपुर में आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम में पंहुचे बीईओ धमापुर अरविंद यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्ति नहीं होता। शिक्षकों द्वारा बच्चों को दी गई शिक्षा और संस्कार हमेशा उपस्थित रहते है। बीईओ ने सेवानिवृत्त शिक्षक मजाहिर आलम को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान एआरपी महेंद्र यादव, उमेश मिश्रा, राजू सिंह, अखिलेश चंद यादव, प्रवीण सिंह, अचल हरिमूर्ति आदि मौजूद रहे।

चैत्र राम नवमी पर किया प्रसाद वितरण

जौनपुर। भारत विकास परिषद शाखा जौनपुर के तत्वावधान मे चैत्र शुक्ल नवमी के पावन पर्व पर कृषि भवन प्रांगण में स्थित माँ दुर्गा मंदिर परिसर में पूजन हवन पश्चात 9 कन्या रूपी मां दुर्गा के स्वरूप दर्शन कर परिषद परिवार की महिलाओं ने कन्याओं का पांव धुलकर और पांवों में महावर लगाया और कन्या पूजन कर भोजन कराया। कन्याओ का चरण वंदन कर दक्षिणा, उपहार देकर अगले नवरात्र में आने का वचन लिया।

कृषि भवन प्रांगण मे स्थित गौशाला में सदस्यगण ने गौ माता को हरा चारा भी खिलाया। तत्पश्चात प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष में निकली रामनवमी शोभायात्रा के समापन स्थल कचगांव पड़ाव पर सदस्यों, महिलाओं एवं बच्चों द्वारा राम भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष अवधेश गिरी व निशा गिरी, विक्रम गुप्त व सविता गुप्ता, दिलीप जायसवाल व बबिता जायसवाल आदि उपस्थित रहे। संचालन सचिव पंकज सिंह ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने शोभा यात्रा मे आये सभी आगंतुको का आभार व्यक्त किया।

संक्षेप

रामनवमी पर निकली झांकी देख गदगद हुए श्रद्धालु

रामनवमी पर निकली झांकी

नौपेड़वा। स्थानीय बाजार में गुरुवार को रामनवमी पर निकली झांकी देख श्रद्धालु गदगद हो गए। क्षेत्राधिकारी सदर एसपी उपाध्याय, एसओ त्रिवेणी सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में देररात्रि जुलूस बाजार भ्रमण पश्चात सम्पन्न हुआ। शाम को बाजार भ्रमण के लिए बड़ी संख्या में रामनवमी जुलूस के लिए निकले रथ के आगे सर्वप्रथम हनुमानजी उसके पीछे रथ पर सवार प्रभु राम, लक्ष्मण व सीता विराजमान रही। उसके पीछे के रथ पर भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती नंदी आदि की सवारी जय श्रीराम व हर हर महादेव के उदघोष के साथ केसरिया झंडा लहराते हुए चल रही थी। रास्ते में मां दुर्गा मंदिर के समीप सैकड़ों द्वीप प्रज्वलित किये गए थे। भक्तों द्वारा जगह-जगह लंगर की व्यवस्था की गई थी। जुलूस में पहुँचे ब्लॉक प्रमुख मनोज यादव, श्याम जी महाराज, प्रधान अशोक जायसवाल, ब्यापार मण्डल अध्यक्ष आशीष जायसवाल, अंकित जायसवाल, डॉ. अजय निगम, आशीष जायसवाल सहित सैकड़ों भक्तजन मौजूद रहे।

छह साल के नन्हें रोजादार सारिम ने रखा रोजा

जौनपुर। अल्लाह से प्रेम और इबादत के लिए कोई उम्र नहीं होती है। रमजान माह में रोजेदार रोजा रखकर अल्लाह की इबादत कर रहे हैं। इसमें छोटे और मासूम बच्चे भी पीछे नहीं हैं। क्षेत्र में बड़ी संख्या में छोटे बच्चे भी इस बरकत के महीने में इबादत कर रहे हैं। खासकर ऐसे बच्चे अधिक उत्साहित हैं जो अपने जीवन में पहली बार रोजा रख रहे हैं। दिन भर रोजे की हालत में रहने के बाद वे इफ़्तार कर रहे हैं। इसी क्रम में नगर के मोहल्ला नसीब खां मंडी निवासी शाने मोहम्मद उर्फ शानू के 6 वर्षीय पुत्र कक्षा यूकेजी में पढ़ने वाले सारिम ने आज अपने माता, पिता, दादा, दादी के साथ रमजान का पहला रोजा रखा जिस पर सारिम के चाचा मोहम्मद उस्मान ने दुआ पढ़ाकर बच्चे को इफ़्तार कराया। इस अवसर पर आयोजित इफ़्तार पार्टी में शामिल लोगों ने बच्चे का हौसला बढ़ाया और उनके माता पिता को मुबारक बाद पेश की।

तीन अप्रैल को लखनऊ कूच करेंगे मनरेगा कर्मी

जफराबाद। सिरकोनी ब्लाक खंड कार्यालय में शुक्रवार को मनरेगा कर्मचारियों की एक बैठक की गई जिसमें 3 अप्रैल को लखनऊ के इको गार्डन में वादा निभाओ रैली का आयोजन मनरेगा कर्मचारी संघ द्वारा किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार राव द्वारा बताया गया कि सरकार ने जो मनरेगा कर्मचारियों से जो वादा किया था उसको पूरा नहीं किया गया। हम लोगों के साथ हमारे भविष्य के साथ भी धोखा कर रही है सरकार। जितना भी वादा सरकार द्वारा किया गया सब हवा में है। मनरेगा कर्मचारियों से कहा कि सरकार बनने के बाद सभी मनरेगा कर्मचारियों को नियमित कर देंगी लेकिन सरकार बनने के बाद भी मनरेगा कर्मचारियों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। इस मौके पर संदीप सिंह उर्मिला यादव, राजधर, पंकज, योगेश चंद यादव, अजय कुमार आनंद, संगीता यादव, रवि आदि लोग मौजूद थे।

गुह्यराज निषाद जयंती समारोह संपन्न

सिकरारा। स्थानीय क्षेत्र के खाना पट्टी के गायघाट स्थित गुह्यराज निषाद के स्थल पर जन्म जयंती का कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव राम राज निषाद ने सम्बोधित करते हुए कहा कि निषादराज और भगवान राम एक दूसरे के घनिष्ठ मित्र थे जो एक रामराज्य की परिकल्पना स्थापित की करते हैं और हमारे पूर्वज हैं जिसका प्रमाण प्रयागराज के श्रीमाधोपुर में मिलता है। इस मौके पर मुख्य वक्ता राम चंद्र निषाद, जिलाध्यक्ष अमरनाथ निषाद, विष्णु प्रसाद निषाद, गीता निषाद, उषा निषाद, अजय निषाद, अरविंद निषाद, अमरजीत बिंद, दशरथ बिंद आदि मौजूद रहे। अंत में कार्यक्रम आयोजक रामचरित्र निषाद ने आए हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

ब्राह्मण धर्मशाला के लिए भूमिपूजन किया

जलालपुर। क्षेत्र के एतिहासिक शिव मंदिर त्रिलोचन महादेव के पास जेडीएस ग्रुप के चेयरमैन संजीव उपाध्याय द्वारा ब्राह्मण धर्मशाला के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। करीब 50 लाख की लागत से इस धर्मशाला का भव्य निर्माण होगा। धर्मशाला का निर्माण करने का संकल्प संजीव उपाध्याय ने अपने पिता ओमप्रकाश उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर लिया था। इस संकल्प को पूरा करने के पहले चरण के तहत शुक्रवार को पंडित गोपीनाथ उपाध्याय की अगुवाई में विद्वान पंडितों की टोली ने भूमिपूजन कराया। इस अवसर पर जगदीश उपाध्याय 'गुड्डू', उदयराज मिश्र, प्रदीप पाठक, कैलाश पाठक सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर के मेधावी बच्चों को किया गया पुरस्कृत

पुरस्कृत हुए मेधावी बच्चे

गौराबादशाहपुर। सरस्वती शिशु मंदिर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को परीक्षा अंकपत्र वितरण समारोह संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डा. लल्लन सिंह एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद गुप्त तथा विद्यालय के प्रबंधक उमेश सिंह ने विद्यालय के मेधावी बच्चों को पुरस्कृत किया। अपने संबोधन में डा. लल्लन सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से शिक्षा के साथ विद्यालय के बच्चों के अंदर अनुशासन एवं संस्कार दिया जा रहा है। वह बहुत ही प्रशंसनीय है। इसके लिए विद्यालय परिवार धन्यवाद का पात्र है। विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलेश ने अतिथियों का परिचय कराते हुए परीक्षा फल की घोषणा किया। विद्यालय के परीक्षा प्रमुख जगदीश एवं राजेश ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि आगामी सत्र का शिक्षण कार्य 5 अप्रैल से प्रारंभ होगा।

विद्यालय में किया गया विदाई समारोह का आयोजन

सुइथाकला। शुक्रवार को क्षेत्र के शान्ति निकेतन पूर्व माध्यमिक विद्यालय सारीजहांगीर पट्टी में विद्यालय परिवार द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने जहां अपने सीनियर को भावभीनी विदाई दी, वहीं एक लम्बे समय तक अपनी शिक्षा से सभी को शिक्षित करने वाले सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षक के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई। इस दौरान समूचा विद्यालयी परिवार भाव विभोर हो उठा। शिक्षा क्षेत्र के उक्त विद्यालय में शुक्रवार को कक्षा 7 के बच्चों द्वारा अपने सीनियर रहे कक्षा 8 के बच्चों की विदाई के उपलक्ष्य में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों द्वारा सरस्वती वन्दना के साथ समारोह को गति देते हुए शानदार प्रस्तुति कर विदाई गीत द्वारा समूचे परिवार को भाव विभोर कर दिया गया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि वरुण त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि अमित तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक महेश दूबे द्वारा प्रगति रिपोर्ट के साथ ही बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। तत्पश्चात बतौर मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी द्वारा इसी सत्र में सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षक नारायण त्रिपाठी का माल्यार्पण कर कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की। विशिष्ट अतिथि ने विदाई शब्द की व्याख्या की। अन्त में कार्यक्रम प्रभारी दिनेश चन्द्र चतुर्वेदी द्वारा सहयोगियों के प्रति आभार जताया गया। अध्यक्षता पूर्व शिक्षक अमरनाथ त्रिपाठी व संचालन शिक्षक राजेश चौबे ने किया। इस दौरान हरी प्रकाश शुक्ला, नन्हे लाल पाण्डेय, रामसजीवन मौर्य, रसोईयों समेत बच्चे बच्चियां मौजूद रहीं।

अखण्ड रामायण पाठ का समापन भंडारे का हुआ आयोजन

खेतासराय। विकास खण्ड शाहगंज सोंधी परिसर में स्थित हनुमान मन्दिर पर नवरात्रि के अंतिम दिन संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया गया जिसके उपरांत विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया और श्रद्धालुओं ने जमकर प्रसाद छका।

ब्लॉक प्रमुख मंजू अजय सिंह यजमान बनकर विधि-विधान से ब्लॉक परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन कराया जिसके समापन के उपलक्ष्य में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। भण्डारे में विकास खण्ड शाहगंज सोंधी क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न गांवों से लोग समय से पहुँचकर प्रसाद ग्रहण किया। भण्डारा में भारी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान मुख्य रूप से प्रमुख करंजाकला मम्मन यादव, प्रमुख खुटहन बृजेश यादव, बीडीओ नंदलाल कुमार, जेई विमलेश कुमार, आनंद बरनवाल, शांति भूषण मिश्रा, विजय कश्यप, बाबा सिंह, दुर्गेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

संस्कृत महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का हुआ समापन

महराजगंज। ब्लाक अंतर्गत श्री उमा महेश्वर संस्कृत महाविद्यालय कोल में चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन शुक्रवार को हुआ। समापन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. राज नारायण मिश्र के द्वारा की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राधेश्याम दुबे ने सभी विद्यार्थियों को सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों को जीवन भर याद रखने और दूसरों की सेवा करने व राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का सभी छात्र छात्राओं से संकल्प लेते हुए समापन का वक्तव्य व्यक्त किया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहाकि जिस तरह से एक दूसरे छात्र छात्राओं का सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाते हुए एकता का परिचय दिया उसी तरह समाज में लोगों की मदद करते हुए अपने राष्ट्र का नाम ऊंचा करना जिससे अपने देश और विद्यालय का नाम रोशन हो। इस मौके पर विद्यालय के सभी अध्यापक गण उपस्थित रहे।

संक्षेप

विधायक के हाथों मिला अंक पत्र, खुशी से झूम उठे बच्चे

अंक पत्र और पुरस्कार के साथ बैठे बच्चे पीछे खड़े विधायक जाहिद बेग व अन्य

भदोही। पूर्व माध्यमिक विद्यालय नई बाजार में शुक्रवार को अंक पत्र एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि विधायक जाहिद बेग द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही नए सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया भी शुरू हुई। इस दौरान सभी छात्र-छात्राओं में प्रगति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। अंक पत्र पाकर सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वहीं विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से विधायक जाहिद बेग ने पुरस्कृत किया। इस दौरान श्री बेग परीक्षा में सफल रहे सभी छात्र-छात्राओं को बधाई तथा नए सत्र में प्रवेश की शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह नए सत्र में खूब बन लगाकर पढ़ें और पूर्व की परीक्षा से भी बेहतर करने का प्रयास करें। ताकि वह भी अगले वर्ष पुरस्कृत किए जा सकें। नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन विजय सोनकर व पूर्व सभासद विमल गुप्ता, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विनोद तिवारी व प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष धीरज सिंह ने भी बच्चों को संबोधित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर विद्यालय के सहायक अध्यापक आभा जायसवाल, शशि यादव, संजय कुमार यादव, उर्मिला गुप्ता, अपराजिता गुप्ता, सविता देवी एवं अनुदेशक सुषमा सरोज के अतिरिक्त काफी संख्या में बच्चों के अभिभावक मौजूद रहें। अंत में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका फरखंडा राशिद खान ने सभी के प्रति आभार जताया।

अतुल कुमार सिंह चकवा सहकारी संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

गोपीगंज। चकवा सहकारी संघ के चुनाव में शुक्रवार को अतुल सिंह को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। शुक्रवार को गोपीगंज नगर के क्रय विक्रय सहकारी समिति में सकुशल सभी पदों के लिए निर्वाचन कराया गया। जिसमें चकवा सहकारी संघ का अध्यक्ष अतुल सिंह और उपाध्यक्ष गौरव सिंह को चुना गया। निर्वाचित घोषित होने के बाद जोगिनका गांव निवासी अतुल सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो दायित्व मुझे मिला है, इस पर निष्पक्ष रूप से कार्य करूंगा। बता दें कि शुक्रवार को दिन में 12 बजे तक नामांकन का समय दिया गया था, समय बीत जाने के बाद निर्धारित समय तक किसी प्रत्याशी के ना आने पर उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। अतुल कुमार सिंह के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं में खुशी व्याप्त रही। लोग एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से नंद सिंह, श्रवण कुमार सिंह, भुवाल सिंह, नीलू सिंह, सचिन सिंह, रोहित सिंह सहित भाजपा के कार्यकर्ता शामिल रहे। चुनाव को संपन्न कराने में निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार मौर्य, सचिव बाल मुकुंद सिंह रहे।

कोषागार का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

भदोही। वित्तीय सत्र-2022-23 समाप्ति के अन्तिम दिन शुक्रवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कोषागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने वित्तीय वर्ष के सम्बन्ध में विभिन्न रजिस्टर, बक्सा, लॉकर, आय-व्यय सम्बन्धित दस्तावेज सहित अन्य आवश्यक डाक्यूमेन्टों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मुख्य कोषाधिकारी धमेन्द्रपति त्रिपाठी से वित्तीय वर्ष से सम्बन्धित जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मुख्य कोषाधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी विभागों व अन्य मदों में आहरण वितरण सम्बन्धी वित्तीय कार्य कुशलता के साथ पूर्ण हुए है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्र, सहित कोषागार कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46202**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

आरक्षण सूची जारी होते ही चढ़ा सियासी पारा

चुनाव

सपा से पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनीता विकास यादव ने पेश की दावेदारी

बीजेपी से निवर्तमान चेयरमैन के पुत्रवधु का नाम आया सामने

शाहनवाज खान

पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनीता यादव

आरती जायसवाल

भदोही। नगर निकाय चुनाव के लिए गुरुवार की शाम प्रदेश शासन द्वारा जारी की गई आरक्षण सूची आने के बाद भदोही में सियासी सरगर्मी बढ़ गई हैं।गली, मोहल्ले व चौराहों पर चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। नगर पालिका परिषद भदोही का अध्यक्ष पद पिछड़ी जाति की महिला के लिए आरक्षित हुआ हैं। पिछले वर्ष के चुनाव में भाजपा के अशोक जायसवाल ने सपा के हसनैन अंसारी को हराकर इस सीट पर काबिज हुए थे। आरक्षण की घोषणा से कई चेहरे खुशी से खिल उठे। वहीं कईयों के उम्मीदों पर आरक्षण ने पानी भी फेर दिया।

सोशल मीडिया पर आरक्षण के हिसाब से संभावित प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। भावी प्रत्याशी व उनके समर्थकों ने सियासी गोटी सेट करने का प्रयास करना शुरू कर दिया है, हालांकि राजनीतिक पार्टी द्वारा अभी उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की गई है फिर भी भावी प्रत्याशी अपना प्रचार प्रसार करना शुरू कर दिए हैं। समाजवादी पार्टी के संभावित प्रत्याशी पूर्व ब्लाक प्रमुख, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुनीता विकास यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव मैदान में उतरने का संकेत दिया है। नगर पालिका परिषद भदोही के चुनाव में सपा प्रत्याशी के रूप में सुनीता का नाम आने के बाद चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। राजनीतिक जानकारों की माने तो समाजवादी पार्टी में सुनीता यादव से मजबूत कोई उम्मीदवार नही हो सकता, सुनीता ब्लाक प्रमुख व जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं। सुनीता के पास लोगों को एक साथ लेकर चलने, चुनाव जीतने का अनुभव व बेहतरीन तजुर्बा हैं, उनके पति बाल विद्या विकास यादव भदोही के ब्लाक प्रमुख और सपा के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं व कुशल अधिवक्ता भी हैं। समाजवादी पार्टी यदि सुनीता यादव को उम्मीदवार बनाती हैं तो नगर के बढ़े हुए वार्डों के आबादी से जातीय समीकरण एम वाई फैक्टर के मुताबिक मुस्लिम समाज के बराबर अन्य आबादी होने की वजह से सबसे मजबूत दावेदार होंगी।

निवर्तमान चेयरमैन अशोक जायसवाल भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रहे हैं उनके समर्थकों की माने तो वह भारतीय जनता पार्टी की पहली पसंद बने हुए हैं, हालांकि पिछड़े वर्ग की महिला के लिए सीट आरक्षित होने की वजह से वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे, किंतु उनकी पुत्र वधू आरती जायसवाल की दावेदारी तय मानी जा रही है। भाजपा कार्यकताओं का मानना है कि अशोक कुमार जायसवाल ने काफी विकास का काम किया है। संगठन के लिए भी काम कर रहे हैं और ये भाजपा के सभी बड़े नेताओं के चहेते माने जाते हैं।

रुपयों की ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश

सफलता

थाना औराई, चौरी व साइबर सेल की टीम ने तीन को दबोचा

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एसपी ने किया मामलें का खुलासा

जनसंदेश न्यूज

ठगी करने वाले पकड़े गए गिरोह के सदस्यों को मीडिया के सामने पेश करते एसपी डॉ. अनिल कुमार

ज्ञानपुर। थाना चौरी, औराई व साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कूट रचित दस्तावेज तैयार कर पैसों की ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपियों के पास से 38000 रुपये नकद तथा फिंगरप्रिंट क्लोन बनाने वाला उपकरण बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने पुलिस लाइन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मामलें का खुलासा किया।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने के साथ उनका अन्य अपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। जनपद के औराई व चौरी थाना में लगातार ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। ठगी के शिकार हुए सूरन गांव निवासी गोविंद लाल मौर्य ने थाने में नब्बे हजार की ठगी करने का मामला दर्ज कराया था। थाना पुलिस व साइबर सेल की टीम ने आज कूट रचित दस्तावेज तैयार कर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर उनके पास से अड़तीस हजार रुपये नकद, प्रिंटर, स्केनर, डिवाइस समेत अन्य उपकरण बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार निवासी सवरपुर ने बताया कि वह ग्राहक सेवा केंद्र का संचालन करता है और ग्राहक सेवा केंद्र पर पैसा निकालने व केवाईसी आधार अपडेट कराने के लिए आने वाले ग्राहकों का गलत तरीके से फिंगरप्रिंट व आधार विवरण लेकर जौनपुर निवासी गिरोह के दो अन्य सदस्यों अखिलेश मौर्य और हिरदेश कुमार कसेरा को भेजता है। अखिलेश की जौनपुर में मोहर बनाने की दुकान है, जहां से इनके द्वारा फिंगरप्रिंट का क्लोन किया जाता है और फिंगरप्रिंट क्लोन का उपयोग कर पवन अपने ग्राहक सेवा केंद्र से पैसे निकाल कर आपस में बांट लेता था।

शीतला माता मंदिर भंडारे में हजारों ने किया प्रसाद ग्रहण

जनसंदेश न्यूज

शीतला माता मंदिर भंडारे में प्रसाद वितरित करते निवर्तमान पालिकाध्यक्ष अशोक जायसवाल व अन्य

भदोही। चैत्र नवरात्र समापन के बाद नगर के कटरा बाजार स्थित ऐतिहासिक शीतला माता मंदिर पर शुक्रवार को प्रत्येक वर्ष की भांति विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। दोपहर से ही भंडारे में भक्त प्रसाद ग्रहण करना आरंभ कर दिए जो देर रात तक जारी रहा। देर रात तक हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

श्री मां शीतला सेवा एवं सुरक्षा समिति के व्यवस्थापक नवर्तमान पालिकाध्यक्ष अशोक जायसवाल के द्वारा मां शीतला का श्रृंगार एवं 11 कन्याओं की पूजा अर्चना के बाद भोजन कराकर भंडारे का आरंभ किया गया। दोपहर में चार बजे के बाद से भंडारे में भारी तादात में श्रद्धालु पहुंचना आरंभ हुए। जिसका क्रम देर रात तक चलता रहा। बतातें चलें की मंदिर के महात्म के चलते जनपद के साथ ही पड़ोसी जनपद के लोग भी भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पुण्य अर्जित करते हैं। इस दौरान भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े। समिति द्वारा इसका विशेष ध्यान दिया जा रहा था। इस मौके पर विनीत बरनवाल, अजय सिंह, कमलेश उमर वैश्य, प्रदीप गुप्ता, विकास बरनवाल, आशीष जायसवाल, प्रदीप माली, दिलीप जायसवाल, करुणाशंकर दुबे, अमित जायसवाल, प्रभु सेठ, बुद्धू गुप्ता, जितेंद कुमार सफाई नायक, भरत जायसवाल, विपुल बरनवाल के साथ ही सभी देवी भक्त मौजूद रहे।

संकट कटै-मिटे सब पीरा, जो सुमिरे हनुमत बलबीरा

राधेश्याम कमल

वाराणसी। अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता। माता अंजनी के पुत्र भगवान हनुमान का जन्म महोत्सव वर्ष में दो बार मनाने की पौराणिक मान्यता है। प्रथम चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि तथा द्वितीय कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन मनाया जाता है। हनुमत जन्मोत्सव पर श्रीहनुमान की भक्ति भाव, श्रद्धा व आस्था के साथ पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस बार हनुमान जन्मोत्सव का पावन पर्व छह अप्रैल गुरुवार को हर्षोल्लास के मनाया जायेगा। इस दिन पूर्ण श्रद्धा, आस्था व विश्वास के साथ व्रत-उपवास रख कर हनुमानजी की पूजा-आराधना करने से जीवन में वैभव, सुख, समृद्धि, खुशहाली का सुयोग बनता है। प्रसिद्ध ज्योतिषी पं. विमल जैन के अनुसार इस बार चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि बुधवार 5 अप्रैल को प्रातः 9.20 मिनट पर लगेगी। जो कि गुरुवार 6 अप्रैल को प्रातः 10.05 मिनट तक रहेगी। पूर्णिमा तिथि के दिन हस्त नक्षत्र का सुयोग बनेगा। व्रत की पूर्णिमा का अनुष्ठान बुधवार 5 अप्रैल को एवं स्नान-दान की पूर्णिमा गुरुवार 6 अप्रैल को होगा। चित्रा नक्षत्र युक्त चैत्र पूर्णिमा की विशेष महिमा है।

हनुमत आराधना से होती है सभी मनोकामना पूरी

आराधना करने से जीवन में वैभव, सुख, समृद्धि खुशहाली का सुयोग

पवनपुत्र हनुमान का जन्मोत्सव छह अप्रैल को मनेगा

हनुमानजी के प्रमुख मंदिर

काशी में वैसे तो हर गली और मुहल्ले में हनुमानजी का मंदिर स्थापित है। यहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने शहर के लगभग एक दर्जन स्थानों पर हनुमानजी की मूर्ति स्थापित की है। इनमें हनुमानफाटक, प्रहलादघाट, नीचीबाग आदि हैं। यहां पर प्रमुख हनुमान मंदिरों में संकटमोचन मंदिर, बनकटी हनुमान (दुर्गाकुंड) दक्षिणमुखी हनुमान (सामनेघाट) दु:ख हरण हनुमान मंदिर सोनारपुरा, त्रिपुरा भैरवी, मैदागिन पातालेश्वर महुमान, पिपलानी कटरा, मीरघाट, अवधगर्वी, लक्सा पंचमुखी हनुमान, पांडेयपुर आदि कई मंदिर हैं।

भगवान शिव के ग्यारहवें अंश के रूद्रावतार माने गये हैं हनुमान

श्री हनुमानजी के विराट स्वरूप में इन्द्रदेव, सूर्यदेव, यमदेव, ब्रह्मदेव, विश्वकर्मा भगवान एवं ब्रह्मा की शक्ति समाहित है। शिवमहापुराण के अनुसार पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, सूर्य, चन्द्रमा, अग्नि व यजमान ये आठ रूप शिवजी के प्रत्यक्ष रूप बताये गये हैं। हनुमानजी ब्रह्म स्वरूप भगवान शिव के ग्यारहवें अंश के रूद्रावतार माने गये हैं। हनुमानजी को अमरतत्व का वरदान प्राप्त है। प्रसिद्ध ज्योतिषी पं. विमल जैन के मुताबिक एकाक्षर कोष के मतानुसार हनुमान शब्द का अर्थ है- ह-शब्द का अर्थ है शिव, आनंद, आकाश एवं जल। नु शब्द का अर्थ है-पूजन और प्रशंसा। मा शब्द का अर्थ है श्रीलक्ष्मी और श्रीविष्णु। न शब्द का अर्थ है बल और वीरता। भक्त शिरोमणि श्री हनुमान की अखण्ड जितेद्रियता, अतुलित बलधामता, ज्ञानियों में अग्रणी आदि अलौकिक गुणों से सम्पन्न होने के कारण वह देवकोटि में माने गये हैं। हनुमानजी को अपना रूप से बड़ा रूप तथा छोटे से छोटा रूप करने की महासिद्धि प्राप्त है। ऐसा माना जाता है कि श्रीहनुमान आकाश यान से भी तेज गति से उड़ने की क्षमता रखते हैं।

विशेष अनुकंपा प्राप्ति के लिए ॐ श्री हनुमते नम: का जप करें

भगवान श्री हनुमान की विशेष अनुकंपा की प्राप्ति के लिए ॐ श्री हनुमते नम: मंत्र का जप तथा रात्रि जागरण करना चाहिए। उनकी महिमा में विभिन्न स्तुतियां, श्री हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, श्री हनुमत सहस्त्रनाम, श्रीहनुमत वडवानल स्त्रोत तथा श्रीरामचारित मानस पाठ करना शुभफलकारी माना गया है। साथ ही हनुमानजी से संबंधितमंत्रों का जप करना लाभकारी रहता है। इस दिन व्रत रख कर भगवान श्रीहनुमान की विशेष कृपा प्राप्त की जा सकती है। प्रात:काल ब्रह्म मुहुर्त में अपने दैनिक कृत्यों से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करके व्रत का संकल्प लेना चाहिए। हनुमानजी के विग्रह को चमेली के तेल या शुद्ध देशी घी व सिंदूर से शृंगारित करके विभिन्नपुष्पों व तुलसी दल की माला से सुशोभित करना चाहिए। हनुमानजी को चोला चढ़ा कर उनको नैवेद्य में बेसन व बूंदी का लड्डू, पेड़ाव मिष्ठान्न तथा भींगा हुआ चना, गुड़ व नारियल व ऋतुफल आदि अर्पित कर धूप-दीप आदि से आरती करनी चाहिए।

शनि ग्रह अनुकूल न हों तो करें पूजा

जिनकी जन्म कुंडली में शनि ग्रह की दशा, महादशा अथवा अन्तर्दशा का प्रभाव हो तथा शनिग्रह की अढ़ैया या साढ़े साती का प्रभाव हो उन्हें हनुमानजी की विशेष पूजा अर्चना करनी चाहिए।आज के दिन व्रत रखने से भगवान हनुमान की विशेष कृपा मिलती है। साथ ही सर्व संकटों का निवारण होता है। जैसा कि हनुमान चालीसा में वर्णित है- संकट कटै मिटै सब पीरा जो सुमिरै हनुमत बलबीरा। ऐसी मान्यता है कि हनुमानजी अपने भक्तों को शुभ मंगल कल्याण का आशीर्वाद देते हैं। जिससे उनके जीवन में सुख-समृद्धि का सुयोग बना रहता है।

इस बार हनुमान के रथ पर होगी 75 फुट की ध्वजा

बीएचयू गेट से संकटमोचन मंदिर तक लगेगा रेला, हजारों लोग ध्वज लेकर चलेंगे

भिखारीपुर तिराहे से 2005 से निकल रही है शोभायात्रा

वाराणसी। भिखारीपुर तिराहे से हर साल हनुमान जयंती पर निकलने वाली शोभायात्रा में इस बार विशाल रथ पर हनुमानजी के साथ 75 फुट का ध्वजा रहेगा। इस शोभायात्रा में वैसे तो हजारों की भीड़ जुटती है और इसमें हर किसी के हाथों में हनुमानजी का ध्वजा रहता है। इस शोभायात्रा के संयोजक रामबलि मौर्य बताते हैं कि इसकी शुरुआत 2005 में सिर्फ तीन लोगों से की गई थी। इसमें रामबलि मौर्य, उनके भाई अजय मौर्य व सुरेश थे। उस समय चार हजार की भीड़ हुई थी। यह शोभायात्रा भिखारीपुर तिराहे से प्रारंभ होकर बीएचयू गेट होती हुई संकटमोचन मंदिर पहुंचती है। इसमें विशाल रथ पर हनुमानजी की प्रतिमा रहती है। इसके आगे व पीछे हजारों की संख्या में पुरुष-महिलाएं व बच्चे हनुमान ध्वजा लेकर चलते हैं। वर्तमान में इसमें चार सौ सदस्य हैं। शोभायात्रा में लगभग डेढ़ दर्जन ग्रामीण इलाकों से शोभायात्रा आकर शामिल होती है। इसके अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली व बिहार से भारी संख्या में भक्त इसमें शामिल होने के लिए आते हैं। वे बताते हैं कि वर्ष 2016 में इस शोभायात्रा में लगभग 70 हजार की भीड़ जुटी थी। कोरोना काल में दो साल तक प्रतीकात्मक पूजा की गई थी। इस बार हनुमान के 75 फुट के विशाल रथ पर 75 फुट का ध्वजा रहेगा। इसके साथ ही कई तरह की झांकियां भी रहेगी। विशाल रथ पर श्रद्धालुजन भजन कीर्तन करते हुए चलते हैं। संकटमोचन मंदिर में इस दिन 2100 किलो बेसन का लड्डू अर्पित किया जाता है। इसके साथ ही हजारों लाल ध्वज भी चढ़ाये जाते हैं।

अमेरिका के दिल का दाग है वियतनाम में हार

29 मार्च की यादें

आखिर क्यों पराजित हुआ दुनिया का सबसे ताकतवर देश

आठ साल तक अनवरत जंग के बाद घुटने टेके थे अमेरिका ने

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका निर्विवाद के दुनिया की सबसे प्रमुख आर्थिक ताकत बन गया था और अपनी सेना को भी उतना ही ताकतवर मानने लगा था। फिर भी करीब आठ साल की लड़ाई में अकूत धन और सैनिक संसाधन झोंकने के बावजूद अमेरिका को उत्तरी वियतनाम की सेना और उनके गुरिल्ला सहयोगियों, वियतकांग, से मुंह की खानी पड़ी। अमेरिकी सैनिकों के 29 मार्च 1973 को हुई वापसी की 50वीं वर्षगांठ पर जानने की कोशिश करते हैं कि क्यों ऐसा हुआ। इस दौर में शीत युद्ध चरम पर था और साम्यवादी और पूंजीवादी विश्व शक्तियाँ एक-दूसरे के खिलाफ आमने-सामने थीं। द्वितीय विश्व युद्ध की वजह से फ्रांस लगभग दिवालिया हो गया था और इंडोचाइना क्षेत्र में अपने उपनिवेश को बचा नहीं सका और एक शांति सम्मेलन में वियतनाम का विभाजन हो गया- उत्तर में एक साम्यवादी और दक्षिण में अमेरिकी समर्थित सरकार।

लेकिन फ्रांसीसियों की हार से वियतनाम में संघर्ष समाप्त नहीं हुआ। पूरा वियतनाम और आस पड़ोस के देश ही साम्यवादी न हो जाएं इस डर ने संघर्ष को जारी रखा और इसी डर से अमेरिका एक ऐसे युद्ध में खिंचा चला गया जो एक दशक तक चला और लाखों लोगों की जान गई। सवाल ये उठता है कि दुनिया की सबसे ताकतवर सैन्य शक्ति ने कैसे विद्रोहियों और जल्द बने गरीब दक्षिणपूर्व एशियाई देश के सामने घुटने टेक दिए?

जानकारों का मानना है कि दुनिया के दूसरे छोर पर युद्ध लड़ना निश्चित तौर पर एक बहुत बड़ी कार्य योजना थी। युद्ध के चरम पर अमेरिका के वियतनाम में 5 लाख से ज्यादा सैनिक थे।

इस युद्ध का खर्च हैरतअंगेज था। 2008 में अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि युद्ध पर कुल 686 अरब डॉलर खर्च हुआ था, जो आज के वक़्त 950 अरब डॉलर से ज्यादा है। लेकिन इससे पहले अमेरिका ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इससे चार गुना से ज्यादा खर्च किया और जीता। उसने ठीक पहले कोरिया जैसे दूरस्थ देश में लड़ाई की थी, इसलिए उसके आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं थी।

कहा जाता है कि युद्ध के शुरूआती सालों में आशावादिता की सामान्य भावना थी। कई चीजों में ये भी एक अजीब चीज थी जो पूरे वियतनाम युद्ध के दौरान बनी रही। अमेरिका कई समस्याओं से पूरी तरह वाकिफ था। इस बारे में काफी आशंका थी कि क्या अमेरिकी सेना इस माहौल में काम कर सकती है और फिर भी 1968 तक अमेरिकी सरकार को भरोसा था कि अंत में जीत उसी की होगी। लेकिन जल्द ही उसे पता चल गया कि उसका पैर फंस चुका है। जनवरी 1968 में कम्युनिस्ट टेट के आक्रमण ने काफी क्षति पहुंचाई और अंततः युद्ध के खर्च के लिए कांग्रेस के समर्थन की कमी ने 1973 में अमेरिकी सैनिकों को वापस लेने के लिए विवश कर दिया। सवाल यह उठता है कि क्या अमेरिकी लड़ाकू सैनिकों को वियतनाम में होना चाहिए था। वियतनाम के घने जंगल अमेरिकी सेना के लिए एक मुश्किल थे।

अमेरिका घर में ही युद्ध हार गया

इस संघर्ष को अक्सर पहला टेलीविजन युद्ध कहा जाता है और इस युद्ध के दौरान मीडिया कवरेज अभूतपूर्व थी। यूएस नेशनल आर्काइव्स का अनुमान है कि 1966 तक 93% अमेरिकी परिवारों के पास टीवी सेट थे और वे जो फुटेज देख रहे थे वो कम सेंसर किए गए होते थे और पिछले संघर्षों की तुलना में ज्यादा तत्काल था। यही कारण है कि पतझड़ के दौरान साइगॉन पर हमले में अमेरिकी दूतावास परिसर के आसपास लड़ाई के फुटेज इतने शक्तिशाली थे। दर्शकों ने बहुत निकट और रियल टाइम में देखा कि वियतकांग लड़ाकों ने संघर्ष को दक्षिणी सरकार के सीधे घर में और साथ ही अमेरिकी जनता के बेडरूम में ला दिया। लेकिन 1968 के बाद टीवी कवरेज आम तौर पर तक युद्ध के लिए प्रतिकूल हो गया। अखबारों में और टीवी पर निर्दोष नागरिकों के मारे जाने, घायल होने और टॉर्चर की तस्वीरें दिखाई जाती थीं। लोग जंग के खिलाफ होने लगे थे। चार मई 1970 को एक विरोध प्रदर्शन में ओहायो में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे केंट स्टेट यूनिवर्सिटी के चार छात्रों को नेशनल गार्ड्समैन ने गोली मार दी थी। केंट सरकारी नरसंहार ने और अधिक लोगों को युद्ध के खिलाफ खड़ा कर दिया।

नवयुकों की अलोकप्रिय भर्ती ने भी जनता के मनोबल पर बहुत असर किया, साथ ही वियतनाम से अमेरिकी सैनिकों के ताबूतों की तस्वीरों ने भी यही काम किया। इस युद्ध में 58,000 अमेरिकी मारे गए या लापता हो गये। ये एक बेहद क्रूर संघर्ष था जिसमें अमेरिका ने कई भयानक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इनमें नापाम और एजेंट ऑरेंज का प्रयोग शामिल है। नापलम एक ज्वलनशील पेट्रोकेमिकल पदार्थ होता है जो 2700 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर जलता है और किसी भी चीज के संपर्क में आने पर उससे चिपक जाता है। वहीं, एजेंट ऑरेंज एक ऐसा रसायन था जिसका इस्तेमाल जंगलों को नष्ट करने में किया गया। लेकिन इसने वियतनामी खेतों में खड़ी फसल भी नष्ट कर दी जिसकी वजह से स्थानीय लोगों को भुखमरी का सामना करना पड़ा। अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ-साथ अमेरिकी सेना से जुड़े थिंक टैंक रैंड कॉरपोरेशन ने इन अध्ययनों के जरिए ये समझना चाहा कि उत्तरी वियतनामी लोगों और वियत कॉन्ग के लोगों ने संघर्ष क्यों किया। वे सभी इस नतीजे पर पहुंचे कि इन लोगों (उत्तरी वियतनामी) को लगा कि वह जो काम कर रहे हैं, वह देशभक्ति है। सरल शब्दों में कहें तो देश का एक सरकार के अंतर्गत एकीकरण किया जाना।

अमेरिका के पांच लाख सैनिकों की मौजूदगी इस बात को रेखांकित करती थी कि दक्षिण वियतनामी सरकार हर तरह से विदेशियों पर निर्भर है। दक्षिण वियतनाम कभी भी ऐसा राजनीतिक सपना नहीं था जिसकी खातिर लड़ने के लिए ज्यादा लोगों को तैयार किया जा सके। ये बात एक प्रश्न खड़ा करती है कि क्या अमेरिकी सैनिकों को एक ऐसी सरकार खड़ी करने के लिए भेजा जाना चाहिए था जिसमें भ्रष्टाचार चरम पर था।

अमेरिकी सेना ऐसी लड़ाई के लिए ट्रेंड नहीं थी

हॉलीवुड फिल्में अक्सर युवा अमेरिकी सैनिकों को जंगल के वातावरण में संघर्ष करते हुए दिखाती हैं, जबकि वियतकांग के विद्रोही औचक हमले के लिए घनी झाड़ियों में चतुराई से रास्ता ढूंढ लेते हैं। किसी भी विशाल सेना को ऐसे वातावरण में लड़ने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, जिसमें अमेरिकी सैनिकों को लड़ने के लिए कहा जा रहा था। ये ऐसी जगह थी, जैसे दक्षिण पूर्व एशिया में कहीं भी आपको सबसे घने जंगल मिलते हैं।एक मिथक ये है कि जिन हालात के लिए उत्तर वियतनामी सेना और वियतकांग के लड़ाके आदी थे वैसे माहौल से अमेरिकी सेना निपट नहीं सकती थी, ये वास्तव में यह सच नहीं है। यह ज्यादा महत्वपूर्ण बात थी है कि विद्रोही अपनी लड़ाई का समय और जगह चुन सकते थे और वे लाओस और कंबोडिया में सीमा पार पीछे हटने में सक्षम थे। जहां पीछा करने वाली अमेरिकी सेना को जाने की इजाजत नहीं थी। अमेरिकियों का ध्यान वियतकांग गुरिल्लाओं से लड़ने पर अधिक था, जिसके कारण हार हुई।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप क्या होंगे अरेस्ट

तय होगा आरोप

पोर्न स्टार मामले में बढ़ा संकट, मंगलवार को औपचारिक तौर पर आरोप होंगे तय

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर साल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले एक पोर्न स्टार को भुगतान किए जाने के मामले में औपचारिक रूप से आरोप तय किए जाएंगे। हालांकि इस मामले से जुड़ी सभी जानकारियां अब तक सामने नहीं आई हैं। अमेरिकी के उपनगर मैनहटन की ग्रैंड ज्यूरी पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 1.30 लाख डॉलर दिए जाने के मामले की जांच के बाद पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ आरोप तय किए जाने पर सहमत हो गई है। ग्रैंड ज्यूरी वो है, जो अमेरिकी नागरिकों के उस समूह से है जिसके सदस्य किसी व्यक्ति के खिलाफ लगाए गए आरोपों के आधार की जांच करते हैं। इस जांच में ये तय किया जाता है कि संबंधित शख़्स के खिलाफ औपचारिक रूप से कानूनी तौर आरोप लगाए जाने लायक सबूत उपलब्ध हैं या नहीं। जांच के बाद ज्यूरी मतदान करती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के मामले में ग्रैंड ज्यूरी इस बात पर राजी हुई है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए।

अदालत में पेश हो सकते हैं ट्रंप

अमेरिका के इतिहास में डोनाल्ड ट्रंप ऐसे पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिनके खिलाफ औपचारिक रूप से मुकदमा चलाए जाने की नौबत आई है। अब तक किसी मौजूदा राष्ट्रपति के खिलाफ भी इस तरह का मामला सामने नहीं आया है। इस मामले की जांच से जुड़े मैनहटन ज़िले के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एल्विन ब्रैग के दफ़्तर ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए बताया है कि उन्होंने ट्रंप के अटॉर्नी से उनके पेश होने को लेकर बात की है। ट्रंप की वकील सूज़न नेशैल्स ने समाचार एजेंसी को भेजे ईमेल में इस बात की पुष्टि की है कि उनके क्लाइंट डोनल्ड ट्रंप मंगलवार को अदालत पहुंच सकते हैं। अदालत में दस-पंद्रह मिनट लंबी सुनवाई में उन्हें उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों की जानकारी दी जाएगी। पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा में लगे सीक्रेट सर्विस के सुरक्षाकर्मी इस दौरान उनकी हिफाजत करेंगे। न्यूयॉर्क प्रांत की मैनहटन पुलिस को मंगलवार को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। इस मौके पर ट्रंप समर्थकों की ओर से विरोध प्रदर्शन किए जाने की आशंका है। ट्रंप के अदालत पहुंचने के बाद औपचारिक प्रक्रिया के तहत उनके फिंगर प्रिंट लिए जा सकते हैं। इसके साथ ही उनके चेहरे की तस्वीर ली जाएगी जिसे मग शॉट कहा जाता है। अमेरिकी इतिहास में ये पहली बार होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाला शख़्स इस प्रक्रिया से होकर गुजरेगा। ये सब होने के साथ ही इस मामले की सुनवाई करने वाले जज आदि का नाम सामने आएगा। इसके साथ ही ये भी पता चलेगा कि इस मामले के चलते ट्रंप पर किसी तरह के यात्रा प्रतिबंध लगाए जाएंगे या नहीं। इस मामले में अगर ट्रंप दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें अधिकतम चार सालों की सजा मिल सकती है। हालांकि, कई कानून विशेषज्ञों का मानना है कि इस मामले में उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

आखिर क्या है मामला ?

इस मामले की शुरूआत जुलाई, 2006 में हुई थी तब तक ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की दिशा में गंभीर प्रयास शुरू नहीं किए थे। पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स (असली नाम स्टेफनी क्लिफर्ड) के दावे के मुताबिक, ट्रंप से उनकी मुलाकात कैलिफोर्निया और नेवादा के बीच स्थित तोहे झील में होने वाले चैरिटी गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई। साल 2011 में 'इन टच वीकली' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि ट्रंप ने उन्हें डिनर के लिए आमंत्रित किया और वह उनके होटल रूम में मिलने गईं। ये इंटरव्यू साल 2011 में दिया गया था, लेकिन इसे 2018 में जारी किया गया। इस इंटरव्यू में डेनियल्स ने कहा, वे सोफे पर पसरे हुए थे। टेलीविजन देख रहे थे या कुछ कर रहे थे। उन्होंने पायजामा पहन रखा था। डेनियल्स ने दावा किया कि उस रात होटल में दोनों के बीच यौन संबंध बने। हालांकि, ट्रंप के वकील ने कहा है कि उनके क्लाइंट ने इससे पूरी तरह इनकार किया है।

ट्रंप ने डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी को कहा, बेशर्म

ये खबर आने के बाद डोनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया नेटवर्क ट्रुथ सोशल पर मैनहटन के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के खिलाफ बयान जारी किया है। उन्होंने प्रॉसीक्यूटर को 'बेशर्म' बताते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति 'जो बाइडन के काले कारनामों' को अंजाम देने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने अपने खिलाफ न्यूयॉर्क में जारी सभी जांच को उनके विपक्षियों की ओर से पॉलिटिकल विचहंट यानी राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाली कार्रवाई करार दिया है। उन्होंने कहा, डेमोक्रेटिक पार्टी पर 'ट्रंप को पकड़ने' की धुन चढ़ी हुई है जिसके लिए उन्होंने झूठ बोलने से लेकर धोखाधड़ी और चोरी करने जैसे काम किए हैं। लेकिन अब उन्होंने एक ऐसा काम कर दिया है जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था। उन्होंने सरेआम चुनाव में हस्तक्षेप करते हुए एक पूरी तरह से बेगुनाह शख़्स पर आरोप लगाने की प्रक्रिया शुरू की है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य एल्विन ब्रैग इस समय न्यू यॉर्क के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी हैं। उन्होंने ट्रंप के खिलाफ राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने से इनकार किया है।इस महीने की शुरूआत में उन्होंने ट्वीट करके बताया था, हम अपने न्यायिक क्षेत्र में तथ्यों, कानून और सबूतों के आधार पर मामलों का आकलन करते हैं। ट्रंप की वकील ने एक बयान में कहा है, उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है. हम पुरजोर तरीके से इस राजनीतिक कार्रवाई के खिलाफ अदालत में संघर्ष करेंगे।

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी पर संकट ?

ये खबरें आने के बाद एक अहम सवाल उठाया जा रहा है कि क्या इस मामले से ट्रंप की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी पर असर पड़ेगा। ट्रंप फिलहाल उन नेताओं में सबसे आगे चल रहे हैं जिन्हें रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी मिलने की संभावना है। अमेरिकी कानून के मुताबिक, अगर ट्रंप को इस मामले में सजा या जुर्माना भी हो जाता है तब भी उनके राजनीतिक भविष्य पर इसका असर नहीं पड़ेगा। अमेरिकी कानून में ये प्रावधान है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बनने वाला शख़्स जेल में रहते हुए भी राष्ट्रपति पद की ज़िम्मेदारियों का निर्वहन कर सकता है।